



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 45] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 11, 1978 (कार्तिक 20, 1900)  
No. 45] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 11, 1978 (KARTIKA 20, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं  
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011 दिनांक 30 सितम्बर 1978

सं० ए०-32014/1/78-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ग) स्थायी वैयक्तिक सहायक तथा इस समय स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एस० पी० मेहरा को श्री एस० सी० खुराना की तदर्थ आधार में के० सं० स्टे० से० के ग्रेड 'क' में पदोन्नति होने के कारण अगले आदेश तक उनके स्थान पर राष्ट्रपति द्वारा 15-9-78 से 30-10-78 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अनन्तिम, अस्थायी, और तदर्थ आधार पर उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

श्री मेहरा यह नोट कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति

पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और के० सं० स्टे० से० के ग्रेड ख में उनके विलयन का या उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा। उनकी नियुक्ति कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुमोदन की शर्तों पर ही होगी।

प्र० ना० मुखर्जी  
अवर सचिव

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सं० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1978

सं० ए०-19036/32/78-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाव से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निम्नलिखित स्थायी निरीक्षकों को उनके नाम के सम्मुख दिखाई गई तिथि

से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रोन्नति करते हैं:—

नाम	प्रोन्नति की तिथि	
1	2	3
सर्वश्री		
1. एस० के० घोष	21-9-78 (पूर्वाह्न)	से
2. डी० के० पपरीवाल	21-9-78 (पूर्वाह्न)	से
3. एस० के० चौधरी	21-9-78 (पूर्वाह्न)	से
4. ए० के० मल्होत्रा	22-9-78 (पूर्वाह्न)	से
5. विद्याभूषण	22-9-78 (अपराह्न)	से

रिपुदमन सिंह,  
प्रशासन अधिकारी (लेखा)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 अक्टूबर 1978

सं० ओ० दो० 1045/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर वी० दलीप मूर्ती को 22-9-78 पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो० 1095/78-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर कुमारी मालाबिका गोस्वामी को 29-9-78 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 24 अक्टूबर 1978

सं० ओ० दो० 1050/76-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डाक्टर पी० आर० सुभ्रामानियन, बेस हॉस्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, हैदराबाद का त्यागपत्र दिनांक 28 अगस्त, 1978 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

ए० के० बन्द्योपाध्याय  
सहायक निदेशक

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 19 अक्टूबर 1978

सं० ई०-32015(3)/1/75-कार्मिक—सेवा निवृत्ति की आयु पूरी होने पर श्री एस० एस० भावानन्दम ने 31 अगस्त, 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० वक्षिणी क्षेत्र मुख्यालय मद्रास के सहायक कमांडर के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013 (1)/1/78-कार्मिक—नई दिल्ली को स्थानान्तरण होने पर श्री मार्कण्डेय सिंह ने 21 सितम्बर, 1978 के अपराह्न से उप महानिरीक्षक के० ओ० सु० ब० (पूर्वी क्षेत्र) कलकत्ता के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013 (2)/1/78-कार्मिक—राष्ट्रपति, पुन-नियुक्ति आधार पर श्री वी० कृष्णप्पा को श्री एन० एन० मोहते कमांडेंट के स्थान पर, 28 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक के० ओ० सु० ब० आर० एस० पी० राउरकेला का कमांडेंट नियुक्त करते हैं और श्री मोहते ने, जो दुर्गापुर को स्थानान्तरण पर हैं, उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

सं० ई०-38013 (2)/1/78-कार्मिक—स्थानान्तरण होने पर श्री डी० डी० दुटेजा ने 6 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट आई० ओ० सी० गुजरात रिफाइनरी बड़ौदा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013 (2)/1/78-कार्मिक—राउरकेला से स्थानान्तरण होने पर श्री एन० एन० मोहते ने 6 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट डी० एस० पी० दुर्गापुर के कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013 (3)/1/78-कार्मिक—दुर्गापुर को स्थानान्तरण होने पर श्री एल० एन० मोहला ने 13 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० उत्तरी व पश्चिमी क्षेत्र, नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट (क० प्र० अ०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013 (3)/1/78-कार्मिक—कोचीन से स्थानान्तरण होने पर श्री वी० एच० गोविदास्वामी ने श्री टी० पी० बी० नाम्बियार के स्थान पर 30 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट मद्रास पोर्ट ट्रस्ट मद्रास के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया और श्री नाम्बियार ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

सं० ई०-38013 (3)/1/78-कार्मिक—नई दिल्ली से स्थानान्तरण होने पर श्री एस० एस० सम्याल ने श्री एस० के० जैमन के स्थान पर 11 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट एन० एफ० एल० नया नांगल के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया और श्री जैमन ने जो डी० एस० पी० दुर्गापुर को स्थानान्तरण पर हैं, उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

सं० ई०-38013 (3)/1/78-कार्मिक—दिल्ली से स्थानान्तरण होने पर श्री एन० रामदास ने 6 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० प्रशिक्षण रिजर्व कंटिजेंट एम० पी० टी० मद्रास के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013 (3)/1/78-कार्मिक—नई दिल्ली से स्थानांतरण होने पर श्री जे० डी० शर्मा ने 22 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट आई० पी० सी० एल० बड़ौदा के प्रशिक्षण रिजर्व की टुकड़ी के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013 (3)/1/78-कार्मिक—भटिंडा से स्थानांतरण होने पर श्री के० एस० मिनहास ने 4 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० प्रशिक्षण रिजर्व कंटिजेंट एफ० सी० आई० सिन्धी के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013 (3)/1/78-कार्मिक—धनबाद को स्थानांतरण होने पर श्री भूपसिंह राणा ने 14 सितम्बर, 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट बी० आई० एल० भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

नरेन्द्र प्रसाद  
सहायक महानिरीक्षक (कार्मिक)  
के० ओ० सु० ब० मुख्यालय

#### धन संज्ञासम (धन ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 9 नवम्बर 1978

सं० 23/3/78-सी० पी० आई०—सितम्बर, 1978 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960-100) अगस्त, 1978 के स्तर से पाँच अंक बढ़ कर 336 (तीन सौ छत्तीस) रहा। सितम्बर, 1978 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 408 (चार सौ आठ) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज  
संयुक्त निदेशक

#### वित्त मंत्रालय (अर्थ कार्य विभाग)

नासिक रोड, दिनांक 13 अक्टूबर 1978

सं० 1113/ए०—श्री बी० एम० मोरे निम्नांकित अधिकारी को भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में (द्वितीय श्रेणी राजपत्रित पद) उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर सुधारीत वेतन श्रेणी रु० 650-40-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 ई० बी० 40-1200 में तदर्थ रूप में दि० 9-10-1978 से 31-12-78 तक नियुक्त किया जाता है।

डी० सी० मुखर्जी,  
महाप्रबन्धक

#### बैंक नोट मुद्रणालय

देवास दिनांक 17 अक्टूबर 1978

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री ए० के० सक्सेना, स्थाई कनिष्ठ पर्यवेक्षक (विद्युत) को बैंक नोट मुद्रणालय देवास में रुपये 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-

के वेतनमान में सहायक अभियंत 1000 द० रो०-40-1200 (विद्युत) (समूह 'ख' राजपत्रित) के पद पद दिनांक 17-10-1978 (पूर्वाह्न) से नियमित रूप से, अन्य आदेशों तक पदोन्नत किया जाता है।

मु० वै० चार  
उप महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग  
कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110002 दिनांक 24 अक्टूबर 1978

सं० प्रशासन-I का० आ० 349/5-5/पदोन्नति/78-79/1564—श्रीमन् महालेखाकार, निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न लेखा अधिकारियों के रूप में उनके नाम के आगे दी हुई तारीखों से आगे आदेश आने तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	पदोन्नति की तिथि
1	2	3
1.	श्री एम० के० मेहरा	29-9-78 (पूर्वाह्न)
2.	श्री आर० सी० गोयल	25-9-78 (पूर्वाह्न)

को० दि० छाया  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार, जम्मू व कश्मीर  
श्रीनगर, दिनांक 23 अक्टूबर 1978

सं० प्रशा०-I 60 (59)/78-79/2795-2803—महालेखाकार जम्मू व कश्मीर ने आगामी आदेश तक के लिए इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री गिरधारी लाल जुतशी (जन्म तिथि 28-4-1939) को 16-10-78 अपराह्न से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

एम० एम० मुवारकी  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार  
प्रशासन तथा अधिकरण

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं  
नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1978

सं० 3509 ए० प्रशा०/130/75-78—निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं निम्नलिखित अधीनस्थ लेखा सेवा के के स्थाई सदस्यों को उनके सामने अंकित तिथि से लेखा परीक्षा अधिकारी के स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	कार्यालय जहां नियुक्ति की गई	नियुक्ति की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
	सर्वश्री		
1.	के० कृष्णन	वरिष्ठ उप निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं, मध्य कमान मेरठ।	21-7-78 (पूर्वाह्न)

(1)	(2)	(3)	(4)
2. जी० एन० पार्थासारथी	वरिष्ठ उप निदेशक	5-8-78	
	लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं (पूर्वाह्न)		
	दक्षिणी कमान, पुणे		
3. पी० आर० शेषाधरी	वरिष्ठ उप मुख्य लेखा	25-9-78	
अयंगर	परीक्षा आयुध फैक्टरी, (पूर्वाह्न)		
	जबलपुर		
के० बी० दास भीमिक			
वरिष्ठ उप निदेशक			
लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं			

## रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 18 अक्टूबर 1978

सं० 51/जी०/78—राष्ट्रपति जी दिनांक 2-7-1974 (पूर्वाह्न) से श्री आर० सी० शर्मा, स्थाई उप-प्रबन्धक का त्याग पत्र स्वीकार करते हैं।

सं० 52/जी०/78—श्री आर० सिन्हा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक दिनांक 31-10-1976 (अपराह्न) से सेवा से स्वेच्छापूर्वक निवृत्त हुए।

सं० 53/जी०/78—वार्षिक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त करके श्री एस० के० चक्रवर्ती, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक दिनांक 30-11-1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 54/जी०/78—वार्षिक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त करके श्री आर० एन० सक्सेना, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक दिनांक 31-10-1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 55/जी०/78—वार्षिक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त करके श्री के० के० चन्द, स्थानापन्न प्रबन्धक दिनांक 31-10-1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 56/जी०/78—वार्षिक्य निवृत्ति की आयु प्राप्त करके श्री एस० एम० राजदान, स्थायी उप-महाप्रबन्धक दिनांक 31-12-1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 57/जी०/78—58 वर्ष के बाद एक वर्ष की सेवा वृद्धि की समाप्ति पर, श्री एन० एल० धीर, स्थायी उप-महाप्रबन्धक दिनांक 31-1-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 58/जी०/78—वार्षिक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त करके श्री ए० आई० जोसफ, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक दिनांक 31-1-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 59/जी०/78—वार्षिक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त करके श्री बी० एन० बासु, स्थानापन्न महाप्रबन्धक दिनांक 30-4-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 60/जी०/78—58 वर्ष के उपरान्त दो वर्ष की सेवा वृद्धि की समाप्ति पर, श्री वी० लोध स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक दिनांक 31-5-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 61/जी०/78—वार्षिक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त करके, श्री एस० एन० काल, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक दिनांक 31-5-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 62/जी०/78—वार्षिक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त करके श्री के० एन० बहुगुणा, स्थानापन्न प्रबन्धक दिनांक 30-6-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 63/जी०/78—वार्षिक्य निवृत्ति की आयु (58 वर्ष) प्राप्त करके श्री राजिन्दर सिंह, स्थानापन्न प्रबन्धक दिनांक 30-6-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 64/जी०/78—58 वर्ष के उपरान्त एक वर्ष की सेवा वृद्धि की समाप्ति पर, श्री प्रेम सिंह, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक दिनांक 30-6-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 65/जी०/78—वार्षिक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त करके श्री डी० पी० घोष, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक दिनांक 31-7-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 66/जी०/878—वार्षिक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त करके श्री के० एल० बजाज, स्थानापन्न अपर महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां दिनांक 31-8-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 21 अक्टूबर 1978

सं० 48/78/जी०—राष्ट्रपतिजी निम्नलिखित अधिकारी को ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-1/जी० एम० ग्रेड-1 के पद पर, दर्शाई गई तारीख से पुष्ट करते हैं:—

श्री एल० सी० कांटवाल, स्थानापन्न ए० डी० जी० (ग्रेड-1) 1वीं जून, 1975 जी० एम० ग्रेड-1 (अवकाश प्राप्त)।

बी० के० मेहता

ए डी जी/स्थापना

हुते महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 18 अक्टूबर 1978

सं० 49/78/जी०—श्री टी० प्रभाकरन् स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन) दिनांक 2 मई, 1978 (अपराह्न) से सेवा से स्वेच्छापूर्वक निवृत्त हुए।

सं० 50/78/जी०—58 वर्ष की आयु प्राप्त करके श्री एम० बी० बैनर्जी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31-5-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 67/78/जी०—श्री ओ० पी० सिंघल, मौलिक एवं स्थाई तकनीकी स्टाफ आफीसर आर्डनेन्स फैक्टरियां को 21-8-78 (अपराह्न) से अनिवार्य सेवा निवृत्त किया गया।



दिनांक 20 अक्तूबर, 1978

सं० 68/78/जी०—राष्ट्रपति जी श्री वी० पी० एस० सोरायन को दिनांक 20 जनवरी, 1978 से 30 अप्रैल, 1978 तक स्थायी अस्थायी उप-प्रबन्धक के पद पर नियुक्त करते हैं।

बी० के० मेहता  
सहायक महानिदेशक, आर्डनैन्स फ़ैक्टरियां

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर 1978

सं० ए० 19018/352/78—प्रशा० (राजपत्रित)—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर राष्ट्रपति, श्री पी० अच्युता राव को दिनांक 18 सितम्बर 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक औद्योगिक डिजाइनर के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति होने पर श्री पी० अच्युता राव ने दिनांक 18 सितम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में सहायक औद्योगिक डिजाइनर का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 17 अक्तूबर 1978

सं० ए० 19018(361) 78—प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), निर्माण एवं आवास मंत्रालय, नई दिल्ली के वेतन एवं लेखा कार्यालय के कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री के० एल० सच्चर को दिनांक 30 दिसम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से एक वर्ष की अवधि के लिये विकास आयुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति के आधार पर लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र गुप्त  
उपनिदेशक (प्रशा०)

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 18 अक्तूबर 1978

सं० जूट/ए०/187 (1) 71—पटसन आयुक्त, कलकत्ता एतद्वारा श्री पी० सी० गुप्ता के स्थायी तौर पर भारतीय पटसन निगम सीमित, कलकत्ता में समाहित कर लिये जाने के फलस्वरूप श्री डी० के० दत्त को पटसन आयुक्त के कार्यालय, कलकत्ता में दिनांक 18 जुलाई, 1976 से “ग्रुप बी” में एक सहायक निदेशक (पाट प्रौद्योगिकी) के मूल पद पर नियुक्त करते हैं।

टी० एस० चक्रवर्ती  
कार्यकारी अधिकारी

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 20 अक्तूबर 1978

सं० प्र०-6/247/378/62-I—निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में स्थाई सहायक परीक्षण अधिकारी (इन्जी०) श्री एम० आर० गुहा दिनांक 30-9-78 (अपराह्न) से निवर्तमान आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सूर्य प्रकाश  
उप निदेशक (प्रशासन)  
छूते महानिदेशक पू० तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्तूबर 1978

सं० प्र०-6/247 (523)—स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए के ग्रेड ए में स्थानापन्न सहायक निदेशक निरीक्षण (इन्जी०) श्री एच० सी० वर्मा दिनांक 30-9-78 (अपराह्न) से निवर्तमान आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 20 अक्तूबर, 1978

सं० प्र० 6/247 (399) 62-III—राष्ट्रपति सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) श्री एस० सी० दत्त को दिनांक 8 अगस्त, 1978 के अपराह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी 1) के ग्रेड 1 की धातुकर्म शाखा में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) के रूप में पूर्णतः अस्थायी तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री दत्त ने 31-7-78 (अपराह्न) को बर्णपुर निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) का पदभार छोड़ दिया और 8 अगस्त, 1978 के अपराह्न से निरीक्षण निदेशक (धातु) टाटानगर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) का पदभार संभाल लिया।

यह दिनांक 13-9-78 की अधिसूचना सं० प्र०-6/247/399/62-111 के अधिक्रमण में जारी किया गया है।

सूर्य प्रकाश  
उप निदेशक (प्र०)

हस्पताल और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 7 अक्तूबर 1978

सं० 2181 (जी० एन० टी०)/19 बी० 6806 बी०—डा० डी० एन० तिवारी की हिन्दुस्तान तांबा लि० में 10-12-1972 से स्थाई भर्ती के कारण उनकी भारतीय

भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक रसायनज्ञ के स्थाई पद की "लियन" उसी तिथि से समाप्त होती है।

वी० एस० कृष्णस्वामी  
महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 9 सितम्बर 1978

सं० ए० 19011/27/70-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री यु० एन० सरकार, क्षेत्रीय खनन भूविज्ञानी, भारतीय खान ब्यूरो को अधीक्षक खनन भूविज्ञानी के पद पर आगामी आदेश होने तक दिनांक 3 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर नियुक्ति प्रदान करते हैं।

दिनांक 17 अक्टूबर 1978

सं० ए० 19011 (130) 70-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री एम० एस० फानाईक, सहायक खनिज अर्थशास्त्री (असूचना) भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 20-9-78 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में उप खनिज अर्थशास्त्री (असूचना) के पद पर पदोन्नति की जाती है।

सं० ए० 19011/73/73-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री टी० एल० मरकाम, सहायक खनिज अर्थशास्त्री (असूचना) भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 20-9-78 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में उप खनिज अर्थशास्त्री (असूचना) के पद पर पदोन्नति की जाती है।

सं० ए० 19011 (110) 75-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री ए० पी० देऊसकर, सहायक खनिज अर्थशास्त्री (असूचना) भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 19-9-78 के अपराह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में उप खनिज अर्थशास्त्री (असूचना) के पद पर पदोन्नति की जाती है।

सं० ए-19011(164) 75-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री श्री एम० ए० पाटील सहायक खनिज अर्थशास्त्री (असूचना) भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 20-9-1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में उप खनिज अर्थशास्त्री (असूचना) के पद पर पदोन्नति की जाती है।

सं० ए-19011(103)/76-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री डब्लू० मानकर, सहायक खनिज अर्थशास्त्री (असूचना) भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 20-9-1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में उप खनिज अर्थशास्त्री (असूचना) के पद पर पदोन्नति की जाती है।

सं० ए-19011(248)/78-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री एस० चन्द्रमार्डली, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (असूचना) भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 26-9-78 के अपराह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खनिज अर्थशास्त्री (असूचना) के पद पर पदोन्नति की जाती है।

दिनांक 19 अक्टूबर 1978

सं० ए-19011(60) 70-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री श्री जी० एम० राव उप अयस्क प्रसाधन अधिकारी, भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 13-9-1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में अधीक्षक खनिज अर्थशास्त्री के पद पर पदोन्नति की जाती है।

दिनांक 21 अक्टूबर 1978

सं० ए-19011(131) 72-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री एस० एम० जोशी, सहायक खनिज अर्थशास्त्री, भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 3-10-78 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में उप खनिज अर्थशास्त्री (असूचना) के पद पर पदोन्नति की जाती है।

एस० बालगोपाल  
कार्यालय अध्यक्ष,  
भारतीय खान ब्यूरो

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अक्टूबर 1978

सं० 28-1/70-प्रशासन-I (भाग-II)—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने के फलस्वरूप श्री बी० एस० कृष्णामूर्ति सहायक निदेशक, प्लेग निगरानी एकक, राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, बंगलूर ने 31 जुलाई, 1978 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० 16-15/75-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री बी० पी० श्रीवास्तव को 16 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुसंधान अधिकारी के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए-19015/2/78-(सी०एस०एस०) प्रशासन-I—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में श्री आर० के० सूरि अनुभाग अधिकारी, 30 सितम्बर, 78 अपराह्न से सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 21 अक्टूबर 1978

सं० ए-19015/4/77-प्रशासन-I—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अनुभाग अधिकारी श्री एच० एस० माधुर 31 अगस्त, 1978 के अपराह्न से सरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

दिनांक 24 अक्टूबर 1978

सं० ए-12026/13/77-(एस० जे० एच०)/प्रशासन-I स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में आहारविद् के पद पर काम कर रही श्रीमती इन्दु सहगल को 1 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी अस्पताल में वरिष्ठ आहारविद् के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/26/77-प्रशासन-I—अपना त्याग-पत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप श्रीमती दीपक विरमानी ने 25 जुलाई, 1978 के अपराह्न से राजकुमारी अमृतकौर नर्सिंग कालेज, नई दिल्ली से रसायन विज्ञान के लेक्चरर के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए०-12025/3/78-प्रशासन—राष्ट्रपति ने श्री बिक्रम चन्द को 18 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में अनुसंधान अधिकारी (रसायन) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

शामलाल कुठियाला  
उप निदेशक प्रशासन (सं० व प०)

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1978

सं० ए० 12026/31/78-सी०जी०एच०एस०-I—डाक व तारघर, दिल्ली के मुख्य लेखा परीक्षक के कार्यालय से प्रतिनियुक्ति पर आये श्री ए० के० सेनगुप्ता को, जो इस समय डाक व तारघर लेखा परीक्षक कार्यालय, पटना में कार्य कर रहे हैं, 16 अगस्त, 1978 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कलकत्ता में प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 23 अक्टूबर 1978

सं० 9-58/75-के० सं० स्वा० यो०-I—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद से बदली हो जाने पर आयुर्वेद के कायचिकित्सक डा० एस० आर० त्रिवेदी ने 22 जुलाई, 1978 अपराह्न से हैदराबाद से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा 4 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, जयपुर में आयुर्वेद कायचिकित्सक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एन० एस० भाटिया,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
(सी० जी० एच० एल०)

कृषि और सिंचाई मंत्रालय  
(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्टूबर 1978

सं० 2-10/78-स्था० III—अधीक्षक (कोटि प्रथम) के पद पर सर्वश्री सोहन लाल धीर व गुरुदयाल गुलाटी की तदर्थ नियुक्ति दिनांक 16 अक्टूबर, 1978 से आगे और 28 फरवरी, 1979 तक बनी रहेगी।

दर्शन सिंह, निदेशक प्रशासन

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 20 अक्टूबर 1978

सं० ए० 31014/2/78-प्र०-I—निम्नलिखित अधिकारियों को दिनांक 1-1-67 से सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-II) के

स्थायी पद पर विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में मूलतः स्थायी रूप में नियुक्त किया जाता है।

1. श्री एन० आर० मुखोपाध्याय
2. श्री जी० एस० कशिवा
3. श्री एस० के० हजेला

जे० एस० उप्पल,  
कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

(क्रय और भंडार निदेशालय)

बम्बई-400 001, दिनांक 13 अक्टूबर 1978

सं० क्र० भं० नि०/41(2)/77-प्रशासन/26153— इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 8 मई, 1978 के सन्दर्भ में निदेशक, क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखित भंडारियों को केन्द्रीय भंडार यूनिट ट्राम्वे में सहायक भंडार अधिकारी पद पर प्रभारी रूप में कार्य करने हेतु अग्रिम समय 28 अक्टूबर, 1978 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

1. श्री मिहिरचन्द्र राय
2. श्री मुलियाप्पुरथ राजू
3. श्री वसन्त यशवन्त गोखले

दिनांक 19 अक्टूबर 1978

सं० डी० पी० एस०/2/1(25)/77-प्रशासन/27003— इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 5 मई, 1978 के तारतम्य में, निदेशक, क्रय एवं भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के लेखाकार श्री नल्लूवाई हरिहरन ऐथ्यर, कृष्णन् को सहायक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने हेतु अग्रिम आदेशों तक अथवा 31 अक्टूबर, 1978, जो भी पहले हो, तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

वी० जी० कुलकर्णी  
सहायक कार्मिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 9 अक्टूबर 1978

सं० पी०ए०आर०/0705/2122—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, श्री टी० लक्ष्मीनरसैया सहायक लेखापाल को 14-8-1978 से आगामी आदेशों तक के लिये नाभिकीय, ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में स्थानापन्न रूप से, सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी०ए०आर०/0705/2123—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, श्री जे० सूर्यनारायण राव सहायक लेखापाल को 26-12-1977 से 30-9-1978 के मध्याह्न तक की अवधि के लिये नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र हैदराबाद में स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 अक्तूबर 1978

सं० पी०ए०आर०/0705/2128—मुख्य कार्यपालक नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, श्री डी० डब्लू० वेशमुख, स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी को 6-10-1978 के मध्याह्न से आगामी आदेशों तक के लिये नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र हैदराबाद में स्थानापन्न रूप से सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

यू० वासुदेव राव,  
प्रशासन अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 19 अक्तूबर 1978

सं० प०ख०प्र०-I/24/76-प्रशासन—इस कार्यालय की दिनांक 12-9-78 की समसंख्यक अधिसूचना का अधिक्रमण करते हुए परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक उसी प्रभाग के स्थायी सहायक एवं स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी (तदर्थ) श्री आर० सी० सूद को 19 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 10 अक्तूबर 1978

सं० भापाप/स्था०/प-20/4561—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य-अधिकारी, श्री घनश्याम छगनभाई पटेल, अस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक, भारी पानी परियोजना (बाड़ोदा) को उसी परियोजना में 18 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से 31 अगस्त 1978 (अपराह्न) तक के लिये श्री एस० जी० ठाकुर, सं० का० अ० जो प्रशिक्षण के लिये प्रतिनियुक्त किए गये हैं, के स्थान पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० भापाप/स्था०/भा-15/4562—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य-अधिकारी, श्री गोविन्दलाल अमृतलाल भावसार, अस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (बाड़ोदा) के स्थानापन्न सहायक लेखाकार को उसी परियोजना में 1 जून, 1978 (पूर्वाह्न) से 4 जुलाई, 1978 (अपराह्न) तक के लिये श्री डी० पी० माथुर, सहायक लेखा अधिकारी, जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 सितम्बर 1978

सं० भा पाप/स्था०/1/च-46/4712—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य-अधिकारी श्री दिवाकर जट्टोपाध्याय, महालेखाकार, उड़ीसा, भुवनेश्वर के कार्यालय के स्थायी लेखा परिक्षक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी जो भारी पानी परियोजना (तलधर) में सहायक लेखा अधिकारी प्रतिनियुक्त

हैं, को उसी परियोजना में 26 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से 1 जुलाई, 1978 तक श्री बी० बी० वालवेकर, लेखा अधिकारी जो छुट्टी पर हैं, उनके स्थान पर तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० भापाप/स्था०/ट-19/4738—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य-अधिकारी, श्री कोचुशुडिईल थोमस थोमस, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी अवतर श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजनाएं (मुख्य कार्यालय) के स्थानापन्न वरण श्रेणी लिपिक को, उसी कार्यालय में जुलाई, 12, 1978 (पूर्वाह्न) से 30 अगस्त, 1978 (अपराह्न) तक श्री य० पु० धारपुरे, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

महाराष्ट्र, दिनांक 1978

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19(3)/76-आर०—श्री वाई० आर० वेंलकर को, जो तारापुर परमाणु बिजली घर में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, 3 अक्तूबर 1978 के पूर्वाह्न से तारापुर परमाणु बिजलीघर में सहायक लेखापाल के पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

श्री वेलकर ने 3 अक्तूबर, 1978 के पूर्वाह्न में सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ए० डी० देसाई,  
मुख्य प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्तूबर 1978

सं० ए० 32013/11/77-ई० सी०—राष्ट्रपति, ने निम्न-लिखित तकनीकी अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से और अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में नियमित आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों के रूप में नियुक्त किया है और प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात किया है :—

क्र० सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख	जिस स्टेशन पर तैनात किया गया
----------	-----	----------------------	------------------------------	------------------------------

सर्वश्री :

1.	एस० के० गाविलकर	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	14-7-78 (पूर्वाह्न)	वै० सं० स्टेशन, बम्बई।
2.	के० श्रीनिवासन	वै० सं० स्टेशन मद्रास	15-7-78 (पूर्वाह्न)	वै० सं० स्टेशन मद्रास।

सं० ए० 38012/1/77-ई० सी०—वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास में संचार अधिकारी श्री एफ० जे० रोड्स ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-1978 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० 38015/1/77ई०सी०—नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर प्रत्येक के नाम के आगे दी गई तारीखों से, अपने पदों का कार्यभार त्याग दिया है :—

क्रम सं०	नाम	पद	तैनाती स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तारीख
1.	श्री के० वी० उपाध्याय	तकनीकी अधिकारी	बै० सं० मद्रास	30-6-1978 (अपराह्न)
2.	श्री आर० पी० मोहिन्द्र	तकनीकी अधिकारी	निदेशक, रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, नई दिल्ली	31-7-1978 (अपराह्न)
3.	श्री वी० एन० गाडबोले	तकनीकी अधिकारी	क्षेत्रीय कार्यालय, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास।	31-7-1978 (अपराह्न)

सं० ए० 32013/3/78-ई०सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों को स्थानान्तरण कर उसके नाम के सामने दी गई तारीखों से छः मास की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें महानिदेशक नागर विमानन मुख्यालय में तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	पद तथा स्टेशन जहां से स्थानान्तरित किए गए	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री के० रामलिंगम	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी बै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	23-6-78 (पूर्वाह्न)
2.	श्री आर०एस० अजमानी	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी बै० सं० स्टेशन बम्बई।	11-8-78 (पूर्वाह्न)

सत्य देव शर्मा,  
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 अक्टूबर 1978

सं० ए० 32014/1/78-ई०ए—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति  
2—326 GI/78

को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दे दी है :—

क्रम सं०	नाम	तारीख	स्टेशन
1.	श्री गोपाल सिंह	10-10-78	अमृतसर
2.	श्री एम० गोपाल	14-10-78	बंगलूर
3.	श्री सी० जी० पगे	10-10-78	सांताक्रूज
4.	श्री वाई० एल० सोनी	10-10-78	दम दम
5.	श्री एम० एम० भारद्वाज	11-10-78	वाराणसी
6.	श्री के० सी० विश्वास	10-10-78	दम दम
7.	श्री वी० वी० दिवेकर	10-10-78	अहमदाबाद
8.	श्री एस० मन्यन	14-10-78	तिरुचिरापल्ली
9.	श्री एस० एल० विश्वास	10-10-78	दम दम

बी० वी० जोहरी,  
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 20 अक्टूबर, 1978

सं० 16/305/78-स्थापना-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री राजपाल सिंह को 16 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के अधीन पर्यावरण सम्बन्धी अनुसंधान केन्द्र, कुस्यांग, जिला दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) में अस्थायी हैसियत से अनुसंधान अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 16/307/78-स्थापना-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, डा० (श्रीमती) प्रफुल्ला सोनी को दिनांक 18 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के अधीन पर्यावरण सम्बन्धी अनुसंधान केन्द्र, जिमला में अस्थायी हैसियत से अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुरदयाल मोहन,  
कुल सचिव  
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाह्वालय

पटना, दिनांक 23 सितम्बर 1978

सं० 11(7) 2-स्था०/78/1023—इस कार्यालय के स्थापना आदेश संख्या 169/78 दिनांक 17-6-78, जो स्थापना आदेश संख्या 219/78 दिनांक 29-7-78 द्वारा संशोधित किया गया के अनुसार निम्नलिखित निरीक्षकों को स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय

उत्पाद एवं सीमा शुल्क ग्रुप 'बी' के रूप में पदोन्नत किया गया। उन लोगों ने रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- तथा नियमान्तगत देय सामान्य भत्तों के सहित वेतनमान पर उनके नाम के सामने दिखाए गये स्थान तिथि और समानुसार कार्यभार ग्रहण किया।

नाम	पदस्थापन के स्थान	कार्य ग्रहण तिथि
सर्वश्री		
1. एम० एन० राय	सीमा शुल्क, अररिया	3-8-78 (पूर्वाह्न)
2. मृणाल कुमार सिल्ला	केन्द्रीय उत्पाद रेंज, दरभंगा	29-6-78 (पूर्वाह्न)
3. दिवालिवा रजक	केन्द्रीय उत्पाद रेंज महनार	21-7-78 (पूर्वाह्न)
4. फणी भूषण शिट	केन्द्रीय उत्पाद रेंज चक्रधरपुर	8-8-78 (पूर्वाह्न)
5. के० डी० धुवे	सीमा शुल्क, मुजफ्फरपुर	14-7-78 (पूर्वाह्न)
6. शिशिर कुमार भट्टा	केन्द्रीय उत्पाद इंडियन कैबुल रेंज, जमशेदपुर	5-7-78 (पूर्वाह्न)
7. जय राम राम	सीमा शुल्क, मोतिहारी	25-7-78 (पूर्वाह्न)

डी० के० सरकार, समाहर्ता  
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

कानपुर, दिनांक 4 अक्टूबर 1978

सं० 25/78—श्री एच० बी० श्रीवास्तव स्थानापन्न पुष्ट अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' ने अधीक्षक वर्ग 'ख' एम० ओ० आर० II आगरा के पद का कार्यभार दिनांक 31 मई 1978 (अपराह्न) को श्री पी० पी० श्रीवास्तव को सौंप दिया और अधिवार्षिता की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31 मई, 1978 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गए।

दिनांक 17 अक्टूबर 1978

सं० 33/78—श्री के० एन० गौतम निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख', वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11-22 स्था०/78/44 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/4/1978 दिनांक 9-1-78 अधीक्षक केन्द्रीय

उत्पाद शुल्क कानपुर II के पद का कार्यभार दिनांक 16-1-78 (पूर्वाह्न) संग्रहण किया।

सं० 27/78—श्री बालक राम निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख', वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11/22-स्था०/78/27386 दिनांक 1-6-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/149/78 दिनांक 1-6-78 अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एम० ओ० आर० राजा का रामपुर के पद का कार्यभार दिनांक 4-9-78 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

के० एल० रेखी, समाहर्ता

कानपुर, दिनांक 17 अक्टूबर 1978

सं० 30/78—श्री वी० एस० भारद्वाज निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख', वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11-22 स्था०/78/44 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत, निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/4/1978 दिनांक 9-1-78 अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, एम० ओ० आर० झांसी के पद का कार्यभार दिनांक 17-1-78 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

सं० 32/78—श्री ए० एन० मिश्रा निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख', वेतनमान रु० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11-22/ई०टी०/78/44 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत अधीक्षक निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/4/1978 दिनांक 9-1-78 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एम० ओ० आर० कायमगंज के पद का कार्यभार दिनांक 17-1-78 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

दिनांक 21 अक्टूबर 1978

सं० 11/1978—श्री आर० पी० छाबरा निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11-22 स्थापना/9-1-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/14/1978 दिनांक 9-1-78 अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अधीक्षक एम० ओ० आर० के पद का कार्यभार दिनांक 21-1-78 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

सं० 31/78—श्री आर० सी० गुप्ता निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-

35-800-40-1000-द० रो०-40-1200, के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11-22-ईटी०/78/44 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/4/1978 दिनांक 9-1-78—अधीक्षक वर्ग 'ख' केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कानपुर, द्वितीय के पद का कार्यभार दिनांक 16-5-78 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

सं० 29/78—जोगेन्द्र सिंह निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिए इस कार्यालय के स्थापना के पृष्ठांकन प० सं० 11-22/ई० टी०/78/44 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/4/1978 दिनांक 9-1-78 अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एम० ओ० आर० कायमगंज के पद का कार्यभार दिनांक 30-1-78 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

सं० 34/78—श्री आर० एन० लाल निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख', वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11-22-ईटी० दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/4/78 दिनांक 9-1-78 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कानपुर प्रथम मण्डल के पद का कार्यभार दिनांक 4-3-78 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

के० प्रकाश आनन्द,  
समाहर्ता

बड़ीदा, दिनांक 23 अक्टूबर 1978

सं० 3-78—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नियमावली, 1944 के नियम 232ए के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं नियम 232ए के उप-नियम 2 में बताए अनुसार निम्नलिखित तालिका में उन व्यक्तियों के नाम, पते तथा उनसे सम्बन्धित अन्य विवरण प्रकाशित कर रहा हूँ जिन्हें अधिनियम की धारा 9 के अन्तर्गत न्यायालय द्वारा सजा दी गई है :—

#### तालिका

- |   |   |
|---|---|
| (1) नाम और पता:   | श्री बिट्टलभाई नरसिंगभाई पटेल,<br>सोखडा के तम्बाकू के व्यापारी<br>एल० 1 सं० 64/72, चोरा के<br>निफ्ट, सोखडा, ता० बोरसद<br>(गुजरात) |
| (2) अधिनियम अथवा<br>नियमों में वे अपबन्ध<br>जिनका उल्लंघन<br>किया गया है। | जाली परिवहन दस्तावेजों के<br>अन्तर्गत तम्बाकू को हटाने के<br>कारण, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क<br>तथा नमक अधिनियम 1944                |

की धारा 9-ए तथा 9-बी,  
भारतीय दण्ड संहिता की धारा  
196, 200।

(3) किए गए जुर्माने की  
सजा।

(1) धारा 9 ए के अन्तर्गत  
अपराध के लिए अदालत के  
उठने तक की सजा तथा 200 रु०  
का जुर्माना जिसके अभाव में 15  
दिन की कड़ी कैद।

(2) धारा 9 बी के अपराध के  
लिए अदालत के उठने तक की  
सजा तथा 500 रु० का जुर्माना  
जिसके अभाव में 1 महीने तक  
की कड़ी कैद।

(3) भारतीय दण्ड संहिता की  
धारा 196 के अन्तर्गत अपराध के  
लिए अदालत के उठने तक की  
सजा तथा 150 रु० का जुर्माना  
जिसके अभाव में 10 दिन की  
कड़ी कैद।

(4) भारतीय दण्ड संहिता की  
धारा 200 के अन्तर्गत अपराध  
के लिए अदालत के उठने तक  
की सजा तथा 150 रु० का  
जुर्माना जिसके अभाव में 10  
दिन की कड़ी कैद।

के० एस० दिलीपसिंहजी  
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (बड़ीदा)

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय,

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 20 अक्टूबर 1978

सं० 18/78—श्री गुरबक्श सिंह, ने जो पहले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क जयपुर में सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादशुल्क के पद पर कार्य कर रहे थे, राजस्व विभाग के दिनांक 25-4-78 के आदेश संख्या 61/78 फाइल सं० ए-22012/13/78-प्रशा०-II के अनुसार निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में स्थानान्तरित होने पर, इस निदेशालय के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 3/10/78 के पूर्वाह्न से निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क), ग्रुप 'क' का कार्यभार संभाल लिया है।

एम० वी० एम० राव  
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 20 अक्टूबर 1978

सं० ए-12017/5/76-प्रशा० पांच—अधिसूचना संख्या  
ए-12017/5/76-प्रशा० पांच, दिनांक 10 जुलाई, 1978 के

अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री बी० के० गोस्वामी को गोहाटी ग्रेजिंग प्रभाग, गोहाटी में सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) की श्रेणी में तदर्थ नियुक्ति को र० 650-30-740-35-810-द० र०-35-880-40-1000-द० र०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थायी आधार पर 1-10-1978 से 30-10-1978 की अगली अवधि तक अथवा श्रेणी में नियमित अधिकारी उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

सं० ए-12017/5/76-प्रशा० पांच--अधिसूचना संख्या ए-12017/5/76-प्रशा० पांच, दिनांक 10 जुलाई, 1978 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एस० ए० शाह की कोयम्बतूर ग्रेजिंग प्रभाग, कोयम्बतूर, केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) की श्रेणी में तदर्थ नियुक्ति को र० 650-30-740-35-810-द० र०-35-880-40-1000-द० र०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थायी आधार पर 1-10-1978 से 30-10-1978 की अगली अवधि तक अथवा श्रेणी में नियमित अधिकारी उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

जे० के० साहा,  
अवर सचिव  
केन्द्रीय जल आयोग

#### उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1978

सं० 31--उत्तर रेलवे संकेत एवं दूर संचार विभाग के निम्न-लिखित अधिकारी उनके सामने दी गई तिथि से रेल सेवा से अन्तिम रूप से सेवानिवृत्त हो गए हैं :-

- (1) श्री प्रियाम सिंह वरिष्ठ मंडल दूर संचार अभियन्ता इलाहाबाद--30-9-77।
- (2) श्री जे० पी० मुद्गलियार वरिष्ठ दूर संचार अभियन्ता निर्माण दिल्ली--31-12-76।
- (3) श्री के० जी० आनन्द, वरिष्ठ दूर संचार अभियन्ता, (दूर संचार)--31-7-77।
- (4) श्री जी० एस० बाबा, वरिष्ठ दूर संचार अभियन्ता (ए० सी० एस० आर०), लखनऊ--31-8-77।
- (5) श्री ई० एम० राबर्ट्स वरिष्ठ दूर संचार अभियन्ता, दिल्ली--31-3-77।
- (6) श्री एस० के० चौधरी, सहायक दूर संचार अभियन्ता, लखनऊ--31-12-77।

आर० श्रीनिवासन  
महाप्रबन्धक

#### पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

##### पूर्ति विभाग

##### राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

सं० जी-65/वी(कान)--श्री सुजित दास, वैज्ञानिक सहायक (भौतिकी)--जिसका नाम अभी वैज्ञानिक सहायक (विद्युत)

हो गया है--राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता जो कि राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता की अधिसूचना सं० जी-65/वी (कान) दिनांक 26-5-1972 के अनुसार दिनांक 18-5-72 से उसी कार्यालय में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिकी) जिसका नाम अभी वैज्ञानिक अधिकारी (विद्युत) हो गया है--के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किये गये थे पुनः दिनांक 23-3-78 के अपराह्न से उसी कार्यालय में वैज्ञानिक सहायक (विद्युत) के रूप में परिणित किये गये।

ए० के० मजुमदार  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते निदेशक

#### विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

##### (कम्पनी कार्य विभाग)

##### कम्पनी विधि बोर्ड

##### कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कजूरा कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर 1978

सं० 1130/560(5)/78--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कजूरा कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पम्पापक्केश

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हिमाचल पौलट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 18 अक्टूबर 1978

सं० जी/स्टेट०/560/2904/7105--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हिमाचल पौलट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और रीवा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 18 अक्टूबर 1978

सं० जी/स्टेट०/50/3201/7109--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रीवा प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।



कम्पनी अधिनियम 1956 और डेन्टोजोन कोसमेटिक्स

प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 18 अक्तूबर 1978

सं० जी/स्टेट/560/3280/7112—कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि डेन्टोजोन कोसमेटिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ओमना फार्मिनेन्स एण्ड

चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 18 अक्तूबर 1978

सं० जी/स्टेट/560/2976/7114—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ओमना फार्मिनेन्स एण्ड चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल,

कम्पनी रजिस्ट्रार,

पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स नवानगर ट्रान्सपोर्ट

एण्ड इन्डस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 20 अक्तूबर 1978

सं० 560/797/560/सीपी—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स नवानगर ट्रान्सपोर्ट एण्ड इन्डस्ट्रीज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कुमुद बेनीफिट प्राईवेट

लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 20 अक्तूबर 1978

सं० 560/1909/सीपी—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कुमुद बेनीफिट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स टाउनशिप

प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 20 अक्तूबर 1978

सं० 560/2644/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स टाउनशिप प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स सन्तरोड

सीरेमिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 20 अक्तूबर 1978

सं० 560/2683/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स सन्तरोड सीरेमिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लोकभारती

प्रकाशन लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 20 अक्तूबर 1978

सं० 560/921/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स लोकभारती प्रकाशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाया,

प्रमंडल पंजीयक, गजरात अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बोकारो गीयर इन्डस्ट्रीज

प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 21 अक्तूबर 1978

सं० (1215) 560/77-78—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बोकारो गीयर इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और इलेक्ट्रीसिटी एण्ड साउण्ड

प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 21 अक्तूबर 1978

सं० (465) 560/78-79/1—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इलेक्ट्रीसिटी एण्ड साउण्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० बनर्जी,

कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

मैसर्स अलंकार हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड  
के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2)  
के अन्तर्गत नोटिस

नई दिल्ली-11001, दिनांक 23 अक्टूबर 1978

सं० को० लिखित/4349/18641—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 9-5-1978 के आदेश से मैसर्स अलंकार हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड का परिसमापित होना, आदेशित हुआ है।

पी० एस० माथुर,  
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार  
दिल्ली एवं हरियाणा

कार्यालय, आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 20 अक्टूबर 1978

सं० जुरि-दिल्ली-1/78/79/25984—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-I, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 20-10-78 से निम्नलिखित आयकर रेंज बनाया जाएगा :—

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, दिल्ली रेंज-I ई० नई दिल्ली।

क० न० बुटानी,  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अक्टूबर 1978

सं० जुरि-दिल्ली/II/78-79/24859—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त दिल्ली-II, नई

दिल्ली निदेश देते हैं कि 20-10-1978 से निम्नलिखित आयकर रेंज बनाया जाएगा :—

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, दिल्ली-II, एक, नई दिल्ली।

ए० सी० जैन,  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अक्टूबर 1978

सं० जुरि-दिल्ली-4/78-79/26110—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 20-10-1978 से निम्नलिखित आयकर रेंज बनाया जाएगा :—

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, दिल्ली रेंज-3 ई० नई दिल्ली

रणवीर चन्द्र,  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-4 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1978

सं० जुरि० दिल्ली-5/78-79/26238—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 21-10-1978 से निम्नलिखित आयकर रेंज बनाया जाएगा :—

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, दिल्ली रेंज-5ई, नई दिल्ली।

के० आर० राघवन,  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड-8, दिनांक 21 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० 230/78-79/ए० सी० क्यू०/---यतः मुझे डी० सी० राजागोपालन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 25/ए-5 है, जो खानपुर रोड, तिलकवाडि बेलगाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेलगाम ग्रंथर डाकुमेंट नं० 2886/77-78 दिनांक 15-2-1978 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत, से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सालिनिवाई पत्नी बामुदेब पिनढासि  
मकान नं० 25/ए4, खानपुर रोड,  
तिलकवाडि, बेलगाम ।

(अन्तरक)

2. श्री सनवाराम नारायण राव बेनेगल, म० नं० 25/ए०  
खानपुर रोड, तिलकवाडि, बेलगाम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान सं० सि० टि० एस० 2 नं० 25/ए० 5 खानपुर रोड,  
तिलकवाडि, बेलगाम में स्थापित है ।

डी० सी० राजागोपालन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, धारवाड ।

तारीख : 21-9-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/3631/78-79/—

अतः मुझे, कंवरजीत सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० बी-55 है, तथा जो मोती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जगवसाया खन्ना सुपुत्र श्री आसा नन्द खन्ना, निवासी 17/288, सदर भाट्टी, आगरा (यू० पी० ) (अन्तरक)

2. श्री कुलदीप कुमार खन्ना, सुपुत्र श्री श्रीम प्रकाश खन्ना निवासी बी-55, मोती नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

एक लीज-होल्ड प्लॉट जिसका नं० बी-55 है और क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, मोती नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : खाली भूमि  
पश्चिम : मकान नं० बी-54  
उत्तर : पार्क  
दक्षिण : मकान नं० बी-56

कंवर जीत सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

तारीख : 7-10-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/3633/78-79:—

प्रतः मुझे कंवरजीत सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 7351/14 है, तथा जो गली तलियान  
कसाबपुरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

3-326GI/78

1. श्री विजय कुमार सुपुत्र स्वर्गीय श्री गंगा बिशन  
निवासी 4576, पहाड़ी धीरज, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. (1) श्री रामचन्द्र, (2) श्री रघुवीर सिंह,  
सुपुत्र श्री नथु राम, निवासी 7351, वार्ड  
नं० 14, गली तलियान, कसाबपुरा, सदर  
बाजार, दिल्ली।

(अन्तरितो)

3. श्री राम देव, राम लाल, हरबंस तथा श्री रामजीलाल  
(वह व्यक्ति जिसके अधिमौल में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कर्वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान जिसका नं० 7351 है और वार्ड नं० 14 है, क्षेत्रफल  
120 वर्ग गज है, गली तलियान, कसाबपुरा, सदर बाजार,  
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित:—

पूर्व : मकान नं० 7347  
पश्चिम : मकान नं० 7350  
उत्तर : गली  
दक्षिण : अन्य मकानात

कंवर जीत सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली।

तारीख: 7-10-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/3624/78-79—

यतः मुझे कंवर जीत सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ई-10 है, तथा जो मानसरोवर गार्डन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती मूर्ती देवी, पत्नी श्री चम्पा सिंह त्यागी, निवासी 5291, भरत नगर, शोरा कोठी पहाड़गंज, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री सतीश त्यागी तथा हरीश त्यागी, सुपुत्र श्री शिव चरण त्यागी, निवासी मकान नं० डब्ल्यू० जैड/505, त्यागी निवास, बसाएदारापुर, दिल्ली राज्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

प्लॉट जिसका नं० 10, ब्लॉक नं० 'ई' है, क्षेत्रफल 434 वर्ग गज है, मानसरोवर गार्डन, बसाएदारापुर गांव, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लॉट नं० ई-11

पश्चिम : प्लॉट नं० ई-9

उत्तर : रोड

दक्षिण : लेन

कंवरजीत सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1 ।

तारीख : 7-10-1978

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, 7 दिनांक अक्टूबर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/3634/78-79—

अतः मुझे, कैबरे जीत सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 920/13 है, तथा जो शीश महल,  
बहादुरगढ़ रोड, अजाद मार्केट, दिल्ली, में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 78  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल  
के लिए अस्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम;  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रस्तावित :—

1. श्री सुख देव राज, सुपुत्र श्री नीरंजन दास,  
निवासी 190, जोर बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री खुरशीद अहमद तथा श्री मुबीन अहमद,  
सुपुत्र श्री हाफीज मुश्ताक अहमद, निवासी 812,  
शीश महल, अजाद मार्केट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जिसका नं० 920 (नाया), वार्ड  
नं० 13 है, और क्षेत्रफल 105 वर्ग गज है, शीश महल,  
बहादुरगढ़ रोड, अजाद मार्केट, दिल्ली में निम्न प्रकार से  
स्थित है :—

पूर्व : मकान नं० 13/921  
पश्चिम : मकान नं० 13/919  
उत्तर : गली  
दक्षिण : मकान नं० 13/947

कैबरेजीत सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 7-10-1978  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-II, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 11 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/3620/78-79—

यतः मुझे, कंवरजीत सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2789 तथा 2790 है तथा जो लौथिअन  
रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों को,  
जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमात्र  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

1. श्री ए० पी० सैहगल सुपुत्र श्री राय बहादुर माधो प्रसाद,  
निवासी एम-42, प्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० पी० एस० जैन कं० लि० 7-ए, राजपुर रोड,  
दिल्ली। इनके मैनेजर श्री जैन दास जैन के द्वारा, निवासी  
46-ए, सुमन बाजार, भोगल, जंगपुरा, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. दी० पंजाब नेशनल बैंक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के संबंध में कोई भी आशेष :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जिसका म्युनिसिपल नं० 2789 तथा 2790 है और  
क्षेत्रफल 900 वर्ग गज है, लौथिअन रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली  
में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : लौथिअन रोड  
पश्चिम : गुरु नानक आटो मार्किट  
उत्तर : पोलोटैकनिक कालेज  
दक्षिण : सैगल मोटर मार्किट

कंवर जीत सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
ग्रजन रेंज-II, दिल्ली

तारीख : 7-10-1978  
मोहर :



प्रकट आई० टी० एन० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/भोपाल/1149/78-79—

प्रतः मुझे, वि० च० गोयल

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-2-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा—

1. श्री मोपाल काबरा पुत्र श्री राम गोपाल काबरा,  
निवासी हनुमानगंज, भोपाल।  
(अन्तरक)

2. 1. श्री मोहम्मद शरीफ  
2. श्री मोहम्मद शगीर दोनों पुत्र श्री मोहम्मद  
नसीर साहिब, निवासी चिकलोव रोड, भोपाल।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्रमांक 19 स्थित जिसी रोड, जहानगीरा बाद,  
गुलाब चन्द सेखालाल आईल मिट्स के पीछे। बाईं क्रमांक 26  
भोपाल। एरिया 687.482 वर्ग मीटर।

वि० च० गोयल,  
संमक्ष प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, भोपाल।

तारीख: 3-10-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निदेश सं० ए० एस० आर०/78-79/61—यतः मुझे एन० पी० साहनी  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1326/12, 13, जोशी कालोनी,  
 अमृतसर है, तथा जो अमृतसर शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
 अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
 के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
 (1908 का 16) के अधीन 20-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
 पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री बी० बी० जोशी,  
 कूचा उपला गुरुबजार, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री रजिन्दर कुमार रविन्दर कुमार, पुत्र श्री वासदेव  
 शास्त्री मार्किट, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में और कोई किरायदार हो।  
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
 अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा नं० 1326/12, 13 जोशी कालोनी  
 अमृतसर शहर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3877 दिनांक  
 20-2-78 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एन० पी० साहनी,  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
 अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 20-2-78  
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 12 अक्टूबर, 1978

निदेश नं० ए० पी० 397/फिरोजपुर/78-79/—यतः  
मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर शहर में स्थित  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1978  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री रतन लाल पुत्र किशन चन्द फिरोजपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री दर्शन लाल पुत्र चुनी लाल गली, गुरदास मल भल्ला  
दिल्ली, गेट के अन्दर फिरोजपुर शहर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

दिल्ली गेट के अन्दर गुरदास मल भल्ला की गली, में  
मकान जैसा कि माफन नं० 4940, फरवरी, 1978 में  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है ।

पी० एन० मलिक,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारीख : 12-10-78  
मोहर :

## प्रकृप आई०टी०एन०एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० ए०पी० 398/एफजेडआर/78-79—यतः

मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची में लिखा है जो फिरोजपुर कैंट में स्थित है (और इससे उपावद्ध में अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री टिका हरी सिंह और कंवर नरेश सिंह पुत्राण  
गुरु आत्मजीत सिंह फिरोजपुर कैंट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राजकुमारी गुप्ता पत्नी बालकिशन गुप्ता  
और नलिनी गुप्ता पत्नी राजकुमार गुप्ता कोठी  
नं० 121 चर्च रोड फिरोजपुर कैंट।

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चर्च रोड फिरोजपुर में सम्पत्ति नं० 121 जैसा कि विवेक नं० 5006 फरवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख : 12-10-78

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० ए०पी० 399/एफजेडआर/78-79—यतः

मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। जो फिरोजपुर कैट में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—326GI/78

1. श्री सोटी कर्णेशेर सिंह पुत्र आत्मजीत सिंह वासी गुरु हरसहाए (फिरोजपुर)।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राजकुमारी गुप्ता और नलनी गुप्ता कोठी नं० 121 चर्च रोड फिरोजपुर कैट।

3. जैसा की नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चर्च रोड फिरोजपुर में सम्पत्ति नं० 121 जैसा कि विलेख नं० 5059 फरवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन, रेंज भटिंडा।

तारीख : 12-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 12 अक्तूबर 1978

निर्देश सं० ए०पी० 400/एम०के०टी०/78-79—यतः

मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। जो बरीवाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री भगवान सिंह पुत्र कर्म सिंह और चर्णजीत सिंह पुत्र भगवान सिंह वासी महतला सुरगपुरी कोटकपुरा। (अन्तरक)

2. श्री तिलोक सिंह, करनैल सिंह, हरबीर सिंह पुत्राण सोभा सिंह और गुलाब सिंह पुत्र कर्म सिंह कपड़ा व्यापारी बरीवाला। (अन्तरक)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दाना मंडी बरीवाला में पांच दुकानें जैसा कि विलेख नं० 2274 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख: 12-ब10-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा,

भटिंडा, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० ए०पी० 401/पीएचजी/78-79—यतः मुझे,  
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो  
फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध में अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जुगल किशोर हांडा पुत्र गेंदामल हांडा जी० टी०  
रोड़ फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री राम सरूप पुत्र सिरी राम अग्रवाल और श्रीमती  
शांति देवी पत्नी राम सरूप द्वारा सराम सरूप  
अग्रवाल करियाना भवैट लोहा मंडी रोड़ फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मंडी रोड़ फगवाड़ा में दुकान नं० XXXII/101 जैसा  
कि विलेख नं० 2016 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 12-10-1978

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 20-10-1978

निर्देश सं० III -277/अर्जन/78-79—यत् मुझे, एम०

एन० तिवारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं० 255, प्लॉट नं० 15 रांची में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया ही गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त —।

(1) श्री हरीयोद्य सिंह पुत्र श्री जगजीत सिंह स्टेशन रोड़, रांची।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरवीप कौर पत्नी सरदार तेहल सिंह ग्रीगाल 1, कलब रोड़, रांची।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का रकबा 19 कट्ठा जिसका खाता नं० 255 प्लॉट नं० 15 है जो महल्ला सीरम थाना रांची जिला रांची में स्थित है और जो पूर्ण रूप से वास्तव्य सख्या 1091 दिनांक 6-2-78 में वर्णित है और जो जिला अवरो निवधक पदाधिकारी रांची के द्वारा पंजिकृत है।

एम० एन० तिवारी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 20-10-1978

मोहर :



प्ररूप आई टी एन एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 21 अक्टूबर, 1978

निर्देश सं० 111278/अर्जन/78-79—यतः मुझे, एम० एन० तिवारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० थाना संख्या 142, ताजा संख्या 2302 है, तथा जो मड़ौडा खुर्द जिला सारण में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सारण में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री सुरेन्द्र प्रसाद साह
- (2) श्री किशन प्रसाद साह वल्द राम पुजन प्रसाद साह और श्रीमती रूकमिणी पती रामपुजन प्रसाद साह निवाही हसनपुरा, थाना मड़ौडा जिला सारन।

(अन्तरक)

2. श्री बलीराम प्रसाद वल्द श्री छटु प्रसाद यादव ग्राम हसन पुरा, थाना मड़ौडा जिला सारन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 1 बीघा 9 कटुा, 9 धुर, 12 धुरकी मय मकान जो मड़ौडा शहर जिला सारण में स्थित है, जिसका तौजी नं० 2302 थाना नं० 142 है, जो दस्तावेज संख्या 2494 दिनांक 21-2-1978 में पूर्ण रूप से वर्णित है, जो जिला अवर निर्बंधक सारण में निर्बंधित हुआ है।

एम० एन तिवारी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

तारीख: 21-10-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 8 अगस्त 1978

निर्देश सं० एल० सी० 225/78-79—यतः मझे पी०  
ओ० जोर्ज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पेरिन्थलमन्ना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरिन्थलमन्ना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-2-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) श्री प्रबुबेक्कर
- (ii) उम्मर

(अन्तरक)

2. श्री मुहम्मद अलियास बापू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

18 Cents of land with bulding in Sy. Nos. 71/2, 43/3B of Perinthalmanna Village.

पी०ओ० जोर्ज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 8-8-1978

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16, दिनांक 11 सितम्बर 1978

निर्देश सं० एल० सी० 237/78-79—यतः मुझे के०  
नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो मन्नारक्काड  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मन्नारक्काड  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 28-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० के० सैमण

(अन्तरक)

2. श्री अबूलकादर और दूसरे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

As per schedule to document No. 715/78 of RSO  
Mannankkad.

के० नारायणा मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रंज, एरणाकुलम

तारीख : 11-9-78  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 7 अक्तूबर 1978

निर्देश सं० ए-191/गौ/78-79/2455-57—यतः मुझे  
एस० मजुमदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी दाडा सं० 1335 के० पी० पत्ता सं० 113 है तथा  
जो जकरीगो गंवा, मौजा बेलटोला, गौहाटी, कामरूप जिला में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 15-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदन मोहन घोष, उलवारी, गौहाटी।

(अन्तरक)

2. श्री देवी लाल गुप्ता, उलवारी, गौहाटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

जमीन, परिमाण 1 (एक) बिघा, 2 (दो) काता, 8  
(आठ) लेखा जोकि जकरीगो गंवा, बेलटोला मौजा, गौहाटी,  
कामरूप जिला, आसाम प्रदेश में स्थित है।

एस० मजुमदार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 6-10-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० 194/जे० आर० टी०/78-79/2468-69—

अतः, मुझे, एस० मजुमदार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी दाग सं० 778पी०पी० सं० 169 है तथा जो दरंगी चउक जोरहाट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोरहाट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5-326GI/78

1. श्री दुग्धा चन्द्र गोसवामि, टिफ्रोह।

(अन्तरक)

2. श्रीमती किरन बोरा, दमवेरु बोरा की पत्नी, जोरहाट।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाण 2 काता एक आसाम टाईप मकान जो कि दरंगी चउक, जोरहाट शहर, सिबसागर जिला, आसाम प्रदेश में स्थित है।

एस० मजुमदार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 6-10-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० ए० 192/जे० आर० टी०/78-79/2472-73—

अतः मुझे, एस० मजुमदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी दाग सं० 4534 पी० पी० सं० 12 है तथा जो गार अली जइसन और मिथापुकुर रोड, जोरहाट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोरहाट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आसकरन जलन और कोई, जोरहाट

(अन्तरक)

2. माधव ममोरिएल चेरीलेबल ट्रस्ट, जोरहाट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाण 1.162 वर्ग फुट साथ में एक आसाम टाईप गोदाउन जो कि जोरहाट, सिबसागर जिला आसाम प्रदेश में स्थित है।

एस० मजुमदार,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 6-10-78

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० ए-196/शि/78-79/2476-77—यतः सुझे,

एस० मजुमदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० पत्ता सं० 49 और भाग सं० 3 है, तथा जो जी० एस० रोड शिलांग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिलांग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जेम्स खारकोडगर अलाएस जिम्स खारकोडगर (अन्तरक)
2. श्री स्वर्गीय इदिस मेरी खारकोडगर का पुत्र मल्की पुलिस पोइन्ट, शिलांग (अन्तरिती)
3. श्री सन्जय कुमार गुप्ता जे० पी० गुप्त का पुत्र केयर आफ गुप्त स्टोर्स लाइमुखराहा शिलांग।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाण 2360 वर्ग फुट पत्ता सं० 49 और भाग सं० 3, तारीख 17-1-77 जो कि डिप्टी कमिशनर, खासीहिल्स शिलांग द्वारा मंजूरी की गई है और यह जी० एस० रोड में स्थित है।

एस० मजुमदार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 6-10-78  
मोहर :

प्राकृतिक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० जे०-47/ए०सी०क्यू०—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु० से अधिक है,  
और जिसकी सं० सी०-21/89 तथा सी०-21/89 ए०  
लौहवावीर है तथा जो वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-3-78  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती नीलम भसीन 13/25 शक्ति नगर, दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती जयन्ती भसीन निवासी 41 रिंग रोड, लाजपत  
नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)
3. मैसर्स प्रकाश टाकीज डिस्ट्रीब्यूटर्स (मैसर्स वजीर सिंह  
व सूरज प्रकाश)।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

अबल सम्पत्ति संख्या सी०-21/89 तथा सी०-21/89ए  
प्रकाश टाकीज लौहवावीर वाराणसी का 1/15 शेयर स्थिति  
वाराणसी व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि फार्म संख्या  
193 दिनांक 17-3-78 सेलडीड में वर्णित है जो रजिस्ट्रार  
आफिस दिल्ली में दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 3-10-1978  
मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर 1978

सं० एस०-171/एस०—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी संख्या 5 लूथर रोड इलाहाबाद का भाग है तथा  
जो इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 23-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में  
कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शंकर झा सुपुत्र स्व० कन्हैया लाल झा ।

(अन्तरक)

2. श्री श्याम चरण गुप्ता सुपुत्र तीरथ प्रसाद गुप्ता ।

(अन्तरिती)

3. श्रेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 5 लूथरगंज इलाहाबाद का भाग क्षेत्रफल 556  
वर्ग मीटर तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड तथा  
फार्म 37 जी संख्या 1769 में लिखा है और जो कि सब रजिस्ट्रार  
इलाहाबाद के कार्यालय में 23-3-1978 को दर्ज है ।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, लखनऊ

तारीख: 4-10-1978  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 81-बी/एक्यू०—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 267, 268, 269 मये संख्या 96, 97, 98 क्रमशः द्वारा जो नगर निगमों में स्थित है (और इससे उदाहरण प्रयुक्तों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-2-1978

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थीतः—

1. श्री उमेश कुमार व अन्य

(अन्तरक)

2. मै० बंसल खाण्डसारी उद्योग

द्वारा श्रीमती गिरी देवी पार्टनर व अन्य

(अन्तरिती)

3. श्री उमेश कुमार व अन्य

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जो कि कुल भारत केशर नम्बरी एक एकड़ छप्पन डि० 1-56 नम्बर 267, 268, 269 जो बराबर साढ़े दस बीघे होती है चक्रवर्ती के बाद के नम्बर 96, 97, 98 है किस्म दोमत अन्बल आबादी मय भूमि भवन केशर व सूगर फैक्टरी आदि वाके पीपलसाना मुस्तहकन परगना व जिला मुरादाबाद तथा उक्त सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेजडीड और फार्म 37 जी संख्या 888/78 में वर्णित है और जो दस्तावेज सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 24-2-1978 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 7-10-1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 अगस्त 1978

सं० सी० जी० आर०/37/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र  
कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल प्लॉट नं० 103, सेक्टर 6 है तथा  
जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपानवद अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बलबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन फरवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

1. मै० ओबरायर ट्रेडरज,  
आर०-559, मेन शंकर रोड,  
नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मै० अमर आदो,  
मार्फत श्री राकेश कुमार, पार्टनर,  
फरीदाबाद शहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल प्लॉट नं० 103, सेक्टर 6, फरीदाबाद (सम्पत्ति  
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता बलबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक नं०  
5373 तिथि 28-2-78 पर दर्ज है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 22-8-1978।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 अक्टूबर 1978

निदेश सं० जी० एच० एन०/दिल्ली/22/77-78—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है,

और जिसकी संख्या कृषि योग्य भूमि 130 कनाल 16 मरले है तथा जो गोहाना में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री इनामुल हक पुत्र श्री अब्दुल रहीम खान निवासी राय पुर परवाना फैजाबाद तह० व जिला : सहारनपुर (उ० प्र०) मुक्तयारे ग्राम श्री हरबन्स लाल 772, परधान महल्ला, रोहतक।

(अन्तरक)

2. (i) कुमारी योगेश कुमारी पुत्री श्री हरबन्स लाल मकान नं० 772, बार्ड नं० 11, परधान महल्ला, रोहतक।
- (ii) कुमारी नीरु पुत्री श्री नर सिंह दास छाबड़ा सिवल रोड, रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 130 कनाल 16 मरला स्थित गोहाना जिला सोनीपत

“सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं० 132 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में फरवरी, 1978 को लिखी गई।”

रवीन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख: 6-10-1978।  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सि०/14/आर० II/कथ/78-79—अतः

मुझे आई० मि० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बेलिया महेशतला है तथा जो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22 फरवरी, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6—326GI/ 78

1. मै० भामा इन्जिनियर्स कारपोरेशन  
10/1, प्रिन्सेफ स्ट्रीट, कलकत्ता-13

(अन्तरक)

2. मै० अरो इमफेक्स प्राइवेट लिमिटेड  
28, गनेश चन्द्र प्रमिनिड  
कलकत्ता-13।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्विगताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमिन का माप 14 काठा 10 छठाक, परगना- बालिया, महेशतला।

आई० मि० एस० जुनेजा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 25-9-1978।

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I; 54 रफी अहमद क्लिबई रोड

कलकत्ता-16, दिनांक 7 अक्टूबर, 1978

निर्देश सं० एस० एल० नं० 462/टि० आर० 259/सि०

243/कल-I/77-78—अतः मुखे सि० एन० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 64 है तथा जो स्ट्रान्ड रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेन्ट प्लेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10 फरवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सर्वश्री (1) कृष्ण विनोद पाल, (2) माखन बाला पाल, (3) माधव चन्द्र पाल, (4) केशव चन्द्र पाल, (5) मधु सूदन पाल  
आफ 64, स्ट्रान्ड रोड, कलकत्ता

(अन्तरक)

2. समिति सावित्री देवी मोदी  
6711, स्ट्रान्ड रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

64, स्ट्रान्ड रोड कलकत्ता में अवस्थित 3 कट्टा 3 छटाक 24 वर्ग फिट जमीन पर पांच तल्ला मकान का चार और पांच तल्ला जो अविवक्षित मकान का लगभग 1/4 हिस्सा और जो 10-2-1978 तारीख में रजिस्ट्रार आफ रायसुरेन्द्रा में आई०-1369 पी० अनुसार रजिस्ट्री हुआ है ।

सि० एन० दास  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन-I रेंज, कलकत्ता

तारीख : 7-10-1978

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, 14, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक 7 अक्तूबर, 1978

निदेश सं० एस० एन० 461/हि० आर० 261/सि०-241/कल०-I/77-78—अतः मुझे सि० एन० दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 64 है तथा जो स्ट्रान्ड रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट प्लेस, नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 फरवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री (1) कृष्ण विनोद पाल, (2) माखम बाला पाल, (3) माधव चन्द्र पाल, (4) केशव चन्द्र पाल, (5) मधु सुदन पाल, आफ 64, स्ट्रान्ड रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. श्री बजरंग लाल तुलसीयान 52, महर्षि देवेन्द्र रोड, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शोध:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

64, स्ट्रान्ड रोड, कलकत्ता में अवस्थित, 3 कट्टा, 3 छटाक 24 वर्ग जमीन पर पांच तल्ला मकान का तिन तल्ला सी अविविक्त मकान का लगभग 1/4 हिस्सा और जो 10-2-78 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एक्जुरेशन में आई०-1366 पी० अनुसार रजिस्ट्रि हुआ।

सि० एन० दास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 7-10-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

14, रफी अहमद क्लवर्ड रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

निदेश सं० एस० एल० नं० 459/हि० आर० 262/सं० 247/

कल०-I/77-78—अतः मुझ सि० एन० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 64 है तथा जो स्ट्रान्ड रोड में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10 फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री कृष्ण विनोद पाल, (2) श्रीमती माखण बाला पाल (3) श्री माधव चन्द्र पाल, (4) श्री केशव चन्द्र पाल, तथा (5) श्री मधूसुदन पाल, आफ 64, स्ट्रान्ड रोड,

(अन्तरक)

2. सर्वश्री (1) हरि प्रसाद सरोगी, (2) महेन्द्र कुमार जईन, (3) नरेन्द्र कुमार जईन, आफ 67/7, स्ट्रान्ड रोड, 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

64, स्ट्रान्ड रोड, कलकत्ता में अवस्थित, 3 कट्टा 3 छटांक, 24 वर्ग फिट, जमीन पर पांच तल्ला मकान का दो तल्ला जो अविभक्त मकान का लगभग 1/4 हिस्सा और 10-2-78 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एयसुरेन्स में आई०-1368 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

सि० एन० दास,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 7-10-78

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० एस० एल० नं० 460/टि० आर 257/सि० 245/  
कल०-1/77-78—अतः मुझे, सि० एन० दाम,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 70/1 है तथा जो आचार्य प्रफूल चन्द्र रोड  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नमेंट  
प्लेस नार्थ कलकत्ता में, (रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 15 फरवरी, 1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :--(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को बावत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।अतः प्रतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट :--

1. श्री प्रफूल कुमार दत्त तथा अन्य

14-76 ए०, सि० आई० टी० रोड, कलकत्ता-54

(अन्तरक)

2. श्री हाजी मुहम्मद महियुद्दीन

70/1, आचार्य प्रफूल चन्द्र रोड, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

70/1, आचार्य प्रफूल चन्द्र रोड, कलकत्ता में अवस्थित  
5 कट्टा, 6 छठाक, 29 वर्ग फिट जमीन पर मकान।

सि० एन० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I कलकत्ता

तारीख : 7-10-1978.

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री विश्वजित सेन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विनय कृष्ण बोस (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

कलकत्ता, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० एस० 30/अ० रें० IV/कल०-78-79—अतः

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

मुझे, एम० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० 23/13 है तथा जो जडियाहाट रोड, कलकत्ता-16  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-2-1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :--

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायत्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

23/13 जडियाहाट रोड, कलकत्ता-16 में स्थित 2 कट्टा  
1 छठाक 33 स्को० फिट जमीन तथा उसपर निर्मित चार  
मंजिला मकान, जैसे के दलिल सं० 1016 दि० 24-2-78 में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है।

ए० के० दास गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, IV, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 12 अक्टूबर 1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 160/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11-6-38 है, जो मदकीवेलि गली धीतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धीतूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. श्री ए० उपेन्द्रा गुप्ता पिता श्री ए० एम० समपत चेट्टी घर नं० 8-2-22-ए सानतापेट रास्ता धीतूर। (अन्तरक)

2. श्रीमती जी० वी० वासुनदरम्मा पती जी० वेनका- देशम सेटी घर नं० 45 नाटु पीलेयार गली मद्रास-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

घर का दरवाजा नं० 11-6-38 मदकीवेलि गली धीतूर टौन रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 670/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय धीतूर में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-9-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10-10-78

निर्देश सं० 163/78-79-अयतः मुझे के० एस०  
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 69 है, जो एस० डी० रास्ता में  
स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख फरवरी 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात्:—

(1) मैसर्स स्वास्तीक कनस्ट्रक्शन कम्पनी III-एस०  
डी० रास्ता सिकन्दराबाद-3।

(अन्तरक)

2. श्री भूषण लाल गुलाटी घर नं० 1-10-1/14 आशोक  
नगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मलणी नं० 69 धेन्द्रालोक कामपेक्स-III सरोजीनी  
देवी रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 308/78  
उपरजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-10-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० 164/78-79-अयतः मुझे, के० एस० वेंकट

रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 66, है, जो एस० डी० रास्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिक्किन्दाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
7—326 GI/78

1. मैसर्स स्वास्तीक कनस्ट्रक्शन कम्पनी 111-एस० डी० रास्ता सिक्किन्दाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सकीना बेगम 4-1-1236/7 कीतग कीटीज रास्ता हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मलगी नं० 66 चन्द्रालोक कामपलेक्स-III सरोजीनी देवी रास्ता सिक्किन्दाबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 309/78 उपरजिस्ट्रीकार्यालय सिक्किन्दाबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-10-1978

मोहर ;

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० 165/78-79-अयत: मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बलगी नं० 15-1-503/ए/81 है, जो सिकिन्दाबाद बाजार हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुदबीली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-2-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को, बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स सी० एस० भारत कनस्ट्रक्शन कम्पनी जिसका पार्टनर बाबु लालजेन पुत्र शेनकरलाल हीटलराज-धानी सिकिन्दाबाद हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ए० रतनम्मा पत्नी अलाडी चेन्द्रय्या 14-2-332/14 हमानबाग कालोनी हैदराबाद।

(अन्तरिती)

3. मैसर्स सी० एस० हीडुस्तान ट्रांसपोर्ट 15-1-503/ए/81 सिकिन्दाबाद, हैदराबाद।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बलगी नं० 15-1-503/ए/81 आशोकभारकीट सीदीयेमबर बाजार हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 195/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय हुदबीली हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-10-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1978

निर्देश नं० 161/78-79-यतः मुझे के० एस० वेंकट  
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० पक्का मलगी है, जो पुनीयेम्मा पहली बसता चीत्तुर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीत्तुर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 23-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हमसाबेनी पत्नी श्री एस० स्वामीनाथन, घर  
नं० 15-1-41 वीनायकपुरम चीत्तुर।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीवागनगाबाई पत्नी श्री टी० एस० हरीकृष्णन  
बनडलापल्ली गांव हेमलेट आफ मूतीरवाला बनडला-  
पल्ली तालुक चीत्तुर।  
(अन्तरिती)

(3) मैसर्स सौनेदेरया टेक्सटाईलस  
(2) मैसर्स कीरती चीट फण्ड चीत्तुर चीत्तुर।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पक्का मलगी घर पहलीसता के घर पर अच्छा तरक्की किया  
हुआ कारोबार का और बुसीनेस का मकाम है पुनीयेमा कोयेल  
का गली चीत्तुर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 874/78 उपरजिस्ट्री  
कार्यालय चीत्तुर में।

के० एस वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-10-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अक्तूबर 1978

निर्देश सं० 162/78-79-यतः मूले, के० एस० वेंकट

रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 1-8-166 है, जो कामारेडुजी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामारेडु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-2-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. कुमारी के० आर० स्वरूपा रानी पिता सी० के० आर० राधारेडु सरोजीनी देवी रास्ता कामा रेडु नैजामाबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री वसन्त लाल

(2) श्री रमेश कुमार

(3) श्री वीरजलाल तमाम बेटे हैं मौजी चोहान के सरोजीनी देवी रास्ता कामा रेडु नैजामाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 1-8-166, स्टेशन रास्ता कामारेडु नैजामाबाद में खुली जमीन के सात बीस्तेन 500 6 वर्ग फुट रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 285/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय कामारेडु में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 10-10-78

मोहर:



प्रश्न आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० 169/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट  
रामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 3-5-335/2 और 3 है, जो वीटलवाड़ी नारायण गुड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उक्त गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्थात:—

(1) श्री आर० रामचंद्रन घर नं० 3-6-634 हीमायतान नगर हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्तीथा मनोहर दोनडी पत्नी डाक्टर मनोहर दोनडे, घर नं० 4-5-43 मुलतान बाजार, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

हरण्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

दो० आर० आर० मलगीस वीस्टन 66 वर्ग गज घर नं० 3-5-335/2 और 3-5-335/3 नारायण गुड़ा हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 562/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद :

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-10-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती के० शांथा लक्ष्मी पत्नी ध्यागाराजा नायडु घर नं० 331/2 आर० टी० सनजीवारुडु नगर कालौनी, हैदराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर, 1978

निर्देश नं० 170/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो गगन महल कालौनी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल के ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री अचूत आर कमाथ पुत्र स्वर्गीय रागवेंद्रा कमाथ घर नं० बी०/3 बीनडू तिलक रास्ता शांता-कूज (पश्चिम) बम्बई-4000 54।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका वीस्टन 890 वर्ग गज एस नं० 12 गगनमहल हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 639/78 जोन्ट रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-10-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1978

निर्देश सं० 171/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट

रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी खूली जमीन है, गोगन महल रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती टी० स्वातन्त्र लक्ष्मी पत्नी श्री सतीश बाबू लेबीपेट विजयाबाड़ा (ए० पी०)।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश आर० कमात पुत्र स्वर्गीय रागवेन्द्रा कमात गूतेदार घर नं० 3 शैला वर्ता 570/3 अकूरली रास्ता कनडीवीली ईस्ट बम्बई-400067।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन जिसका वीस्टर्न 694 वर्ग गज सर्वे नं० 12 में है गगन महल रास्ता हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्त्रावेज नं० 640/78 जोन्ट रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-10-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० 168/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2-4-553 है, जो रामगोपालपेट सिकन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती रहमतुनीशा कुरेशी घर नं० 201 मारेडपल्ली, सिकन्द्राबाद।
- (2) श्री गुलाम मोईदीन कुरेशी
- (3) गुलाममोईनोदीन कुरेशी
- (4) गौसीन कुरेशी
- (5) श्री शम्माहुसेन
- (6) श्री कलीलुदीन कुरेशी
- (7) श्री सुरैया कुरेशी तमाम के जी० पी० ए० वेनटार नं० 1 है।

(अन्तरक)

2. (1) श्री एम० ए० बाहब पुत्र एम० ए० माने घर नं० 2-3-283 रामगोपाल पेट सिकन्द्राबाद।
- (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

घर एम० नं० 2-4-553 (पुराना नं० 33) रामगोपालपेट सिकन्द्राबाद में की गया खुली जमीन नं० 33 रामगोपालपेट सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 391/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-10-78

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० 167/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट

रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 56 है, जो नलागुटा कि सिकन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ए० वी० रामास्वामी पुत्र स्वर्गीय ए० एच० वेंकटराओ 4748/14 नया बोयगुडा सिकन्द्राबाद (अन्तरक)

(2) 1 श्री नजमोद्दीन पुत्र अकबर अली 2-3-67 राम गोपालपेट सिकन्द्राबाद।

2. श्रीमती हुसैनाबाई पत्नी सैफुद्दीन 5-5-203 सिकन्द्राबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वर्तमान 219.16 वर्ग मीटर प्लॉट नं० 56 में घर नं० 2-3-61 में है नलागुटा सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्री दर्जावेज नं० 427/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-10-1978

मोहर :

प्ररूप ग्राह्य टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1978

निर्देश सं० 166/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 56 है, जो नल्लागुटा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री ए० वी० रामास्वामी, पुत्र ए० एच० वेंकटराओ 4748/14 नया बोथगुडा सिकन्द्राबाद।  
(अन्तरक)

(2) 1. श्री फीरोज एस० खोराकीवाला पुत्र लालेदलोद 1-5-222/227 खाओदोजी बाजार सिकन्द्राबाद में

(2) श्री कुरेशी एस० खोराकीवाला

(3) अकबर एस० खोराकीवाला 4-3-161 रानगन्ज सिकन्द्राबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खूली जमीन बीस्तरन 368 वर्ग गज प्लॉट नं० 56 घर नं० 2-3-61 का भाग है नल्लागुटा सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्री दर्जावेज नं० 420/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-10-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 172/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन,

रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी-4/F7 है, जो 4 मंजिला पुनर् अपार्टमेंट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तर्गत्त में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लक्ष्मीबाई पत्नी स्वर्गीय भगवान दास घर नं० 21-2-785 पटल मार्केट, पतर-गुडी, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री कलील अहमद पिता सगीर अहमद प्लॉट नं० बी-4/एफ-7 4 मंजिला घर नं० 5-8-512 धीरागरी लेन, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-4/एफ-7 4 मंजिला सनापर घर नं० 5-8-512 पुनर् अपार्टमेंट कहा जाता है धीरागरी में हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 631/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-10-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्टूबर 1978

सं० 173/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-239 है, जो आबीद रास्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वशी रून्नीमा बेगम पति पकरीदीन यसुद, तारनाका बाघारम रास्ता, हैदराबाद ।  
(अन्तरक)

(2) श्री टी० कुनवर सीनम पिता स्वर्गीय टी० हीरा सीनम, घर नं० 5-4-49 कटलमनम्मी, हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मसली का नं० 5-9-239 गनफोनडरी आबीद रास्ता हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 352/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-10-78

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० 174/78-79—यतः मुझे के० एस० बेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-420/1 है, जो हिमायत नगर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

(1) श्रीमती जहान आरा बेगम पति ईकबाल अहमद घर नं० बी-6-420/1 हिमायत नगर, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सैयद बसीर, जमीका सतापर घर नं०-3-2-420/1 हिमायतनगर हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहिला सत्रा का भाग घर नं० 3-6-420/1 गली नं० 3 हिमायत नगर, हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 414/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० बेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-10-78  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्टूबर, 1978

निर्देश सं० 175/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2-1-293/1 है, जो नलाकुन्टा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नीयामतुन्नीसा पाशा बेगम उसका जी० पी० ए० श्री महमद वीरासत रसूल खान, 11-5-460 रेड हीलस, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) के० पानडुरनगा रोड, 2-1-293/1 नलाकुन्टा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दो मंजिला घर नं० 2-1-293/1 नलाकुन्टा के पास हैदराबाद में बीस्तेन 225, बरी यार्ड, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 500/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-10-1978

मोहर :

प्रह्व आर्ई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० 176/78-79—यतः मुझ के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5-4-435/5, 6, है, जो नापपली हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री किशोर एस० कारवानकर घर नं० 19 पुराना पयगा घर मरदार पटेल रास्ता सिकन्दराबाद (अन्तरक)

(2) श्री वली अहमदरजानी घर नं० 5-3-831/1 गोशापहल हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**शरटीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

दो मलगियां नं० 5-4-435/5 और 6, पलीला मंजला घर विस्तीर्ण 81.5 वर्ग गज, नामपली हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 486/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 16-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 177/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट

रामन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-4-98 और 99 का बाग है, जो एम० जी० रास्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी कितनी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री डी० बालानरसय्या, (2) डी० नरसीम्मा राउ, (3) डी० येकामवर, (4) डी० रमेश, (5) डी० रघुनन्दन, "हुतुडु चेम्बर्स" आर० पी० रास्ता, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमती सोवमी बाई पती-श्रीसूरजमल देवडा घर नं० 4-4-857 सुलतान बजार, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पिछला भाग घर नं० 5-4-98 और 99 (पुराना नं० 8577/ए) का ह महात्मा गान्धी रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 181/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 178/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट-  
रामन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 21-2-9 है, जो पतरगटी हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुबौली  
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 21-2-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9—326 GI/78

(1) श्री नारायणलाल यादव पिता बाबाराम यादव घर  
नं० 14-8-129 चुडी बाजार, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्री तुलजाराम यादव, पिता नारायणलाल यादव  
14-8-129 चुडी बाजार, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मुलगी नं० 21-2-9-पतरगटी हैदराबाद जमीन का सत्ता  
पर है विस्तीन 39 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
197/78 उा रजिस्ट्री कार्यालय, दुबौली हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 179/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट-  
रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-875, 876, 877, 877/1 है, जो  
तिलक रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(ग) अन्तरण से दुर्ग किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) फरीदाबानु, (2) तुराबानु (3) बादरबानु,  
(4) सईदाबानु, (5) जेमीला बानु, (6)  
दीलावरबानु, (7) नसरातबानु तमाम रहते  
हैं—घर नं० 5-4-86, 93 एम० जी० रास्ता,  
सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स दील्लु सीनी एन्टरप्राईजेस लिमिटेड,  
8-2-542/4, रास्ता नं० 7, बनजारा हीलस  
हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

घर नं० 4-1-875, 876, 877 और 877/1 तिलक  
रास्ता हैदराबाद दस्तावेज रजिस्ट्री का नं० 470/78 उप-  
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 180/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-2-412/4/1 है, जो दोमलगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित र), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

(1) श्रीमती डी० राजलक्ष्मी पति स्वर्गीय डी० वी० कृष्णामूर्ती, वी०-18, प्लॉट नं० 2 वीग्यानपुरी कालोनी, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पानडा वीज्यालक्ष्मी पति पी० राघवेन्द्र राज, घर नं० 3-5-1091/7 आशीर्वाद, वेल्क-टेश्वर कालोनी, नारायण गुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मन्जिला घर नं० 1-2-412/4/1 दोमलगुडा, हैदराबाद में गगन महल विस्तीर्ण 525.093 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 449/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में; में, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के लिये :—

तारीख : 16-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 181/78-79—यतः, मुझे, के० एस० बेंकट-रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5-3-983 है, जो शंकर बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री सैयद मुस्तफा अली खान, पिता स्वर्गीय सैयद इस्माइल अली खान, 5-3-983 फासीजंग लेन शंकर बाग, हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) श्री श्रीराम अहुजा, 4-1-970, आबिद रास्ता, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मेन घर नं० 5-3-983 शंकर बाग, हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 386/78, उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० एस० बेंकट रामन  
समक्ष प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1978

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० 182/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट-रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-3-983 है, जो शंकर बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सैयद मुस्तफा अली खान, घर नं० 5-3-983, शंकर बाग, हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश अहूजा, पति श्री राम अहूजा, घर नं० 4-1-970 आबीद रास्ता, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

घर नं० 5-3-893 का भाग है, शंकर बाग हैदराबाद में पैमाइस 670.40 वर्ग यार्ड, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 387/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-78

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्तूबर 1978

निर्देश सं० 183/78-79—यतः, मुझे के० एस० वेंकट  
रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-522/2 है, जो एम० जे० गली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन फरवरी 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दि यूनीवर्सल कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी  
कन्स्ट्रक्शन सोसायटी अधिपति जिसका जगदीश  
प्रसाद 21-1-293 गानसी बाजार, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्री गिरिराज पिता रामचन्द्र 5-3-1053 उस्मान  
गंज हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 5-8-522/2 मुकरबजंग लेन हैदराबाद  
पैमादश 201.44 वर्ग यार्ड, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 354/  
78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-78  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1978

निदेश सं० अर्जन/969/कानपुर/77-78—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-2-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री कृष्ण दास माथुर, 26/10, वजीर हुसेन रोड, लखनऊ। (अन्तरक)

(2) श्री जुगल किशोर अग्रवाल, 26/109 बी० फीलखाना, कानपुर। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धांधले:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल गृह संपत्ति नं० 117/137, सर्वोदय नगर, कानपुर 1,60,000/- में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-9-1978  
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० अर्जन/159-ए/सहारनपुर/78-79—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के  
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 8-3-1978 को  
पूवोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री लाल सिंह पुत्र तीरथ सिंह निवासी जगबीर  
पुर परगना ज्वालापुर, तहसील रुड़की।  
(अन्तरक)

(2) श्री ब्रिज पाल सिंह, बीर पाल सिंह, यश पाल  
सिंह, राम पाल सिंह और धन पाल सिंह, पुत्र-  
गण हसराम निवासी लिवर हेडी परगना मंगलोर  
जिला सहारनपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतिहर भूमि जिसका क्षतफल 7 बीघा, 17 बिस्वा  
और 16 बिस्वसी जो कि महापुर परगना मंगलोर जिला  
रुड़की जिसका हस्तांतरण 42,600/- रु० में हुआ है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-10-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० अर्जन/957/डैरापुर/77178—अतः मुझे वी०  
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है  
और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के  
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
डैरापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10-326G1/77

(1) श्री भूप सिंह पुत्र परिक्षित सिंह निवासी सेन-  
मऊ पो० आ० आकासू, डैरापुर।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र सिंह एवं उदय सिंह, पुत्रगण लाल  
सिंह, निवासी सेवा मऊ, पो० आकासू, डैरापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

खेतिहर भूमि नं० 180 जो गांव सेवामऊ डैरापुर में  
स्थित है, जिसका हस्तांतरण 60,000/- रु० में हुआ है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-10-1978

महहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्तूबर, 1978

निदेश सं० अजन/949/और्या/77-78—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय और्या में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रेम कुमार पुत्र काली चरन पालीवाल निवासी पो० सेहुर, प० और्या, जिला इटावा। (अन्तरक)

(2) श्री हरी प्रकाश सिंह पुत्र प्रताप सिंह, शिवराम सिंह पुत्र काली चरन, छोटे लाल एवं गुलाब सिंह, पुत्रगण सुखवसी लाल, बच्ची लाल एवं चतुर सिंह, पुत्रगण बिगई। राजाराम पुत्र सुख उदय वीर सिंह पुत्र मेवा लाल, लाला राम पुत्र छोटे लाल और जानकी पुत्र नहुई सभी निवासी लहौखर पो० विवियापुर, और्या जिला इटावा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खेतिहर भूमि जिसका क्षेत्रफल 11.46 एकड़ है। जो गांव कचेखर प० और्या जिला इटावा में स्थित है। जिसका हस्तांतरण 28,000/- रु० में हुआ है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-10-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1978

निदेश सं० अर्जन/986/फिरोजाबाद/77-78—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 44) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शान्ती देवी पत्नी बाल कृष्ण, निवासी हनुमान गंज, फिरोजाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री अतुल कुमार गुप्ता पुत्र बीरेन्द्र कुमार गुप्ता, निवासी बाई पास रोड, फिरोजाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सेल डीड के अनुसार नं० 965 जो कि मौजा दतौजी मौसमा, कोल साईडिंग रोड, फिरोजाबाद, जिला आगरा में स्थित है जिसका हस्तांतरण 1,25,000 रु० में हुआ है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-10-78  
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार,

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 अक्तूबर, 1978

निदेश सं० अर्जन/937/उरई/77-78—अतः मुझे, बी०

सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उरई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नन्द राम गुप्ता पुत्र बलिदान निवासी गांधी नगर, उरई, जिला जलौन। (अन्तरक)

(2) श्री गणेश प्रसाद एवं अमृत लाल पुत्रगण राम नाथ, राम अवतार (नाबालिग) पुत्र दुर्गा प्रसाद निवासी मौजा धमनी बुजुर्ग पो० उरई जिला जलौन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति मुद्रफ पुस्त फार्म 129/1978 के सेल डीड के अनुसार जो कि उरई जिला जलौन में स्थित है। जिसका हस्तांतरण 48,000 रु० में हुआ है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-10-1978

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1978

निवेश सं० अर्जन/933/कन्नौज/77-78—अतः; मुझे; बी०

सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कन्नौज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री बाबू राम पुत्र शिव राम पुत्र शिव दयाल निवासी सहारनपुर, गांव गंगाधरपुर, पो० मलिकापुर, तहसील कन्नौज, जिला फर्रुखाबाद। (अन्तरक)

(2) श्री मदन गोपाल पुत्र राधा कृष्ण, सत्य प्रकाश पुत्र लाल पुत्रगण नारायण प्रसाद और जगदीश चन्द्र एवं सतीश चन्द्र पुत्रगण गेंदन लाल, निवासी सरीफापुर, पो० मलिकापुर, त० कन्नौज, जिला फर्रुखाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामोल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतिहर भूमि एवं मकान जो कि गांव चौकी, मुस्तफाबाद और गंगाधरपुर, तहसील कन्नौज जिसका हस्तांतरण 30,000 रु० में हुआ है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-10-1978

मोहर :

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1978

निदेश सं० अर्जन/132/कन्नौज/77-78—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कन्नौज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बाबू राम पुत्र जय लाल निवासी सर्राफपुर मौजा गंगाधरपुर, पो० मलिकापुर, तहसील कन्नौज, जिला फर्रुखाबाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमती रेशमा देवी पत्नी स्व० विक्रमाजीत, सर्वस कुमार (बालिग) और राजेन्द्र कुमार (नाबालिग) पुत्रगण विक्रमाजीत संरक्षक श्रीमती रेशमा देवी (मां) निवासी सर्राफपुर, पो० मलिकापुर, कन्नौज, जिला फर्रुखाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतिहर भूमि जो गांव धन्सुआ परगना पहाड़ा, तहसील फर्रुखाबाद और गांव गंगाधरपुर तहसील कन्नौज में स्थित है। जिसका हस्तांतरण 20,000 रु० में हुआ है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-10-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० अर्जन/953/भर्यना/77-78—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भर्यना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र राम नारायण निवासी बालु गंग भर्यना, 4/111, नूनहई फरुखाबाद।  
विजय कुमार एवं अरुण कुमार पुत्र गण नारायण निवासी 3/39 नूनहई, फरुखाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री अनोखे लाल पुत्र धारा सिंह, ग्राम नारायण, रघुबीर नारायण एवं शिव नारायण पुत्र गण अनोखे लाल निवासी संतोष पसुचर पो० पुंजा, प० भर्यना, जिला इटावा।

(अन्तरितों)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतिहर भूमि जिसका क्षेत्रफल 7.46 एकड़ है, जो गांव पुंजा प० भर्यना, जिला इटावा में स्थित है। जिसका हस्तांतरण 36,000 रु० में हुआ है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-10-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्तूबर, 1978

निदेश सं० 17808/अर्जन/वगणत/77-78—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनुपशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरित (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री राम सिंह पुत्र ज्वाला सिंह, निवासी कौशल-गढ़, प० व त० अनुपशहर, जिला बल्लभगढ़। (अन्तरक)

(2) श्री सोहन पाल सिंह, मदन पाल सिंह, पुत्रगण रामपाल सिंह, जिला कौशलगढ़, प० अनुपशहर। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि स्थित ग्राम कौशलगढ़, परगना अनुपशहर, 40,100 रु० में विक्रय मूल्य में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सख्त प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 19-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्तूबर, 1978

निर्देश सं० 18328/अर्जन/मु० नगर/77-78—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के  
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बूढ़ाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख फरवरी 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

16—326G1/77

(1) श्री धूम सिंह तुल मांडु सिंह, निवासी ग्राम तुरा  
डासना, खास पो० शिकारपुर तहसील बूढ़ाना  
बूढ़ाना जिला मुरादनगर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती भगवती देवी विधवा दत्ताराम त्यागी  
पुत्रगण दत्ताराम निवासी 11 ब्रह्मपुरी, मुराद-  
नगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित परगना शिकारपुर तहसील बूढ़ाना  
जिला मूजफ्फर नगर 40,050 रु० के विक्रय मूल्य में  
बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 19-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० 1440/अर्जन/धु० शहर/78-79—अतः मुझे  
 बी० सी० चतुर्वेदी  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
 से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के  
 अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
 बलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में,  
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन,  
 निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोविन्दा पुत्र छिद्दा निवासी सुल्तानपुर,  
 विलौनी रहीम कोट परगना डिवाई तहसील  
 अस्पशहर। (अन्तरक)

(2) श्री रतीराम पुत्र छिद्दा निवासी सुल्तानपुर विलौनी  
 रहीम कोट जिला बलन्दशहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
 दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम सुल्तानपुर विलौनी 40,000/-  
 के विक्रय मूल्य में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 19-10-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्तूबर, 1978

निदेश सं० 1698/अर्जन/बुलन्दशहर/78-79-- यतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के  
अनुसार में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किये जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री राजेन्द्र सिंह, रकम सिंह पुत्र गण जहान सिंह  
निवासी शिकारपुर, बुलन्दशहर। (अन्तरक)

(2) श्री राम कुमार, अशोक कुमार पुत्रगण कान्ता  
प्रसाद, निवासी परगना शिकारपुर, जिला बुलन्द-  
शहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि स्थित बुलन्दशहर 35,000 रु० के विक्रय  
मूल्य में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त, (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 19-10-1978

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्तूबर, 1978

निर्देश सं० 18290/अर्जन/मु० नगर/77-78—अतः भूजे  
बी० सी० चतुर्वेदी,  
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के  
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मु० नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख फरवरी 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य प्राप्तिओं  
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) श्री हरपाल पुत्र फकीरा निवासी तितरोला, मुम्मा  
सम्बलहेड़ा, जिला मुजफ्फरनगर।  
(अन्तरक)

(2) श्री रामपाल पुत्र कतू सिंह, निवासी राजपुर  
कला प० मुम्मा सम्बलहेड़ा, जिला मुजफ्फरनगर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम तिसंग प० कैली जानसठ जिला  
मुजफ्फरनगर, 55,007 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक घायकर आयुक्त, (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 19-10-1978

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 1779/अर्जन/बागपत/77-78—अतः मझे  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनूप शहर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मोती देवी विधवा जोधा राम सिंह  
नि० अनूप शहर जिला बुलन्दशहर (अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र सिंह, लक्ष्मी सिंह  
पुत्रगण : नानक सिंह,  
नि० परगना अनूपशहर जिला बुलन्दशहर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम अचोरा परगना अनूप शहर 40,000/-  
के विक्रय मूल्य में बेची गयी) ।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख : 19-10-1978 ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्तूबर 1978

सं० 167 ए०/अर्जन/बु० शहर/78-79—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्द शहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, के अधीन अर्थात् :—

1. श्रीमती अजीजन विधवा अलीजान,  
नि० हाल नमक, डाकखाना गुडाहली कला  
परगना अगौता, जिला बुलन्दशहर ।

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल रशीद, रशीद अहमद,  
पुत्रगण अहमद सैयद खान  
नि० गांव नौखेरा, प० वरन,  
जिला बुलन्दशहर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

राष्ट्रीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

कुपि भूमि स्थित बुलन्द शहर 21,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी ।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख : 19-10-1978

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

कानपुर, दिनांक 19 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० 1908/अर्जन मेरठ/77-78—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1 फरवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राकेश कुमार गुप्ता पुत्र नव० श्री निरंजन प्रकाश गुप्ता नि० : 18, मोहल्ला पाबा लाजी, मेरठ।

स्वयं

मुख्तार श्री मती कौशल्या देवी विधवा

स्व० श्री निरंजन प्रकाश गुप्ता

नि० : बाबा साकी, मेरठ।

(अन्तरक)

2. नवयुग सहकारी गृह निर्माण समिति लि० मेरठ।

द्वारा श्री गौतम शर्मा अध्यक्ष समिति,

निब० अशोक बाटिका, पास साकेत।

मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 8 बीघा 18 जिस्वा स्थित देहली रोड कस्बा मेरठ 5,92,900/- रुपए के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 19-10-1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

कानपुर, दिनांक 19 अक्टूबर, 1978

निदे० सं० 1909/अर्जन/मेरठ/77-78—अतः मुझे बी०  
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और इससे उपाबद्ध अनुसूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मान सिंह पुत्र बख्तावर सिंह,  
नि० जेजोरवर तहसील : मेरठ

(अन्तरक)

2. श्रीमती महेन्द्र कौर पत्नी बन्ता सिंह  
नि० देहली रोड, मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 8 बीघा 1 बिस्वा 11 बिस्वांसी स्थित मेरठ 40,387/- रुपए के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 19-10-1978।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० 380/अर्जन/मु नगर/78-79—अतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुढाना में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख फरवरी 78को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. श्री राम कुमार पुत्र तारीक सिंह नि० अलीपुर अटर्नी  
पोस्ट खास प० ब० त बुढाना जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

2. श्री माबिर खान एवं कासिम खान उर्फ बुद्धू पुत्रगण  
रमजान खान नि० ग्राम अलीपुर अटर्नी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-  
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 39.80 का 1/2 भाग स्थित अलीपुर अटर्नी  
त० बुढाना जिला मुजफ्फरनगर 43500/- के विप्रेत्य मूल्य में  
बेची गयी।बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, (कानपुर)

तारीख : 19-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 19 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० 340/अर्जन/मु० नगर/78-79—अतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुढाना में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
फरवरी, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बुधसिंह पुत्र सगवा त्यागी नि० मुबारिकपुर पोस्ट  
खास प० शिकारपुर त० बुढाना मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र कुमार पुत्र उग्रसेन नि० मुबारिकपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि अनुसूची के अनुसार स्थित ग्राम मुबारिकपुर  
त० बुढाना जिला मु० नगर 80,000/- के विक्रय मूल्य में बेची  
गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रेंज) कानपुर

तारीख : 19-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 अक्तूबर, 1978

निदेश सं० 1777ए/अर्जन/दे० दून/77-78—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भागवत प्रसाद पुत्र दीलत राम नि० पोस्ट आफिस रोड, सहारनपुर।

(अन्तरक)

2. श्री दिनेश कुमार गुप्ता पुत्र दया नाथ गुप्ता 18, सुभाष रोड, देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह पुराना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग नटराज सिनेमा स्थित चक्राता रोड देहरादून 90,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख: 20-10-1978.

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० 121ए/हरिद्वार/78-79—यतः मुझे, बी०

सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री रमन देव सिंह सुपुत्र स्व० राजा शिव रतनदेव सिंह, खुद तथा मुख्तार आम श्रीमती हेम लता पुत्री राजा शिव रतन देव सिंह श्रीमती नलिनी राज्या लक्ष्मी देवी पुत्री त्रिभुवन शाह, श्रीमती रजनी देवी और कु० उर्मिला देवी पुत्री राजा शिव रतन देव सिंह, रतीश देव सिंह पुत्र राजा शिवरतन देव सिंह निवासी 4, पुराना सर्वे रोड, देहरादून। (अन्तरक)
2. श्री लाजपतराय अरोरा पुत्र बख्शी किशन चन्द्र निवासी भीमगोडा रोड, हरिद्वार, जिला सहारनपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि व भवन मय आठ दुकानात जो कि पुन्छ हवेली के नाम से प्रसिद्ध है और जिसकी व्यावसायिक स्थिति काफी मूल्यवान है तथा जो भीमगोडा रोड, हरिद्वार जिला सहारनपुर में स्थित है तथा जिसका हस्तान्तरण रु० 3,00,000/- में हुआ है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 23-10-1978.

मोहर :



## संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सरकार के अधीन चिकित्सा पदों पर भर्ती के लिए सम्मिलित परीक्षा (1979)

नोटिस

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर, 1978

सं० फा० 14/6/78-प० I(ख)—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा रेलवे, आयुध कारखाना स्वास्थ्य सेवा और केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अधीन कनिष्ठ वेतनमान पदों पर भर्ती के लिए 27 मार्च 1979 को एक सम्मिलित परीक्षा आयोजित की जाएगी।

2. इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर विविध पदों के लिए भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या नीचे दी गई है :—

- (i) रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी—लगभग 75 रिक्तियां।\*
- (ii) आयुध कारखाना स्वास्थ्य सेवा में कनिष्ठ वेतनमान पद—लगभग 49 रिक्तियां। (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिये 8 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।
- (iii) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में कनिष्ठ वेतनमान पद—लगभग 230 रिक्तियां। (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 34 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिये 17 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

\*अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियां, यदि कोई हों, सरकार द्वारा निश्चित की जाएंगी।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों में उन पदों का स्पष्ट उल्लेख कर देना चाहिए जिन के लिए वे वरीयता-क्रम में विचार किए जाने के इच्छुक हैं। उम्मीदवारों द्वारा निदिष्ट उन पदों के वरीयता-क्रम में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

3. परीक्षा केन्द्र :—अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोच्चि, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोआ), पटियाला, पटना, शिमला, श्रीनगर, शिलांग और त्रिवेन्द्रम।

4. पात्रता की शर्तें :—

(क) राष्ट्रिकता उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो, या
- (ii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iii) भूटान की प्रजा हो, या

(iv) ऐसा तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीका देश जैसे कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया, जाम्बिया, मलावी, जेरे, तथा इथियोपिया और बियतनाम से प्रव्रजन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (ii), (iii), (iv) और (v) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता-प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

जिस उम्मीदवार के लिए यह पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसको परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है। किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र दे दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा।

(ख) आयु-सीमा :—पहली जनवरी, 1979 को 30 वर्ष से कम।

किन्तु 1979 में ली जाने वाली परीक्षा के लिए आयु सीमा में 50 वर्ष तक की छूट दी जा सकती है।

नोट :—1979 के बाद आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 50 वर्ष तक की छूट किसी भी परिस्थिति में नहीं दी जाएगी।

ऊपरी आयु सीमा में निम्नलिखित स्थितियों में और छूट दी जा सकती है :—

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक,
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और वह 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रव्रजन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन-जाति का हो और वह 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से प्रव्रजन कर आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (iv) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद, श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित हो कर भारत में

- आया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और साथ ही अक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा तंजानिया के संयुक्त गणराज्य से प्रव्रजन किया हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक ।
- (vii) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 को या उसके बाद बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ भारत मूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (viii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 को या उसके बाद, बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ भारत मूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (ix) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाई के दौरान, विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए,
- (x) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों और जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के हैं,
- (xi) सीमा सुरक्षा दल के ऐसे कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो वर्ष 1971 में हुए भारत पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों,
- (xii) सीमा सुरक्षा दल के ऐसे कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक जो वर्ष 1971 में हुए भारत पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों तथा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के हों,
- (xiii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार-पत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम

में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष ।

- (xiv) ऐसा उम्मीदवार जो निर्णायक तारीख अर्थात् पहली जनवरी, 1979 को निर्धारित ऊपरी आयु-सीमा से अधिक आयु का हो जाता है और जो आन्तरिक सुरक्षा अनुरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध किया गया था या 25-6-75 तथा 21-3-77 के बीच की आन्तरिक आपात स्थिति की अवधि के दौरान अभि-कथित राजनैतिक कार्य-कलापों या तत्कालीन प्रतिबंधित संगठनों से सम्बन्धित होने के कारण भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन गिरफ्तार या कैद हुआ था और इस प्रकार उक्त परीक्षा में प्रवेश हेतु निर्धारित आयु-सीमा के अन्दर होते हुए भी परीक्षा में उपस्थित होने से रोक दिया गया था, इस शर्त पर परीक्षा में बैठने का पात्र होगा कि वह जून, 1975 और मार्च, 1977 के बीच की अवधि के दौरान परीक्षा में कम से कम एक बार भी नहीं बैठ पाया हो (अर्थात् उसने परीक्षा छोड़ दी हो), जिसके लिए वह हर प्रकार से पात्र था ।

नोट :— इस रियायत के अन्तर्गत जो कि 31-12-1979 के बाद होने वाली किसी भी परीक्षा में प्रवेश के लिए ग्राह्य नहीं होगी एक से अधिक अवसर नहीं दिया जाएगा ।

उपयुक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी ।

- (ग) शैक्षिक योग्यता:—इस परीक्षा में प्रवेश हेतु उम्मीदवार ने फाइनल एम० बी०बी०एस० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भाग 26 दिसम्बर 1978 को या उससे पहले उत्तीर्ण कर लिए हों, और

नोट 1 :—ऐसे उम्मीदवार जिन्हें अभी अनिवार्य रोटेटिंग इंटर्नेशिप पूरी करनी है, वे भी शैक्षिक दृष्टि से इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र हैं । किन्तु चयन हो जाने के बाद उनकी नियुक्ति अनिवार्य रोटेटिंग इंटर्नेशिप पूरी कर लेने के बाद ही की जाएगी ।

नोट 2 :—जिन उम्मीदवारों की फाइनल एम० बी०बी०एस० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भाग का परिणाम घोषित नहीं हुआ हो और जिन उम्मीदवारों को अभी इन परीक्षाओं में बैठना हो वे इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र नहीं होंगे ।

5. आवेदन-पत्र के साथ देय शुल्क :—रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिए रु० 7.00) ।

जिन आवेदन-पत्रों के साथ निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

ध्यान दें :— एक बार अदा किया गया शुल्क वापस नहीं किया जाएगा और न ही उसे किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जाएगा।

6. आवेदन कैसे किया जाए :—केवल केन्द्रीय सरकार के अधीन चिकित्सा पदों पर भर्ती के लिए सम्मिलित परीक्षा (1979) हेतु निर्धारित प्रपत्र में छपे हुए आवेदन-पत्र ही दिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन-पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन-प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्न स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं :—

- (i) दो रुपए का मनीआर्डर या संघ लोक सेवा आयोग के सचिव, को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर भेज कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।
- (ii) दो रुपए नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउंटर पर।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर-सरकारी सेवाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हो, जिनमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं हैं, उनको इस परीक्षा में अंतिम रूप में प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्र को उसके अंत में संलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियां निकाल कर, आयोग को सीधे भेज दें और प्रमाण-पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत् भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और हर हालत में प्रमाण-पत्र के फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

7. आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्राप्ति की अंतिम तारीख :—

- (i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों से 26 दिसम्बर, 1978।

- (ii) विदेश में या अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों से 8 जनवरी, 1979।

8. प्रलेख जो आवेदन के साथ प्रस्तुत हों :—

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा :—

- (i) रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हों या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, की मुख्य शाखा नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हों।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे उस देश में भारत के उच्च आयुक्त या राजदूत या प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क इस प्रकार जमा करें जिससे वह "051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के खाते में जमा हो जाए और उसकी रसीद लेकर आवेदन पत्र के साथ भेज दें।

- (ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्व-विद्यालय के यहां मेट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर-माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के भाग में आए मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त बैकलिपिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित है।

कभी कभी मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की

एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से यह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है। इस प्रमाण पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में धर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण पत्र नहीं भेजा गया तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिये कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1:— जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र हो, उसे केवल आयु से सम्बन्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:— उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बाद की परीक्षा में उससे कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जायगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण पत्र:—उम्मीदवारों को किसी प्राधिकरण (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने 26 दिसम्बर, 1978 अर्थात् आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अन्तिम तारीख को या उससे पहले एम० बी० बी० एस० परीक्षा पास कर ली है।

(iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें.मी. × 7 सें.मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियाँ जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत अंकित हों।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा:—

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में, जहाँ उम्मीदवार या उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उस जिले के किसी सक्षम (प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) प्राधिकारी से परिशिष्ट I में दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) आयु में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवारों द्वारा:—

(i) पैरा 4 (ख), (ii) या 4 (ख) (iii) के अधीन मुल्क में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान

(अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक के लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने से लिए प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रव्रजन पर भारत आया है:—

- (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कमांडेंट:
- (2) उस क्षेत्र या जिला मजिस्ट्रेट, जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।
- (4) स्वयं प्रभारित सब डिवीजन का सब डिवीजनल अफसर।
- (5) उप-शरणार्थी-पुनर्वास-आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(ii) पैरा 4(ख)(iv) अथवा 4 (ख)(v) के अधीन आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रव्रजन कर भारत आया है या आने वाला है।

(iii) पैरा 4(ख)(vi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया से आय हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित भारत मुलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(vi) पैरा 4 (ख)(vii) अथवा 4(ख)(viii) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीयनागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे, जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद प्रव्रजन कर भारत आया है।

(v) पैरा 4 (ख) (ix) अथवा 4(ख) (x) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक पुनःस्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांति प्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट .....  
के रैंक नं० ..... श्री ..... रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष के दौरान/अशांतिप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर .....

पदनाम .....

दिनांक :

\*जो शब्द लापू न हो, उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 4 (ख) (xi) अथवा 4(ख) (xii) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट .....  
रैंक नं० ..... श्री ..... सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर .....

पदनाम .....

तारीख .....

(vii) नियम 4(ख) (viii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये यह प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित

व्यक्ति है, और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(viii) पैरा 4(ख) (xiv) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवार को (i) निरोधक प्राधिकारी से उनकी मुहर लगे प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये जिसमें यह लिखा हो कि उक्त उम्मीदवार आन्तरिक सुरक्षा अनुरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध हुआ था या (ii) जिस उपमंडल मैजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में वह इलाका आता हो उसके प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये जिसमें लिखा हो कि उम्मीदवार भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अन्तर्गत गिरफ्तार या कैद हुआ था और जिसमें ये तारीख विनिर्दिष्ट हों जिनके बीच वह गिरफ्तार या कैद रहा था तथा जिसमें प्रमाणित हो कि निरोध या गिरफ्तारी या कैद, जैसी भी स्थिति हो, उम्मीदवार के राजनैतिक सम्बन्धों या कार्य-कलापों या तत्कालीन प्रतिबन्धित संगठनों से उसके सम्बन्ध रखने के अनुसरण में थी।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ उपर्युक्त पैरा 8 में उल्लिखित प्रमाण पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी।

9. आवेदन प्राप्ति की सूचना:—इस परीक्षा के लिये निर्धारित फार्म में मिले सभी आवेदनों के पहुंचने की सूचना भेजी जायगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुंचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पहुंचने की अन्तिम तारीख से एक महीने के अन्दर न मिले तो उसकी प्राप्ति सूचना पाने के लिए तत्काल आयोग से सम्पर्क करना चाहिए।

10. आवेदन का परिणाम:—अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन की परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिये आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिये। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से वंचित हो जायेगा।

11. परीक्षा में प्रवेश:—किसी उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के सम्बन्ध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अन्तिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण पत्र बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

12. कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई: उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण

सूचना को छिपाये। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न फेर-बदल किये गये/गढ़े हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दो या अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अशुद्धि या असंगति हो तो उनको इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिये।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी है या दोषी घोषित हो चुका है :—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना, या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को प्रस्तुत करना, या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किये गये प्रलेख प्रस्तुत करना, या
- (v) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना, या
- (vi) उक्त परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनुचित साधन अपनाना, या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना, या
  - (1) उ.र. पुस्तिका(ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों, या
  - (2) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार करना, या
  - (x) परीक्षा खलाने के लिये आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या
  - (xi) ऊपर के खंडों में उल्लिखित सभी या किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिये किसी को उकसाया हो या उस पर आपराधिक अभियोग चलाया जा सकता है और साथ ही :
    - (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिये आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा वह
    - (ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिये
    - (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिये;

स्थायी रूप से या कुछ निश्चित अवधि के लिये अपवर्जित किया जा सकता है; और

- (ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

13. मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुतीकरण :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों के साथ उपर्युक्त पैरा 8 में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। उम्मीदवारों को इन प्रमाण पत्रों को व्यक्तित्व परीक्षण के समय मूल रूप में प्रस्तुत करने के लिये तैयार रखना चाहिये। जो उम्मीदवार व्यक्तित्व परीक्षण के समय आरक्षित प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी और उनका और आगे विचार किये जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

14. परीक्षा की योजना :—इस परीक्षा में निम्नलिखित का समावेश होगा :—

(क) लिखित परीक्षा—उम्मीदवारों को निम्नलिखित चार विषयों से सम्बद्ध वस्तुपुरक प्रश्नों वाले एक प्रश्न-पत्र में परीक्षा देनी होगी और प्रश्न-पत्र 3 घंटे का होगा। प्रश्न-पत्र में ऐसे प्रश्न पूछे जायेंगे जिनसे निम्नलिखित चार विषयों का अधिक सम्बन्ध हो—

- (i) शिशु रोग विज्ञान सहित सामान्य आयु विज्ञान .. 40%
- (ii) क० ना० क०, नेत्र विज्ञान, ग्रन्थ विज्ञान और विकलांग विज्ञान सहित सर्जरी .. 20%
- (iii) शिशु कल्याण और परिवार नियोजन सहित निरोधक आयुविज्ञान और सामुदायिक स्वास्थ्य .. 20%
- (iv) प्रसूती विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान .. 20

(ख) जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त कर लेंगे उनका व्यक्तित्व परीक्षण किया जायेगा।

ध्यान दें :—लिखित परीक्षा और व्यक्तित्व परीक्षण के समान अंक होंगे।

नोट :—परीक्षा का स्वरूप, प्रश्नों के नमूने और उत्तर प्रत्न के नमूने से सम्बद्ध ब्यौरे उम्मीदवार सूचना पुस्तिका में परिशिष्ट III पर दिये गये हैं।

15. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपनी विषयों से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये बुलाया जायेगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग का यह मत हो कि अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये इन जातियों के पर्याप्त उम्मीदवार सामान्य पस्तर के आधार पर व्यक्तित्व

परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये नहीं बुलाये जा सकते हैं तो आयोग अनुसूचित जातियों का अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को इनके लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये सामान्य स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये बुलाया जा सकता है।

व्यक्तित्व परीक्षण के लिये होने वाला साक्षात्कार लिखित परीक्षा के अनुपूरक के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्र में उनकी सामान्य जानकारी और क्षमता की परीक्षा करना होता है और साथ-साथ जैसा कि किसी व्यक्तित्व परीक्षण में होता है, उम्मीदवारों की नैतिक जिज्ञासा, समाजात्मक सूक्ष्म-बुद्धि की शक्ति, सन्तुलित विवेचनशालता, मानसिक जागरूकता, सामाजिक सामंजस्य की क्षमता, चारित्रिक सत्यानुष्ठा, स्वतः प्रेरणा और नेतृत्व की योग्यता का भी मूल्यांकन किया जाता है।

16. साक्षात्कार के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को लिखित परीक्षा और व्यक्तित्व परीक्षण के अंकों में क्रमशः 50% का महत्व देते हुए कुल मिलाकर प्राप्त अंकों के आधार पर उम्मीदवारों का योग्यता के क्रम से आयोग द्वारा उनका एक सूची तैयार की जायेगी और जिसने उम्मीदवारों को आयोग इस परीक्षा में योग्य पाता है उनमें से उतने ही लोगों को उसी क्रम से नियुक्ति के लिये अनुशसित किया जाता है जितनी अनारक्षित रिक्तियों को इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरने का निश्चय किया जाता है।

परन्तु अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षित रिक्तियों में से सामान्य स्तर के आधार पर जितनी रिक्तियाँ नहीं भरी जा सकती हैं उतनी के लिये स्तर में छूट देकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को आयोग द्वारा अनुशासित किया जा सकता है बशर्त कि परीक्षा में उनका योग्यता के क्रम से निरपेक्ष रूप से वे इस सेवा में नियुक्ति के योग्य हों।

17. परीक्षा में बैठे उम्मीदवारों को वैयक्तिक रूप से उनका परीक्षा परिणाम किस प्रकार और किस रूप में सूचित किया जाये इसका निर्णय आयोग स्वयं अपने विवेक से करेगा और परीक्षा परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उनके साथ कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

18. इस नोटिस के उपबन्धों के अधीन, सफलता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की नियुक्ति पर आयोग द्वारा उनकी योग्यता के क्रम से तैयार की गई सूची और उनके द्वारा अपने आवेदन पत्रों में, विभिन्न पदों के लिये बताई गई बरौयता के आधार पर विचार किया जायेगा।

19. परीक्षा में सफल होने मात्र से नियुक्ति का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता जब तक आवश्यक पृष्ठलाभ के बाद सरकार इस बात से सन्तुष्ट न हो कि उम्मीदवार अपने चरित्र और पूर्ववत् के आधार पर उक्त सेवा में नियुक्ति के लिये सबथा उपयुक्त है। उम्मीदवार की नियुक्ति के लिये यह भी एक बात होगी कि उसके अनिवार्य

रोटेटिंग इन्टर्निशिप सफलतापूर्वक पूरी कर लेने के सम्बन्ध में नियुक्ति-प्राधिकारी सन्तुष्ट हो।

20. उम्मीदवार को मन और शरीर से स्वस्थ होना चाहिये और उसमें ऐसी कोई भी शारीरिक कमी नहीं होनी चाहिये जो उक्त सेवा के अधिकारी के रूप में कार्य करने में बाधक सिद्ध हो सके। सरकार या नियुक्ता प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित इस प्रकार की शारीरिक परीक्षा में जो उम्मीदवार इन अपेक्षाओं की पूर्ति नहीं कर पाता है उसकी नियुक्ति नहीं होगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिये योग्य घोषित किये गये सभी उम्मीदवारों को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित चिकित्सा बोर्ड के पास शारीरिक परीक्षा के लिये भेजा जायेगा।

21. कोई भी व्यक्ति—

- (क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में करार कर लेता है जिसका कोई पति या पत्नी जीवित है, या
- (ख) पति या पत्नी के जीवित होते हुए, किसी दूसरे व्यक्ति से वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में कोई करार कर लेता है,

इस सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति और विवाह से सम्बन्ध दूसरे व्यक्ति पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के और भी आधार मौजूद है, तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकता है।

22. आवेदन-पत्र से सम्बद्ध पत्र व्यवहार:—आवेदन पत्र से सम्बन्ध सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से किया जाये तथा उसमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाये:—

- (i) परीक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो तो जन्म की तारीख
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया डाक का पता

ध्यान दें:—जिन पत्रों में उपरोक्त ब्यौरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

23. पत्रों में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिये कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्रों पर भेजे गये पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्रों पर मिला जाया करे। पत्रों में किसी भी प्रकार का

परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 22 में उल्लिखित ध्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिये। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

24. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं पर भर्ती की जा रही है। उनके संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट II में गये हैं।

आर० एस० ग्रहलुवालिया,  
उप सचिव

#### परिशिष्ट-I

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*-----  
-----सुपुत्र/सुपुत्री\*/श्री-----  
-----जो गाँव/कस्बा\*-----  
-----जिला/मंडल\*-----

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\*-----के  
की\* निवासी हैं,-----

-----जाति/जन जाति\* के/की\* है जिसे  
निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/जन जाति\* के रूप  
में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश, 1950\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) आदेश, 1950\*

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश  
1951\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र)  
आदेश 1951

[अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ सूची (अशोधन) आदेश 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ आदेश संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आदेश  
1956\*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित  
जन जातियाँ आदेश, 1959। अनुसूचित जातियाँ और  
अनुसूचित जन जातियाँ आदेश (संशोधन) अधिनियम  
1976 द्वारा यथा संशोधित\*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियाँ  
आदेश, 1962\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) (अनुसूचित  
जातियाँ), आदेश, 1962\*

संविधान (पॉण्डिचेरी) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1964\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (उत्तर प्रदेश)  
आदेश, 1967\*

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जातियाँ  
आदेश, 1968\*।

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियाँ  
आदेश, 1968\*।

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश  
1970\*।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\*-----  
और/या\* उनका परिवार आम तौर से गाँव/कस्बा\*-----  
-----जिला/  
मंडल\*-----राज्य/  
संघ राज्य क्षेत्र\*-----में  
रहते/रहती\* है।

हस्ताक्षर-----

\*\*पदनाम-----

(कार्यालय की मोहर सहित)

स्थान-----

तारीख-----

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\*

नोट :—यहाँ "आम तौर से रहते/रहती है" शब्दों का  
अर्थ वही होगा जो रिप्रेजेंटेशन ग्राफ दि.पीयू.एन.ए. 1960  
की धारा 20 में है।

\*लागू शब्द न हों, उन्हें कृपया काट दें।

\*\*जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम  
अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/  
डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी  
कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टार्डपेण्डरी मैजिस्ट्रेट/  
सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक  
मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट  
कमिशनर।

† (प्रथम श्रेणी के स्टार्डपेण्डरी मैजिस्ट्रेट से कम जोहरे का नहीं)

(ii) चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसीडेंसी  
मैजिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट।



(iii) रैवेन्यू अफसर जिसका ओहवा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) इस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) एडमिनीस्ट्रेटर/एडमिनीस्ट्रेटर का सचिव/डकलपमेंट अफसर (सहायक)।

#### परिशिष्ट II

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनके संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं।

रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी

(क) पद अस्थायी है और ग्रुप 'क' में है। पद का वेतनमान रु० 700-40-900-द रु०-40-1100-50-1250-व रु०-50-1600 (परिशोधित वेतनमान) हैं। इसके अलावा समय-समय पर प्रवर्तित आदेशों के अनुसार प्रतिबन्धित प्रैक्टिस निषेध भत्ते भी होंगे। फिलहाल ये द चालू हैं :—

1—5 स्टेज	रु० 150-प्र० मा०
6—10 स्टेज	रु० 200-प्र० मा०
11—15 स्टेज	रु० 250-प्र० मा०
16वीं स्टेज से आगे	रु० 300-प्र० मा०

निजी प्रैक्टिस की प्रतिबन्धित या निषिद्ध करते हुए समय-समय पर रेलवे मंत्रालय या अन्य उच्चतर प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए आदेशों का पालन करने के लिए उम्मीदवार बाध्य होगा। जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में हों, उनको उपर्युक्त वेतनमान में नियमानुसार प्रारंभिक वेतन दिया जाएगा दूसरे लोगों को उपर्युक्त वेतनमान का न्यूनतम वेतन दिया जाएगा।

(ख) उम्मीदवार को दो साल की परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। अगर आवश्यक समझा जाए तो सरकार इस अवधि को आगे बढ़ा सकती है। परीक्षा की अवधि को सन्तोषजनक ढंग से समाप्त करने पर वह अस्थायी हैसियत से उनको आगे चलाया जाएगा।

(ग) परीक्षा की अवधि में और उसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने के नोटिस के द्वारा नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का अधिकार सरकार अपने पास रखेगी।

(घ) उम्मीदवार को रेलवे मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और सभी विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(ङ) उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमों से नियंत्रित होगा और राज्य रेलवे भविष्य निधि (गै अंश-वायी) के समय-समय पर लागू नियमों के अधीन उस निधि का सदस्य बनेगा।

(च) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित और अपने स्तर के अधिकारियों पर लागू अवकाश नियमों के अनुसार अवकाश का अधिकारी होगा।

(छ) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित नियमों के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास और विशेष टिकट आदेशों का अधिकारी होगा।

(ज) उम्मीदवार को उसकी नियुक्ति के बाद दो साल के अन्दर हिन्दी परीक्षा में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(झ) नियमानुसार, उपर्युक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को, अपेक्षित होने पर, किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से संबंधित किसी पद पर काम से काम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिस में किसी प्रशिक्षण पर व्यतीत अवधि शामिल है।

परन्तु: उस व्यक्ति को

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) संगणनीय सेवा:—जो व्यक्ति इन नियमों के अधीन उन पदों पर नियुक्त होते हैं जिन पर भारतीय रेलवे स्थापना संहिता के नियम 2423-क (के० से० नि० 404-ख) में निर्धारित शर्तें लागू होती हैं, वे उस नियम में निहित उपबन्धों के लाभ के पात्र होंगे।

(घ) जो बातें ऊपर विनिर्दिष्ट रूप में कही गई हैं उनमें और अन्य मामलों में उम्मीदवार भारतीय रेलवे स्थापना संहिता और समय-समय पर पारिशोधित/प्रवर्तित नियमों के अधीन कार्य करेगा।

(ङ) प्रारंभ में उम्मीदवारों को पार्श्वस्थ स्टेशनों के रेलवे स्वास्थ्य केन्द्रों/श्रीषालयों में नियुक्त किया जाएगा। सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारियों को किसी भी रेलवे में स्थानान्तरित भी किया जा सकता है।

(ठ) उच्चतर ग्रेडों के वेतनमान और भत्ते सहित पदोन्नति की संभावनाएं:—

सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी जो नियमित रूप से ग्रेड में नियुक्त होने के बाद पांच वर्ष का सेवा काल समाप्त करते हैं। प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी (वरिष्ठ वेतनमान) के रूप में पदोन्नति के पात्र होंगे जिसका वेतनमान रु० 1100-1800 (परिशोधित) होगा और समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रतिबन्धित प्रैक्टिस निषेध भत्ता भी मिलेगा।

## (ड) कर्तव्य और दायित्व—

सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी:

- (i) वह प्रतिदिन और आवश्यक होने पर भीतरी बाड़ों और बाहरी चिकित्सा विभाग का काम देखेगा।
- (ii) वह लागू विनियमों के अनुसार उम्मीदवारों और सेवारत कर्मचारियों की शारीरिक परीक्षा करेगा।
- ( ) वह अपने अधिकार क्षेत्र में परिवार नियोजन लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता का काम देखेगा।
- (iv) वह विज्ञेताओं की जांच करेगा।
- (v) वह अस्पताल के कर्मचारियों में अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होगा।
- (vi) वह अपनी विशेषज्ञता से संबद्ध कार्य, यदि कोई हो करेगा और अपनी विशेषज्ञता से संबंधित विवरणियां और मांग-पत्र तैयार करेगा।
- (vii) वह सभी उपस्करों का रखरखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेगा।

नोट (1) :— जब सहायक प्र० चि० अ० किसी प्रभाग के मुख्यालय में प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी के प्रभार के अधीन नियुक्त किया जाता है तो वह प्रभागीय चिकित्सा के सभी कर्तव्यों में उसे सहायता देगा किन्तु विशेष रूप से उसको कुछ कार्यों और दायित्व भी सौंपे जा सकते हैं।

नोट (2) :— सहा० प्र० चि० अ० को समय समय पर सौंपे गए अन्य कर्तव्य भी निभाने होंगे।

II. रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत आयुध कारखाना स्वास्थ्य सेवा (अ० का० स्वा० से०) में सहायक चिकित्सा अधिकारी के पद—

(क) पद ग्रुप 'क' में अस्थायी है किन्तु यथावधि स्थायी किया जा सकता है। वेतनमान रु० 700-40-900-द० रो० 40-1100-50-1300 है तथा साथ में समय समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रतिबंधित प्रैक्टिस निषेध भत्ता (प्र० नि० भ०)। इस समय दर निम्नलिखित है:—

1—5 स्टेज	रु० 150/- प्रतिमास
6—10 स्टेज	रु० 200/- प्रतिमास
11—स्टेज से आगे	रु० 250/- प्रतिमास

(ख) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष तक परीवीक्षा पर रखा जाएगा। वह यह अवधि सक्षम प्राधिकारी की विवक्षा पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परीवीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से समाप्त करने पर उसे स्थायी रिक्ति पर स्थायी किए जाने तक अस्थायी हैसियत से चलाया जाएगा।

(ग) उम्मीदवार को भारत में कहीं भी किसी आयुध कारखाना अस्पताल या औषधालय में नियुक्त किया जा सकता है।

(घ) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।

(ङ) परीवीक्षा की अवधि में और उसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। सरकार को नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का अधिकार होगा।

(च) उच्चतर ग्रेडों के वेतनमान और भत्तों सहित पदोन्नति के अवसर:—

(i) वरिष्ठ वेतनमान—वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/  
सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा।

कनिष्ठ वेतनमान में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले अधिकारी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के वरिष्ठ वेतनमान के लिए पात्र होंगे। वेतनमान रु० 1100-50-1800 है तथा साथ में निम्नलिखित दरों पर प्रैक्टिस निषेध भत्ता—

1—3 स्टेज	रु० 250/- प्रतिमास
4—5 स्टेज	रु० 300/- प्रतिमास
6—7 स्टेज	रु० 350/- प्रतिमास
8—9 स्टेज	रु० 400/- प्रतिमास
10—11 स्टेज	रु० 450/- प्रतिमास

(ii) सुपर टाइम ग्रेड II—प्रधान चिकित्सा अधिकारी  
उप-निदेशक, स्वास्थ्य सेवा।

वरिष्ठ वेतनमान में 3 वर्ष की सेवा और स्नातकोत्तर योग्यता रखने वाले अधिकारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के सुपर टाइम ग्रेड II में पदोन्नति के लिए विचार किया जा सकते हैं। वेतनमान रु० 1500-60-1800-100-2000 है तथा रु० 600/- प्रति माह की दर से प्र० नि० म०।

(iii) सुपर टाइम ग्रेड I—निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं।

प्रधान चिकित्सा अधिकारी और उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा 3 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने पर रु० 2250-125-2-2500 प्रतिमास तथा साथ में रु० 600/- प्र० मा० की दर से प्रैक्टिस निषेध भत्ते के वेतनमान वाले निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के सुपर टाइम ग्रेड I में नियुक्ति के पात्र होंगे।

(छ) कार्य-स्वरूप—I सहायक चिकित्सा अधिकारी:

- (i) वे प्रतिदिन और आवश्यक होने पर अस्पताल के बाड़ों के विभागों के अंतरंग रोगियों और औषधालयों/बहिरंग विभागों के रोगियों को देखेंगे।
- (ii) वे लागू नियमों के अनुसार कर्मचारियों और नौकरी के लिए आने वाले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा करेंगे।

(iii) वे सभी उपस्करों का रखरखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेंगे।

(iv) वे अपने अधिकार क्षेत्र में परिवार कल्याण, लोक स्वास्थ्य और कर्मचारियों के औद्योगिक स्वास्थ्य का कार्य देखेंगे।

(v) वे अस्पताल और औषधालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण, अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होंगे।

(vi) वे नियमानुसार प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करेंगे।

(2) जी० डी० ओ० ग्रेड-I—स्वास्थ्य सेवा सहायक निदेशक और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी

(क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा० से० सं० नि०/स्वा० से० उ० नि० के० निर्देशन पर चिकित्सा सम्बंधी सभी विषयों में कर्तव्य निभाने में उनकी सहायता करेगा।

(ख) अनुभाग अधिकारी के रूप में चिकित्सा अनुभाग को दैनंदिन कार्य करने में वह स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० की सहायता करेगा।

(ग) समय-समय पर स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० द्वारा सौंपे गए दूसरे कार्य भी उसको करने होंगे।

(घ) चिकित्सा भण्डार और उपस्कर से संबंधित सभी प्रश्नों का समाधान करने में वह स्वा० से० नि० की सहायता करेगा।

(ङ) व० चि० अ०—व० चि० अ० 75 पलंग वाले किसी कारखाना अस्पताल और वहां की चिकित्सा स्थापना के प्रभारी होंगे।

(च) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में वे चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना महा प्रबंधक के सलाहकार रहेंगे और आवश्यक अनुशंसा करते रहेंगे।

(छ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबंध करेंगे।

(ज) वे किसी संविधि या सरकारी आदेश में निहित या स्वा० से० नि० द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करेंगे।

(3) सुपर टाइम ग्रेड II—स्वास्थ्य सेवा उप निदेशक और प्रधान चिकित्सा अधिकारी

(क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा० से० उ० नि०/स्वा० से० नि० के द्वारा निर्दिष्ट उन के सभी कार्यों में उनकी सहायता करेगा।

(ख) स्वा० से० नि० की गैर हाजिरी छुट्टी या बीरे की अवधि में वह कारखाना महानिदेशक के आदेशानुसार स्वा० से० नि० के रूप में कार्य करेगा।

(ग) प्र० चि० अ०—प्र० चि० अ० 75 पलंग वाले किसी कारखाना अस्पताल और वहां की चिकित्सा स्थापना का प्रभारी चिकित्सा अधिकारी रहेगा।

(घ) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में वे चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना महा प्रबंधक के सलाहकार रहेंगे और आवश्यक अनुशंसा देते रहेंगे।

(ङ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए वे चिकित्सा का प्रबंध करेंगे।

(च) किसी संविधि या सरकारी आदेश में निहित या स्वास्थ्य सेवा निदेशक द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी वे करेंगे।

(4) सुपर टाइम ग्रेड-I—स्वास्थ्य सेवा निदेशक

(क) चिकित्सा और स्वास्थ्य से संबंधित सभी मामलों में कारखाना महानिदेशक का चिकित्सा सलाहकार—व्यावसायिक और प्राविधिक—समस्त मामलों में कारखाना महानिदेशक संगठन की चिकित्सा स्थापना का नियंत्रक प्राधिकारी कारखाना महानिदेशक द्वारा प्रदत्त सभी प्रशासनिक अधिकारों का यह उपयोग करेगा।

(ख) सरकार द्वारा स्वीकृत प्रतिवेदनों/अनुशंसाओं का कार्यान्वयन करने के लिए वह योजनाएं तैयार करेंगे।

(ग) नियंत्रक प्राधिकारी के रूप में वह आवश्यकता-नुसार कारखानों में कर्मचारियों का वितरण करेंगे।

(घ) संघ लोक सेवा आयोग में वह सामान्यतः कारखाना महानिदेशक का प्रतिनिधित्व करेंगे।

(ङ) सामान्यतः वर्ष में एक बार वह सभी कारखानों का निरीक्षण करेंगे या करा लेंगे और चिकित्सा स्थापना से संबंधित सभी मामलों में चिकित्सा प्रतिष्ठानों की कार्य-विधि के संबंध में कारखाना महानिदेशक को प्रतिवेदन भेजेंगे।

(च) वह स्वा० से० उ० नि० की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखेंगे और समस्त प्र० चि० अ०, व० चि० अ० और सं० चि० अ० की रिपोर्टों की समीक्षा करेंगे।

III. केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अधीन कनिष्ठ वेतनमान पवों के संक्षिप्त विवरण :

(क) उम्मीदवारों को कनिष्ठ ग्रुप 'क' वेतनमान में नियुक्त किया जाएगा और नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की अवधि तक वे परिवीक्षा के अधीन रहेंगे। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के निर्णय पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा की अवधि की संतोषजनक समाप्ति के बावजूद उनको यथासमय कनिष्ठ वेतनमान (रु० 700-1300) में स्थायी बनाया जाएगा।

(ख) उम्मीदवारों को केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में सम्मिलित किसी भी संगठन के अधीन किसी भी औषधालय या अस्पताल में भारत में कहीं भी नियुक्त किया जा सकता है, अर्थात् दिल्ली, बंगलौर, बम्बई, मेरठ, आदि में चालू के० स० स्वा० से०, कोयला खान/माइका खान श्रम कल्याण संगठन, असम राइफल्स, अरुणाचल प्रदेश, लक्षद्वीप, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, डाक तार विभाग आदि। प्रयोगशाला और परामर्श सेवा सहित किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस निषिद्ध है।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान प्राप्त है :—

#### कनिष्ठ ग्रुप 'क' वेतनमान

परिशोधित वेतनमान : रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300।

	प्रे० नि० भ०
1 — 5 स्टेज	रु० 150 प्र० मा०
6 — 10 स्टेज	रु० 200 प्र० मा०
11वीं स्टेज से आगे	रु० 250 प्र० मा०

जो अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान में कम से कम पांच वर्ष की सेवा पूरी करते हों, वे वरिष्ठ वेतन में पदोन्नति के पात्र होंगे।

#### वरिष्ठ वेतनमान ग्रुप 'क'

परिशोधित वेतनमान :	रु० 1100-50-1600
	प्रे० नि० भ०
1 से 3 स्टेज तक	रु० 250 प्र० मा०
4 से 5 स्टेज तक	रु० 300 प्र० मा०
6 से 7 स्टेज तक	रु० 350 प्र० मा०
8 से 9 स्टेज तक	रु० 400 प्र० मा०
10 से 11 स्टेज तक	रु० 450 प्र० मा०

वरिष्ठ वेतनमान में 10 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले अधिकारी रु० 1500-2000 के वेतनमान सुपर टाइम ग्रेड II में नियुक्ति के पात्र हो जाएंगे अर्थात् कि उम्मीदवारों के पास स्नातकोत्तर योग्यताओं के साथ आवश्यक योग्यताएं हों।

#### विशेषज्ञों का ग्रेड II

परिशोधित वेतनमान : रु० 1100-50-1500-द० रो०-60-1800।

	प्रे० नि० भ०
1 से 3 स्टेज तक	रु० 300 प्र० मा०
4 से 6 स्टेज तक	रु० 350 प्र० मा०
7 से 9 स्टेज तक	रु० 400 प्र० मा०
10 से 12 स्टेज तक	रु० 450 प्र० मा०
13 से 14 स्टेज तक	रु० 500 प्र० मा०

विशेषज्ञों के ग्रेड II में आठ वर्ष की सेवा पूरी करने वाले और आवश्यक योग्यताओं से युक्त अधिकारी पदोन्नति पर भरी जाने वाली 50 प्रतिशत रिक्तियों में विशेषज्ञ के ग्रेड I में पदोन्नति के लिए विचार क्षेत्र में आते हैं।

#### विशेषज्ञों का ग्रेड I

परिशोधित वेतनमान : रु० 1800-100-2000-125/2-2250 प्रे० नि० भ० रु० 600 प्र० मा०।

#### सुपर टाइम ग्रेड II :

परिशोधित वेतनमान : रु० 1500-60-1800-100-2000 प्रे० नि० भ० रु० 600 प्र० मा०।

विशेषज्ञों के ग्रेड I या सुपर टाइम ग्रेड II के पदधारी अधिकारी नियमित रूप से इनमें से किसी भी ग्रेड में छह वर्ष की सेवा पूरी करने पर सुपर टाइम ग्रेड I स्तर II पर पदोन्नति के विचार क्षेत्र में आते हैं।

#### सुपर टाइम ग्रेड I स्तर I

परिशोधित वेतनमान : रु० 2250-125/2-2500।  
प्रे० नि० भ०—रु० 600 प्र० मा०

#### सुपर टाइम ग्रेड I स्तर II

परिशोधित वेतनमान : रु० 2500-125-2750  
प्र० नि० भ०—रु० 600 प्र० मा०

सुपर टाइम ग्रेड I स्तर I की रिक्तियों को उन्हीं अधिकारियों से भरा जाएगा जो सुपर टाइम ग्रेड I स्तर II में दो वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हों। अगर यह संभव नहीं हुआ तो सुपर टाइम ग्रेड I स्तर II और विशेषज्ञों के ग्रेड I/सुपर टाइम ग्रेड II में कुल मिलाकर 8 वर्ष की सेवा से युक्त या वह भी संभव नहीं हुआ तो विशेषज्ञों के ग्रेड I और सुपर टाइम ग्रेड II में से किसी भी ग्रेड में आठ वर्ष की सेवा से युक्त अधिकारियों से भरा जाएगा।

#### परिशिष्ट —III

##### संघ लोक सेवा आयोग

##### उम्मीदवारों की सूचनाएं विवरणिका

#### क. वस्तुपरक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको "वस्तुपरक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फेलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न जिसको आपके प्रश्नांश कहा जाएगा के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

#### ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3, ... के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c क्रम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे।

आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

#### ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर उस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e, . . . . के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौनसा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दशनिवाले आयत को पेंसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

1. 

a
---

--

c
---

d
---

e
---
2. 

a
---

b
---

c
---

--

e
---
3. 

--

b
---

c
---

d
---

e
---

आपके उत्तर पत्रक में दिए गए उत्तरों का मूल्यांकन मशीन से किया जाएगा। जो गलत उत्तर, एच० बी० पेंसिल के अतिरिक्त दूसरी पेंसिल के प्रयोग और विकृत उत्तर पत्रक को पहचानने में बड़ी सुग्राही है। इस लिए यह जरूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी कलम की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें। दूसरी पेंसिलों या पेन के द्वारा बनाए गए निशान, संभव है, मशीन से ठीक न पढ़े जाएं।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलवट आदि पड़ जाएं और वह टेढ़ा हो जाए।

#### घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम :

1. आपको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 20 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षण शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षण भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का सख्त पालन करने पर कड़ा बंड दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्याही से साफ साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मशीन के द्वारा होता है, इसलिए संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नंबर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरंभ या समाप्त करने का कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शार्पनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

#### ड. विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण-पुस्तिका पर हाशिये में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, तुरंत आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संबद्ध खाने में अपनी परीक्षण-पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक

परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

#### च. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बढ़ें, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिंता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यंत कठिन मालूम पड़े, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्यूत्तरों की संख्या के आधार पर आपको अंक दिए जाएंगे।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा, जानकारी, सूझ बूझ और विश्लेषण-क्षमता की परीक्षा हो। आपके लिए यह लाभदायक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से देख लें और इस बात से आश्वस्त हों जाएं कि आप अपने विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

#### छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करने को कहें, आप लिखना बंद कर दें। जो उम्मीदवार इस तरह बंद नहीं करते हैं, वे दंड के भागी होंगे।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहां आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक न ले जाएं, और आपको "हाल" छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस निर्देश का उल्लंघन करने वाले दंड के भागी होंगे।

#### नमूने के प्रश्न

1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है ?

- (a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
- (b) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।

(c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।

(d) अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी।

उत्तर (d)

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

- (a) विधायिका न्यायापालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

उत्तर (c)

3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्येतर कार्य कलाप का मुख्य प्रयोजन

- (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
- (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

उत्तर (a)

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है;

- (a) शुक्र
- (b) मंगल
- (c) बृहस्पति
- (d) बुध

उत्तर (d)

5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है ?

- (a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
- (c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

उत्तर (c)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th September 1978

No. A.32014/1/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mehra, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission and at present officiating in the selection Grade for Grade C Stenographer to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on purely provisional, temporary and *ad hoc* basis for a period of 46 days w.e.f. 15-9-78 to 30-10-78 or until further orders, whichever is earlier vice Shri M. C. Khurana promoted to Grade A of CSSS on *ad hoc* basis or until further orders, whichever is earlier.

Shri Mehra should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is purely temporary and on *ad hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for Seniority in that Grade. Further his appointment is subject to the approval of the DOP & ARs.

P. N. MUKHERJEE

Under Secy,

Union Public Service Commission

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DEPTT. OF PERSONNEL &amp; A.R.

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th October 1978

No. A-19036/32/78-Ad.V.—The Director, CBI and IGP, SPE is pleased to promote the following permanent Inspectors of C.B.I. to officiate as Dy. Supdt. of Police on *ad hoc* basis with effect from the dates shown against their names :—

## Name &amp; Date of promotion

## Sh/Shri

1. S. K. Ghosh—21-9-78 (FN)
2. D. K. Papriwal—21-9-78 (FN)
3. S. K. Chaudhuri—21-9-78 (FN)
4. A. K. Malhotra—22-9-78 (FN)
5. Vidya Bhushan—22-9-78 (AN).

RIPDAMAN SINGH  
Administrative Officer(A)

C.B.I.

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 20th October 1978

No. O.II-1045/76-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. V. Dalip Murty as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad hoc* basis with effect from 22-9-1978 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II.1095/78-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Malabika Goswami as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad hoc* basis with effect from 29-9-78 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 24th October 1978

No. O.II-1050/76-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. P. R. Subramanian, Junior Medical Officer (GDO, Grade-II) of Base Hospital-II CRPF Hyderabad with effect from 28/8/78 (AN).

A. K. BANDYOPADHYAY,  
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 19th October 1978

No. E-32015(3)/1/75-Pers.—On attaining the age of superannuation Shri S. S. Bhavanandam relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. Southern Zone HQrs CISF Madras with effect from the afternoon of 31st August 1978.

No. E-38013(1)/1/78-Pers.—On transfer to New Delhi Shri Markandey Singh relinquished the charge of the post of DIG (E/Zone) CISF, Calcutta, with effect from the afternoon of 21st September 1978.

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—The President is pleased to appoint Shri V. Krishnappa as Commandant CISF Unit RSP Rourkela on reemployment basis with effect from the forenoon of 28th August 1978 until further orders vice Shri N. N. Mohanty Commandant, who on transfer to Durgapur relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer Shri D. D. Tuteja assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit IOC Gujarat Refinery Baroda with effect from the forenoon of 6th September 1978.

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer from Rourkela Shri N. N. Mohanty, assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit DSP Durgapur with effect from the forenoon of 6th September, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Durgapur Shri L. N. Mohla relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant (JAO), NW/Zone, CISF, New Delhi with effect from the forenoon of 13th September, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Cochin Shri V. H. Govindaswamy assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit Madras Port Trust Madras with effect from the forenoon of 30th August 1978 vice Shri T. P. B. Nambiar Asstt. Commandant who relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from New Delhi Shri S. Samyal assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit NFL Naya Nangal w.e.f. the forenoon of 11th September 78 vice Shri S. K. Jaiman who on transfer to DSP Durgapur relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Delhi Shri N. Ram Dass assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Trg. Reserve Contingent MPF Madras with effect from the forenoon of 6th September 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from New Delhi Shri J. D. Sharma assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Trg. Reserve Contingent, at IPCL Baroda with effect from the forenoon of 2nd September, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Bhatinda Shri K. S. Minhas assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Trg. Reserve Contingent at FCI Sindri with effect from the forenoon of 4th September 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Dhanbad Shri Bhup Singh Rana relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit BIL Bhalai with effect from the afternoon of 14th September 1978.

NARENDRA PRASAD  
Asstt. Inspector-General/CISF

## MINISTRY OF LABOUR

## LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 9th November 1978

No. 23/3/78-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by five points to reach 336 (Three hundred and thirty six) during the month of September, 1978. Converted to base : 1949=100 the index for the month September, 1978 works out to 408 (four hundred and eight).

A. S. BHARADWAJ  
Joint Director

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPTT. OF E.A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 17th October 1978

No. 1113/A.—The undersigned hereby appoints Shri B. S. More, Inspector Control, India Security Press, Nasik Road (Class III non-Gazetted), to officiate as Dy. Control Officer (Class II Gazetted) in India Security Press, Nasik Road in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the vacancy of Shri V. Srinivasan promoted as Control Officer, I.S.P., on an adhoc basis with effect from 9-10-1978 to 31-12-1978 or till the post filled on a regular basis whichever is earlier.

D. C. MUKHERJEA  
General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas-455002, the 17th October 1978

No. BNP/C/5/78.—Shri A. K. Saxena, permanent Junior Supervisor (Electrical) is promoted on regular basis to officiate as Assistant Engineer (Electrical) (Group B Gazetted) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 17-10-78 (Forenoon) until further orders.

M. V. CHAR,  
Deputy General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE A.G.C.R.

New Delhi-110002, the 24th October 1978

No. Admn.I/O.O 349/5-5/Promotion/78-79/1564.—The Accountant General, hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officer, with effect from the dates shown against them, until further orders.

*Sl. No., Name & Date of promotion*

1. Shri M. K. Mehra—29-9-78 (F.N.)
2. Shri R. C. Goel—25-9-78 (F.N.)

K. H. CHHAYA,  
Sr. Dy. Accountant General (Adm.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
JAMMU & KASHMIR, SRINAGAR

Srinagar, the 23rd October 1978

No. Admn.I/60(59)/78-79/2795-2803.—The Accountant General, Jammu and Kashmir has appointed Shri Girdhari Lal Zutshi (date of birth 28-4-1939), a permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer w.e.f. the Afternoon of 16th October, 1978, till further orders.

M. M. MUBARAKI,  
Sr. Deputy Accountant General (A & E)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 20th October 1978

No. 3509/A-Admn/130/75-78.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint the undermentioned substantive members of the SAS to officiate as Audit Officer, until further orders, in the office and from the dates shown against each:—

S. No.	Name	Office in which appointed	Date
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	K. Krishnan	Senior Deputy Director of Audit, Defence Services, C/C Meerut.	21-7-78 (FN)

1	2	3	4
2.	G.N. Parthasarathi	Senior Deputy Director of Audit, Defence Services, S/C Poona.	5-8-78 (FN)
3.	P.R. Seshadri Iyengar	Senior Deputy Chief Auditor (Ord. Fys) Jabalpur.	25-9-78 (FN)

K.B. DAS BHOWMIK,  
Sr. Dy. Director of Audit,  
Defence Services

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 18th October 1978

No. 51/G/78.—The President is pleased to accept the resignation of Shri R. C. Sharma, Permt. Deputy Manager w.e.f. 2-7-1974 (F/N).

No. 52/G/78.—Shri R. Sinha, Offg. Assistant Manager voluntarily retired from service w.e.f. 31-10-1976 (A/N).

No. 53/G/78.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. K. Chakravarty, Offg. Assistant Manager retired from service w.e.f. 30-11-1976 (A/N).

No. 54/G/78.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri R. N. Saxena, Offg. Assistant Manager retired from service w.e.f. 31-10-1977 (A/N).

No. 55/G/78.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. K. Chand, Offg. Manager retired from service w.e.f. 31-10-77 (A/N).

No. 56/G/78.—On attaining the age of superannuation Shri S. M. Razdan, Permt. Deputy General Manager retired from service w.e.f. 31-12-1977 (A/N).

No. 57/G/78.—On expiry of extension of service for one year beyond 58 years, Shri M. L. Dhir, Permt. Deputy General Manager retired from service w.e.f. 31-1-1978 (A/N).

No. 58/G/78.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri A. I. Joseph, Offg. Assistant Manager retired from service on 31-1-1978 (A/N).

No. 59/G/78.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri B. N. Basu, Offg. General Manager retired from service w.e.f. 30-4-1978 (A/N).

No. 60/G/78.—On expiry of extension of service for two years beyond 58 years, Shri B. Lodh, Offg. Assistant Manager retired from service w.e.f. 31-5-1978 (A/N).

No. 61/G/78.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri S. N. Kaul, Offg. Deputy Manager retired from service w.e.f. 31-5-1978 (A/N).

No. 62/G/78.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri K. N. Bahuguna, Offg. Manager retired from service w.e.f. 30-6-1978 (A/N).

No. 63/G/78.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri Rajinder Singh, Offg. Manager retired from Manager retired from service w.e.f. 30-6-1978 (A/N).

No. 64/G/78.—On expiry of extension of service for one year beyond 58 years, Shri Prem Singh, Offg. Assistant Manager retired w.e.f. 31-7-1978 (A/N).

No. 65/G/78.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri D. P. Ghosh, Offg. Assistant Manager retired from service w.e.f. 31-7-1978 (A/N).

No. 66/G/78.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. L. Bajaj, Offg. Addl. DGOF retired from service w.e.f. 31-8-1978 (A/N).



The 21st October 1978

No. 48/78/G.—The President is pleased to confirm the following Officer in the grade of ADGOF Gr. I/GM Gr. I with effect from the date shown :

Shri L. C. Kotwal, Offg. ADG/Gr. I/GM Gr. I (Retd). 1st June 1975.

V. K. MEHTA,  
ADG/Est.

FOR Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 18th October 1978

No. 49/78/G.—Shri T. Prabhakaran, Offg. Assistant Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired voluntarily from service w.e.f. 2nd May, 1978 (A/N).

No. 50/78/G.—Shri M. B. Banerjee, Offg. Assistant Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service w.e.f. 31-5-1978 (A/N), on attaining the age of 58 years.

No. 67/78/G.—Shri O. P. Singhal, Subst. & Permt. Technical Staff Officer Compulsorily retired from service with effect from 21st August, 1978 (AN).

The 20th October 1978

No. 68/78/G.—The President is pleased to appoint Shri V. P. S. SORAYAN as Temporary Dy. Manager with effect from 20th January, 1978 to 30th April, 1978.

V. K. MEHTA,  
Assistant Director General, Ordnance Factories

## MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 13th October 1978

No. A-19018/352/78-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri P. Achutha Rao as Assistant Industrial Designer Director in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 18th September, 1978, until further orders.

2. Consequent upon his appointment, Shri P. Achutha Rao assumed charge as Assistant Industrial Designer in the Small Industries Service Institute, Madras with effect from the forenoon of 18th September, 1978.

The 17th October 1978

No. A-19018(361)/78-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri K. L. Sachar, Junior Accounts Officer, Pay and Accounts Office, Ministry of Works and Housing, New Delhi as Accounts Officer in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, on deputation basis for a period of one year with effect from the forenoon of 30th September, 1978.

M. P. GUPTA,  
Dy. Director (Admn.)

## OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 18th October 1978

No. Jute(A)/187(1)/71.—Jute Commissioner, Calcutta hereby appoints Shri D. K. Dutta, as Assistant Director (Jute Technology) Group 'B' in the Office of the Jute Commissioner, Calcutta in a substantive capacity with effect from 18th July, 1976 vice Shri P. C. Gupta, permanently absorbed in the Jute Corporation of India Ltd., Calcutta.

T. S. CHAKRABARTI,  
Executive Officer

DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 20th October 1978

No. A6/247(378)/62-I.—Shri M. R. Guha permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Bombay retired from service w.e.f. 30-9-78 (AN) on attaining the age of superannuation.

SURYA PRAKASH,  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 17th October 1978

No. A6/247(523).—Shri H. C. Verma, permanent Asstt. Inspecting Officer (Engg.) and officiating Assistant Director of Inspection (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group A) in the Hdqrs. office of the Dte. General of Supplies and Disposals New Delhi, retired from service on 30-9-78 (AN) on attaining the age of superannuation.

The 20th October 1978

No. A-6/247(399)/62-III.—The President has been pleased to appoint Shri S. C. Dutt, AIO (Met.) to officiate on purely temporary ad-hoc basis as Asstt. Director of Inspection (Met.) in the Metallurgical Branch of Grade III of IIS (Class I) w.e.f. the afternoon of the 8th August, 1978.

Shri Dutt relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Met.) in the Burpur Inspectorate on 31-7-78 (A.N.) and assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection (Met.) in the office of the Director of Inspection (Met.) Tatanagar on the afternoon of the 8th August 1978.

This supersedes Notification No. A6/247(399)/62-III dated 13-9-1978.

SURYA PRAKASH,  
Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA  
(KHAN VIBHAG)

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 7th October 1978

No. 2181(DNT)/19B/6806B.—Consequent on permanent absorption of Dr. D. N. Tewari in the Hindustan Copper Limited with effect from 10-12-1972 the lien held by him in the permanent post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India stands terminated from the said date.

V. S. KRISHNASWAMY,  
Director General

## INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 12th September 1978

No. A.19011(27)/70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri U. N. Sarkar, Regional Mining Geologist, Indian Bureau of Mines as Superintending Mining Geologist in this department on adhoc basis with effect from the forenoon of 3rd August, '78, until further orders.

The 17th October 1978

No. A-19011(110)/75.Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Phadnaik, Asstt. Mineral Economist (Int.) Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Mineral Economist (Int.) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20-9-1978.

No. A-19011(173)/7.Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri T. L. Markam, Asstt. Mineral Economist (Int.) Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Mineral Economist (Int.) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20-9-1978.

No. A-19011(110)/75.Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri A. P. Deuskar, Asstt. Mineral Economist (Int.)

Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Mineral Economist (Int.) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 19-9-1978.

No. A-19011(164)/75Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri M.A. Patil, Asstt. Mineral Economist (Int.) Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Mineral Economist (Int.) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20-9-1978.

No. A-19011(103)/76Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri P. W. Mankar, Asstt. Mineral Economist (Int.) Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Mineral Economist (Int.) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20-9-1978.

No. A-19011(248)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. Chandramouli, Senior Technical Assistant (Int.), Indian Bureau of Mines to the post of Assistant Mineral Economist (Int.) in an officiating capacity with effect from the afternoon of 26th September, 1978.

The 19th October 1978

No. A-19011(60)/70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri G. M. Rao, Deputy Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines to the post of Superintending Officer Ore Dressing in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 13th September, 1978.

The 21st October 1978

No. A-19011(131)/72-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. M. Joshi, Asstt. Mineral Economist (Int.) Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Mineral Economist (Int.) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3-10-1978.

S. BALAGOPAL,  
Head of Office

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th October 1978

No. 28-1/70-Admn.I-(Part-II).—On attaining the age of superannuation, Shri B. S. Krishnamurthy, Assistant Director, Plague Surveillance unit, National Institute of Communicable Diseases, Bangalore relinquished the charge of his duties on the afternoon of 31st July, 1978.

No. 16-15/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri V. P. Srivastava to the post of Research Officer, Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services in a temporary capacity with effect from the forenoon of 16th August, 1978 until further orders.

No. A.19015/2/78(CSS)Admn.I.—On attaining the age of Superannuation Shri R. K. Suri, Section Officer, Directorate General of Health Services retired from Govt. service on the afternoon of 30th September, 1978.

The 21st October 1978

No. A.19015/4/77-Admn.I.—On attaining the age of Superannuation Shri H. S. Mathur, Section Officer, Dte. G.H.S. retired from Govt. service on the afternoon of 31st August, 1978.

The 24th October 1978

No. A.12026/13/77(SJH)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Indu Sehgal, Dietician, Safdarjang Hospital, New Delhi, to the post of Senior Dietician in the same Hospital, with effect from the forenoon of the 1st April, 1978, on temporary basis and until further orders.

No. A.12026/26/77-Admn.I.—Consequent on the acceptance of her resignation, Smt. Deepak Virmani relinquished charge of the post of Lecturer in Chemistry at Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi on the afternoon of 25th July, 1978.

No. A.12025/3/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Bikram Chand to the post of Research Officer

(Chemistry) at the National Malaria Eradication Programme, Delhi with effect from the forenoon of 18th September, 1978 on a temporary basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA,  
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 19th September 1978

No. A-12026/31/78-CGHS.I.—On deputation from the Office of the Chief Auditor, Post & Telegraphs, Delhi, Shri A. K. Sen Gupta working as Audit Officer in Post & Telegraphs Audit Office Patna, is appointed to the post of Administrative Officer in the Central Govt. Health Scheme, Calcutta with effect from forenoon of the 16th August, 1978.

The 23rd October 1978

No. 9-58/75-CGHS-I.—On transfer from Central Govt. Health Scheme, Hyderabad, Dr. S. R. Trivedi, Ayurvedic Physician relinquished charge of his post at Hyderabad on the afternoon of the 22nd July, 1978 and assumed charge of the post of Ayurvedic Physician in CGHS., Jaipur with effect from the forenoon of 4th August, 1978.

N. S. BHATIA  
Deputy Director Admn. (CGHS)

#### KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA

(KRISHI VIBHAG)  
VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 18th October 1978

No. F.2-10/78-Estt.(I).—The adhoc appointments of S/Shri S. L. Dhir and G. D. Gulati in the posts of Superintendents (Grade I) are further continued beyond 16th October 1978 and upto 28th February 1979.

DARSHAN SINGH, Dir. of Admn.

#### (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad-121001, the 20th October 1978

No. A-31014/2/78-A.I.—The following officers are hereby appointed substantively to the permanent posts of Assistant Marketing Officer (Group II) in the Directorate of Marketing and Inspection with effect from the 1st January, 1967 :—

1. Shri N. R. Mukhopadhyaya
2. Shri G. S. Kashiva
3. Shri S. K. Hajela

J. S. UPPAL  
Agricultural Marketing Adviser

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 13th October 1978

No. DPS/41(2)/77-Adm./26153.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated May 8, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Storekeepers in the Central Stores Unit, Trimbay to officiate as Assistant Stores Officers on an adhoc basis for a further period ending November 30, 1978 (AN) :—

1. Shri Mihir Chandra Roy
2. Shri Muliapurath Raju
3. Shri Vasant Yashwant Gokhale

The 19th October 1978

No. DPS/2/1(25)/77-Adm./27003.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated May 5, 1978, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Nelluvai Harihara Iyer Krishnan, Accountant, of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer on an ad hoc basis, in the same Directorate

for a further period ending October 31, 1978 or until further orders whichever is earlier.

B. G. KULKARNI  
Assistant Personnel Officer

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 9th October 1978

Ref. No. PAR/0705/2122.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri T. Lakshminarasaih Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad for the period from 14-8-1978, until further orders.

Ref. No. PAR/0705/2123.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri J. Suryanarayana Rao, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for the period from 26-12-1977 to 30-9-1978 AN.

The 13th October 1978

Ref. No. PAR/0705/2125.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri D. W. Deshmukh, a pmt. Assistant Security Officer, to officiate as Security Officer in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for the period from 6-10-1978 A.N. until further orders.

U. VASUDEVA RAO,  
Administrative Officer

#### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 19th October 1978

No. AMD-1/24/76-Adm.—In supersession of this office Notification of even number dated 12-9-1978, the Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. C. Sud, Permanent Assistant and Officiating Assistant Accounts Officer (ad-hoc) of the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 19-8-1978 until further orders.

S. RANGANATHAN  
Sr. Administrative & Accounts Officer

#### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 10th October 1978

No. HWP/Estt/P-20/4561.—Officer-on-Special Duty Heavy Water Projects, appoints Shri Ghansyam Chhaganbhai Patel, a temporary Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same project wef July 18, 1978 (FN) to August 31, 1978 (AN) vice Shri S. C. Thakur, APO, deputed for training.

No. HWP/Estt/B-15/4562.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Govindlal Amritlal Bhavsar, a temporary Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant in Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Assistant Accounts Officer in the same project wef June 1, 1978 (FN) to July 4, 1978 (AN) vice Shri D. P. Mathur, Assistant Accounts Officer, granted leave.

The 20th September 1978

No. HWP/Estt/1/C-46/4712.—Officer-on-Special Duty Heavy Water Projects, appoints Shri Dibakar Chattopadhyay, a permanent Auditor and officiating Section Officer in the office of the Accountant General, Orissa, Bhubaneswar who is on deputation to Heavy Water Project (Talcher) as Assistant Accounts Officer to officiate as Accounts Officer in the same project, in a temporary capacity, on ad hoc basis, from May 26, 1978 (FN) to July 1, 1978 (AN) vice Shri B. B. Walvekar, Accounts Officer, granted leave.

No. HWP/Estt/1/T-19/4738.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Kochuthundvil Thomas Thomas, a permanent Lower Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk

in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office in a temporary capacity, on adhoc basis, from July 12, 1978 (FN) to August 30, 1978 (AN) vice Shri Y. P. Gharpure, Assistant Personnel Officer, granted leave.

K. SANKARANARAYANAN  
Senior Administrative Officer

#### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP (Thana-401504), the

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—Shri Y. R. Velankar who has been officiating as Asstt. Accounts Officer on ad-hoc basis in the Tarapur Atomic Power Station is reverted to the post of Asstt. Accountant in TAPS with effect from the forenoon of October 3, 1978.

Shri Velankar has relinquished the charge of Asstt. Accounts Officer on the forenoon of October 3, 1978.

A. D. DESAI  
Chief Administrative Officer

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 18th October 1978

No. A.32013/11/77-EC.—The President is pleased to appoint the following Technical Officers as Senior Technical Officer on regular basis in the Civil Aviation Department with effect from the date indicated against each and until further orders at the station indicated against each:—

S. No.	Name	Present Station of posting	Date of taking over charge	Station to which posted
1.	Shri S.K. Govilkar	A.C.S. Bombay	14-7-78 (FN)	ACS Bombay
2.	Shri K. Srinivasan	A.C.S. Madras	15-7-78 (FN)	ACS, Madras

No. A.38012/1/77-EC.—Shri F. J. Rodrigues, Communication Officer, ACS Madras relinquished charge of his office on the 30-6-78 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

No. A.38015/1/77-EC.—The following officers of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on the dates indicated against each on retirement from Government service on attaining the age of superannuation:—

S. No.	Name	Designation	Station of posting	Date of retirement
1.	Shri K.V. Upadhya	Technical Officer	A.C.S. Madras	30-6-78 (AN)
2.	Shri R.P. Mohindra	Technical Officer	Director RC&DUs New Delhi.	31-7-78 (AN)
3.	Shri B.N. Godbole	Technical Officer	Regional Office, Madras Airport Madras	31-7-78 (AN)

No. A.32013/3/78-EC.—The President is pleased to appoint on transfer the following two Senior Technical Officers to the grade of Asstt. Director of Communication on ad-hoc basis for

a period of six months with effect from the date indicated against each and to post them to D.G.C.A. Headquarters:—

S. No.	Name	Designation & Station from where transferred	Date of taking over charge
1.	Shri K. Ramalingam	Senior Tech. Officer, ACS, Calcutta.	23-6-78 (FN)
2.	Shri R.S. Ajmani	Senior Tech. Officer, ACS, Bombay.	11-8-78 (FN)

S.D. SHARMA,  
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 20th October 1978

No. A.32014/1/78-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Assistant Aerodrome Officers for a period of six months with effect from the date mentioned against each, or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier:—

S. No.	Name	Date	Station
1.	Shri Gopal Singh	10-10-78	Amritsar
2.	Shri M. Gopal	14-10-78	Bangalore
3.	Shri G.G. Page	10-10-78	Santacruz
4.	Shri Y.L. Soni	10-10-78	Dum Dum
5.	Shri M.M. Bhardwaj	11-10-78	Varanasi
6.	Shri K.C. Biswas	10-10-78	Dum Dum
7.	Shri V.V. Divekar	10-10-78	Ahmedabad
8.	Shri S. Manian	14-10-78	Tiruchirappalli
9.	Shri S.L. Biswas	10-10-78	Dum Dum

V.V. JOHRI,  
Asstt. Director of Administration

#### VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALYA

Dehra Dun, the 20th October 1978

No. 16/305/78-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Rajpal Singh, as Research Officer at the Environmental Research Station, Kurseong, Distt. Darjeeling (West Bengal), under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 16-10-78 in a temporary capacity until further orders.

No. 16/307/78-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Prafulla Soni, as Research Officer at the Environmental Research Station, Simla under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 18th October, 78 in a temporary capacity until further orders.

GURDIAL MOHAN  
Kul Sachiv,

Vana Anusandhan Sansthan Eyam Mahavidyalaya

#### OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Patna, the 23rd September 1978

No. II(7)2-ET/78/0231.—In pursuance of this office Establishment Order No. 169/78 dated 17-6-78, as modified under Establishment Order No. 219/78 dated 28-7-78 the following Inspectors on promotion to officiate as Superintendent, Central Excise/Customs Group "B" have assumed charge as Superintendent Central Excise/Customs in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances

as admissible under rules, at the places and with effect from the dates as indicated against each:—

Name	Place of posting	Date of assumption of charge
1. Shri M. N. Roy	Customs Araria	3-8-78 (F.N.)
2. Sri Mrinal Kumar Sinha	C. Ex. Range Darbhanga	29-6-78 (F.N.)
3. Sri Dewalia Rajak	C. Ex. Range, Mahnar	21-7-78 (F.N.)
4. Sri Phani Bhusan Sahit	C. Ex. Range, Chakardharpur	8-8-78 (F.N.)
5. Sri K. D. Dhuvé	Customs, Muzaffarpur	14-7-78 (A.N.)
6. Sri Sisir Kumar Bhadra	C. Ex. Indian Cable Range, Jamshedpur	5-7-78 (F.N.)
7. Sri Jai Ram Ram	Customs, Motihari	25-7-78 (F.N.)

D.K. SARKAR,  
Collector Central Excise

#### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 4th October 1978

No. 25/78.—Shri H. B. Srivastava, officiating Superintendent Central Excise Group 'B' MOR Agra relinquished the charge of Superintendent Central Excise MOR Agra in the afternoon of 31-5-78 to Shri G. P. Srivastava, Superintendent Central Excise, Agra and retired from Government service on attaining the age of superannuation in the afternoon of 31-5-78.

Kanpur, the 17th October 1978

No. 33/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/4/1978, Dated the 9-1-1978 issued under endt. C. No. II-22-Et/78/44, dated 9-1-1978, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 Shri K. N. Gautam, Supdt. Group 'B' assumed the charge of Supdt. of Central Excise, Kanpur Div. II in the forenoon of 16-1-78.

No. 27/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/149/78 dated 1-6-78 issued under endt. C. No. II-22-Et/78/27386 dated 1-6-78 in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 Shri Balak Ram, Inspector (S.G.) assumed the charge of Supdt. C.E. group 'B' MOR. Raza-Ka-Rampur in the forenoon of 4-9-78.

K. L. REKHI  
Collector

Kanpur, the 17th October 1978

No. 30/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Establishment Order No. I/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endt. C. No. II-22-Et/78/44 dated 9-1-78 in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 Shri B. S. Bhardwaj, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent Group 'B' MOR-I Jhansi in the forenoon of 17-1-1978.

No. 32/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endt. C. No. II-22-Et/78/44 dated 9-1-78 in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, Shri A. N. Mishra, Inspector (SG) assumed the charge of Supdt., Central Excise, Group 'B', MOR-IV Kaimganj in the forenoon of 17-1-78.

The 21st October 1978

No. 11/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector,

Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endt. C. No. II-22-Estt/78/44 dated 9-1-78 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200, Shri R. P. Chabra, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent MOR-Baraut in the forenoon of 21-1-1978.

No. 31/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endt. C. No. II-22-Estt/78/44 dated 9-1-78, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, Shri R. C. Gupta, Inspector (SG) issued the charge of Supdt. (Gr.) 'B' Central Excise, Kanpur Div-II in the forenoon of 16-5-78.

No. 29/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Establishment Order No. I/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endt. C. No. II-22-Et/78/44 dated 9-1-78 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, Shri Jogen-dra Singh, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent, Gr. 'B' C. Ex. MOR-IV Kaimganj in the forenoon of 30-1-1978.

No. 34/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur Estt. Order No. I/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endt. C. No. II-22-Estt/78/44 dated 9-1-78 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, Shri R. N. Lal, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent, Central Excise, Group 'B' Kanpur-Division-I in the forenoon of 4-3-78.

K. P. ANAND  
Collector

#### CENTRAL EXCISE BARODA

Baroda, the 23rd October 1978

No. 3/78.—In exercise of the powers vested in me under Rule 232-A of Central Excise Rules, 1944, I am publishing in the Table below the names and addressees and other particulars as specified under Sub-Rule (2) of Rule 232-A of persons who have been convicted by Court under Section 9 of the Act

#### TABLE

- |  |  |
|--|--|
| (1) Name and address :                     | Shri Vithalbhai Narsinghbhai Patel, Tobacco, Merchant of Sokhda, L-1 No. 64/72, Near Chora, Sokhda, Tal. Borsad, (Gujarat).  |
| (2) Provisions of Act or Rules contravened | Section 9(a) & 9(b) of Central Excise & Salt Act, 1944. Section 196. 200 of I.P.C. for removal of tobacco under the fabricated Transport documents.  |
| (3) Amount of penalty imposed              | (i) For offence under Section 9(a) sentenced till rising of Court and fine of Rs. 200/- in default R.I. for 15 days.<br>(ii) For offence under Section 9(b) sentenced till rising of Court and fine of Rs. 500/- in default R.I. for one month |

(iii) For offence under Section 196 of I.P.C., sentenced till rising of Court and fine of Rs. 150/- in default R.I. for 10 days.

(iv) For offence under Section 200 of I.P.C., sentenced till rising of Court and fine of Rs. 150/- in default R.I. for 10 days.

K.S. DILIPSINHJI,  
Collector of Central Excise, Baroda

#### DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 20th October 1978

No. 18/78.—Shri Gurbax Singh, lately posted as Asstt. Collector of Central Excise, Jaipur on transfer to the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise vide Department of Revenue Order No. 61/78 (F. No. A22012/13/78-Ad.II) dated 25-4-78, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' in the Headquarters office of the DIACCE at New Delhi on 3-10-78 (Forenoon).

M. V. N. RAO  
Director of Inspection

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 20th October 1978

No. A-12017/5/76-Adm.V.—In continuation of notification No. A-12017/5/76-Adm.V dated the 10th July, 1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the *ad-hoc* appointment of Shri B. K. Goswami to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Gauhati Gauging Division, Gauhati, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary basis for a further period from 1-10-1978 to 30-10-1978 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

No. A-12017/5/76-Adm.V.—In continuation of notification No. A-12017/5/76-Adm.V dated the 10th July, 1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the *ad-hoc* appointment of Shri S. A. Shah to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Coimbatore Gauging Division, Coimbatore, Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary basis for a further period from 1-10-1978 to 30-10-1978 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

J. K. SHAH  
Under Secretary  
Central Water Commission

#### NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 16th October 1978

No. 31.—The following Officers of this Railway have finally retired from the Railway Services with effect from the dates indicated against each :—

- Shri Shyam Singh, Sr. DSTE/ALD.—30-9-77.  
Shri J. P. Mudlair, SSTE/Const. Delhi.—31-12-76.  
Shri K. G. Anand, SSTE/Tele.—31-7-77.  
Shri G. S. Bawa SSTE/ACSR/LKO.—31-8-77.  
Shri E. M. Roberts SSTE/Axle Counter/ NDLS.—31-3-77.  
Shri S. K. Chaudhury ASTE/ACSR/LKO.—31-12-77.

R. SRINIVASAN  
General Manager

#### MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION DEPARTMENT OF SUPPLY

Calcutta-27, the 7th October 1978

No. G-65/B (CON).—Shri Sujit Das, Scientific Assistant (Physical) since redesignated as Scientific Assistant (Electrical), National Test House, Calcutta who was promoted to officiate as Scientific Officer (Physical) since redesignated as Scientific Officer (Electrical) in the same office w.e.f. 18-5-1972 on an ad hoc basis vide National Test House, Calcutta Notification No. G-65/B(CON) dated 26-5-1972 has been reverted

to the post of Scientific Assistant (Electrical) in the National Test House, Calcutta w.e.f. the afternoon 23-3-78.

A. K. MAJUMDAR  
Dy. Director (Admn.)  
for Director, National Test House

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD  
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Kazura Company Private Limited*

Madras-600 006, the 16th October 1978

No. 1130/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Kazura Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN  
Asst. Registrar of Companies  
Tamil Nadu

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Himachal Poultries Private Limited*

Jullundur, the 18th October 1978

No. G/Stat/560/2904/7105.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Himachal Poultries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Rewa Private Limited*

Jullundur, the 18th October 1978

No. G/Stat/560/3201/7109.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rewa Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Dentozone Cosmetics Private Limited*

Jullundur, the 18th October 1978

No. G/Stat/560/3280/7112.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Dentozone Cosmetics Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Omna Finance & Chit Fund Private Limited*

Jullundur, the 18th October 1978

No. G/Stat/560/2976/7114.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Omna Finance & Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL,  
Registrar of Companies,  
Punjab, H.P. & Chandigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Navanagar Transport and Industries Ltd.*

Ahmedabad, the 20th October 1978

No. 797/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Navanagar Transport and Industries Ltd.

unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Kumud Benefit Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 20th October 1978

No. 1909/560/C.P.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kumud Benefit Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Township Private Ltd.*

Ahmedabad, the 20th October 1978

No. 2644/C.P.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Township Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Sant Road Ceramics Pvt. Ltd.*

No. 2683/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Sant Road Ceramics Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Lokbharti Prakashan Ltd.*

Ahmedabad, the 20th October 1978

No. 921/560/C.P.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Lokbharati Prakashan Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA,  
Registrar of Companies,  
Gujarat.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Bokaro Gear Industries Private Limited*

Patna, the 21st October 1978

No. (1215)560/77-78/4455.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Bokaro Gear Industries Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Electricity & Sound Private Limited*

Patna, the 21st October 1978

No. (465)560/78-79/1/4452.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Electricity & Sound Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. BANERJEE  
Registrar of Companies, Bihar

*Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956  
in the matter of M/s. Alankar Housing & Construction  
Private Limited*

New Delhi, the 23rd October 1978

No. Co. Iqn./4349/18641.—By an order dated the 9-5-78 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s. Alankar Housing &

Construction Private Limited has been ordered to be wound up.

P. S. MATHUR,  
Asstt. Registrar of Companies,  
Delhi & Haryana.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 20th October 1978

INCOME-TAX

No. JUR-DLI/II/78-79/24859.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Range, shall be created with effect from 20-10-1978.

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Delhi Range-II-F, New Delhi

A. C. JAIN  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi-II, New Delhi.

New Delhi, the 20th October 1978

No. JUR-DLI/I/78-79/25984.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Range shall be created with effect from 20-10-1978.

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Delhi Range-I-E, New Delhi.

K. N. BUTANI  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi-I, New Delhi.

New Delhi, the 20th October 1978

No. JUR-DLI/IV/78-79/26110.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Range shall be created with effect from 20-10-1978.

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Delhi Range-III-E, New Delhi.

RANBIR CHANDRA  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi-IV, New Delhi

New Delhi, the 21st October 1978

No. JUR-DLI/V/78-79/26238.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Range shall be created with effect from 21-10-1978.

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Delhi Range-V-E, New Delhi.

K. R. RAGHAVAN  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi-V, New Delhi

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II

New Delhi-110001, the 7th October 1978

No. IAC.Acq.II/3631/78-79.—Whereas I, KANWARJIT SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. B-55 situated at Moti Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in February 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Jagwasaya Khanna s/o Shri Asa Nand Khanna r/o 17/288 Sadar Bhatti, Agra (U.P.).

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Kumar Khanna s/o Shri Om Parkash Khanna, r/o B-55 Moti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Lease hold plot bearing No. B-55 area 200 sq. yds., Moti Nagar, New Delhi is situated at under :—

East : Open land.

West : House No. B-54.

North : Park.

South : House No. B-56.

KANWARJIT SINGH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date : 7-10-1978

Seal :



**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

New Delhi-110001, the 7th October 1978

No. IAC.Acq.II/78-79/3633.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 7351/14 situated at Gali Telian, Kasabpura, Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in February 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vijay Kumar s/o Late Shri Ganga Bishan  
r/o 4576 Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Chander and Raghbir Singh s/o Shri Nathu Ram r/o 7351 Ward No. 14, Gali Telian Kasabpura, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Ram Dev, Sham Lal, Harbans and Shri Ramji Lal.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House bearing No. 7351 Ward No. 14 area 120 sq. yds. Gali Telian Kasabpura, Sadar aazar, Delhi is situated as under :—

East : House No. 7347.

West : House No. 7350.

North : Lane

South : Other's houses.

KANWARJIT SINGH

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date : 7-10-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II

New Delhi-110001, the 7th October 1978

Ref. No. IAC.Acq.II/3624/78-79.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-10 situated at Mansarover Garden, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 17-2-78, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Murti Devi w/o Sh. Champa Singh Tyagi, r/o 5291 Bharat Nagar Shora Kothi, Paharganj, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Satish Tyagi and Harish Tyagi sons of Shri Shiv Charan Tyagi r/o House No. WZ/505, Tyagi Niwas, Basai Darapur, Delhi State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 10 Block E area 434 sq. yds. Mansarover Garden, Vill. Basaidarapur, within the limit of Municipal Corp. of Delhi is situated as under:—

East : Plot No. E-11.  
West : Plot No. E-9.  
North : Road  
South : Lane.

KANWARJIT SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date : 7-10-1978  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sukh Dev Raj s/o Shri Niranjan Dass r/o 190  
Jor Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Khurshid Ahmed and Mubin Ahmed s/o Shri  
Hafiz Mushtak Ahmed, r/o 912 Sheesh Mahal, Azad  
Market, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 7th October 1978

Ref. No. IAC. Acq.R.II/78-79.—Whereas I, KANWARJIT  
SINGHbeing the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingHouse No. 920/13 situated at Shish Mahal, Bahādurgarh  
Road, Azad Market, Delhi,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer atDelhi on February 1978,  
for an apparentconsideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One two storey house bearing No. 920 (New) Ward No. 13  
area 105 sq. yds. Sheesh Mahal Bahādurgarh Road, Azad  
Market, Delhi is situated as under :—

East : House No. 13/921.  
West : House No. 13/919.  
North : Lane  
South : House No. 13/947.

KANWARJIT SINGH  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date : 7-10-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 7th October 1978

Ref. No. IAC. Acq.II/3620/78-79.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 2789 and 2790 situated at Lothian Road Kashmiri Gate, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Feb. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri A. P. Sehgal s/o Shri Rai Bahadur Madho Parshad r/o M-42, Greater Kailash, New Delhi.  
(Transferor)

(2) M/s P. S. Jain Co. Ltd., 7-A, Rajpur Road, Delhi through the Manager Shri Jain Dass Jain r/o 46-A Suman Bazar, Bhogal, Jangpura, New Delhi.  
(Transferee)

(3) The Punjab National Bank.  
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 2789 and 2790 area 900 sq. yds. situated at Lothian Road, Kashmiri Gate, Delhi as under:—

East : Lothian Road.  
West : Guru Nanank Auto Market.  
North : Polytechnic College.  
South : Sehgal Motor Market.

KANWARJIT SINGH  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date : 7-10-1978  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Srigopal Kabra s/o Ram Gopal, Kabra, r/o Hanumanganj, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Mohammed Shareef and Mohd. Sageer both sons of Shri Mohammed Nasser Sahib, r/o Chiklod road, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 3rd October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1149/78-79. —Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 14-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—326GI/78

## THE SCHEDULE

Plot No. 19, situated at Jehangirabad Jinsee Road, behind Gulabchand Suvalal Oil Mills, Wd. No. 26, Bhopal, measuring 687.482 Sq. m.

D. C. GOEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-10-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shrimati Kaushlaya Devi W/o Shri B. B. Joshi,  
Kuchā Uppalan, Guru Bazar, Amritsar.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) S/Shri Ravinder Kumar and Rajinder Kumar Sons  
of Vasdev Shashtri Market, Asr.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 12th October 1978

Ref. No. ASR/78-79.—Whereas, I N. P. SAHNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at 1326/12, 13, Joshi Colony, Asr., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asr City in February 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land Khasra No. 1326/12, 13 Joshi Colony, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3877 of February 1978 of Registering Authority Amritsar City.

N. P. SAHNI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-10-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE

Bhatinda, the 12th October 1978

Ref. No. A.P. 397/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Ferozepur City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur in February 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rattan Lal s/o Shri Kishan Chand, Ferozepur.  
(Transferor)
- (2) Shri Darshan Lal s/o Shri Chuni Lal, Gali Gurdas Mal Bhalla, Inside Delhi Gate, Ferozepur City.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A property situated in Gali Gurdas Mal Bhalla, Inside Delhi Gate, Ferozepur City as mentioned in sale deed No. 4940 of February 1978 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 12-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE

Bhatinda, the 12th October 1978

Ref. No. A.P. 398/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Ferozepur Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ferozepur in February 1978,

for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tika Hari Singh and Kanwar Naresh Singh ss/o Guru Atamjit Singh, Ferozepur Cantt.  
(Transferor)
- (2) Smt. Raj Kumari Gupta w/o Shri Balkishan Gupta and Smt. Nalni Gupta w/o Shri Raj Kumar Gupta, Kothi No. 121, Church Road, Ferozepur Cantt.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A portion of the property bearing No. 121, Church Road, Ferozepur Cantt. as mentioned in sale deed No. 5006 of February 1978 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 12-10-1978  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Bhatinda, the 12th October 1978

Ref. No. A.P. 399/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Ferozepur Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur in February 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sodhi Karansher Singh s/o Shri Atamjit Singh, Guru Har Sahai (Ferozepur).  
(Transferor)
- (2) Smt. Raj Kumari Gupta and Smt. Nalni Gupta Kothi No. 121, Church Road, Ferozepur Cantt.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A portion of the property bearing No. 121, Church Road, Ferozepur Cantt. as mentioned in sale deed No. 5059 of February 1978 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 12-10-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Bhatinda, the 12th October 1978

Ref. No. A.P. 400/MKT/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Beriwal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muktsar in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1961 (43 of 1961 and of all other powers enabling him aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) S/Shri Bhagwan Singh s/o Shri Karam Singh and  
(2) Charanjit Singh s/o Shri Bhagwan Singh, R/o  
Mohalla Surgapuri, Kot Kapura.

(Transferor)

(2) S/Shri Talok Singh, Karnail Singh, Harbir Singh  
ss/o Shri Sobha Singh and (2) Shri Gulab Singh  
S/o Karam Singh, Cloth Merchants, Beriwal.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Five shops outside main grain market at Bariwala as mentioned in sale deed No. 2274 of March 1978 registered with the S.R. Muktsar.

P. N. MALIK  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 12-10-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE BHATINDA

Bhatinda, the 12th October 1978

Ref. No. AP-401/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jugal Kishore Handa s/o Shri Genda Mal Handa, G.T. Road, Phagwara.  
(Transferor)
- (2) Shri Ram Saroop s/o Shri Siri Ram Aggarwal, Smt. Shanti Devi w/o Shri Ram Saroop c/o Ram Saroop Aggarwal, Karyana Merchant, Loha Mandi Road, Phagwara.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A shop bearing No. XXXII/101 on Mandi Road, Phagwara as mentioned in sale deed No. 2015 of March 1978 registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 12-10-1978  
Seal :

FORM ITNS— —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 20th October 1978

Ref. No. III-227/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 255, Plot No. 15, Ranchi situated at Siram, P.S. Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 6-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Hariyodh Singh, S/o Sri Jagjit Singh, Station Road, Ranchi.

(Transferor)

- (2) Smt. Hardeep Kaur, W/o S. Tehal Singh Grewal, 1 Club Road, Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 19 Kathas situated at Siram, P.S. Ranchi, P.S. 210, Khata No. 255, Plot No. 15 described in deed No. 1091 dated 6-2-1978 registered with the District Sub Registrar, Ranchi.

M. N. TIWARY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar,  
Patna

Date : 20-10-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 20th October 1978

Ref. No. III-278/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Thana No. 142, Touzi No. 2302

situated at Marhowra Khurd, Pargana Goa, P.S. Marhowra, Dt. Saran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saran on 21-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—  
17—326GI/78

- (1) Shri Surendra Pd. Sah.  
(2) Kishun Pd. Sah Sons of Sri Rampujan Pd. Sah & Smt. Rukhmani Devi, W/o Sri Rampujan Pd. Sah, At Hasanpura, P.S. Marhowra, Dt. Saran.  
(Transferor)

- (2) Shri Bali Ram Prasad, S/o  
Sri Chattu Prasad Yadav,  
At, Hasanpura, P.S. Marhowra, Dt. Saran.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha 9 Katha 9 Dhur, 12 Dhurki with structures thereon situated in Marhowra town in the district of Saran bearing Tauzi No. 2302, Thana No. 142 more fully described in sale deed No. 2494 dt. 21-2-1978 registered with District Sub-Registrar, Saran.

M. N. TIWARY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna  
Bihar

Date : 21-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Abuhaker  
2. Umer  
Poovathuparambil Kalathil Kalathil,  
Perinthalmanna.

(Transferrer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Muhamad alias Bapu,  
Mubrayil, Elankulam.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Ernakulam, the 8th August 1978

Ref. No. L.C. 225/78-79.—Whereas I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule, situated at Perinthalmanna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perinthalmanna on 6-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

18 cents of land with buildings in Sy. Nos. 71/2, 43/3B of Perinthalmanna village.

P. O. GEORGE  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 8-8-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri V. K. Simon.

(Transferor)

(2) Abdulkader &amp; 2 others.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Ernakulam, the 11th September 1978

Ref. No. L.C. 237/78-79.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule, situated at Mannarkkad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mannarkkad on 28-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

As per schedule to document No. 715/78 of SRO Mannarkkad.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-9-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Madan Mohan Ghosh, Ulubari, Gauhati.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Debi Lal Gupta,  
Ulubari, Gauhati.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG

Shillong, the 7th October 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. A-191/Gan/78-79/2455-57.—Whereas 1, S. MAJUMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 1335 K.P. Patta No. 113 situated at Village Jafrige, Muza Beltela Gauhati Dt. Kamrup (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 15-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 1(one) Bigha, 2 (two) Katta, 8(eight) Lecha situated at village Jafrige, mouza Beltela, Gauhati in the District of Kamrup (Assam).

S. MAJUMDAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-10-1978

Seal :



FORM ITNS—

(1) Shri Dugdha Ch. Goswami Teek.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kiron Bora W/o Sri Damboru Bora,  
Jorhat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG

Shillong, the 7th October 1978

Ref. No. A-194/JRT/78-79/2468-69.—Whereas I, S. MAJUMDAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 778, P.P. No. 159, situated at Darangi Chuk, Jorhat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jorhat on 7-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 Katha situated at Darangi Chuk along with an Assam type building of Jorhat town in the district of Sibsagar, Assam.

S. MAJUMDAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong

Date : 6-10-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG

Shillong, the 7th October 1978

Ref. No. A-195/Jrt/78-79/2472-73.—Whereas I, S. MAJUMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 4534, P.P. No. 12, situated at Junction of Sarali and Mitha Poldriri Road, Jorhat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jorhat on February 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Askaran Jalan & others, Jorhat. (Transferor)  
(2) Mahadev Memorial Cheritable Trust, Jorhat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1152 Sq. Ft. along with an Meena type godown situated at Jorhat in the district of Sibsagar, assam.

S. MAJUMDAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong

Date : 6-10-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG

Shillong, the 7th October 1978

Ref. No. A-196/Shi/78-79/2476-77.—Whereas I, S. MAJUMDAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Patta No. 42 and Plot No. 3  
situated at C. S. Road, Shillong

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shillong on 18-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri James Kharkungar Alias Jimmy Kharkungar, Malki, Police Point Shillong.

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Kumar Gupta S/o J. P. Gupta, c/o Messrs Gupta Stores, Laitumkhrah, Shillong.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2368 Sq. Ft. of Patta No. 45 and Plot No. 3 dated 17-1-1977 issued by the Deputy Commissioner, Khasi Hills, Shillong situated at G.S. Road, Shillong.

S. MAJUMDAR

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong

Date : 6-10-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

(57-RAMTIRTH MARG)

Lucknow, the 3rd October 1978

Ref. No. J-47/Acq.—Whereas I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-21/89 & C-21/89A—1/15th share of Prakash Talkies Lahurabir, situated at Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 17-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Neelam Bhasin. (Transferor)
- (2) Smt. Jayanti Bhasin. (Transferee)
- (3) M/s. Prakash Talkies,  
Distributors M/s. Wazir Singh & Suraj Prakash.  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/15th share of Prakash Talkies, Lahurabir, Varanasi Premises No. C-21/89 & C-21/89A situate at Varanasi and all that description of the property mentioned in Form 37G No. 173 dated 17-3-1978 and sale deed duly registered at the office of the Registrar/sub Registrar Delhi.

A. S. BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 3-10-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
57-RAMTIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 4th October 1978

Ref. No. S-171/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. portion of 5, Lowther Road, situated at Allahabad measuring 556 Sqm. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 23-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—326 GI/78

- (1) Shri Shankar Jha. (Transferor)
- (2) Shri Shyama Charan Gupta, (Transferee)
- (3) Vendor.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of 5, Lowther Road, Allahabad measuring 556 Sqm. and all that description of property which is mentioned in Form 37G No. 1769 and sale deed duly registered at the office of Sub Registrar, Allahabad.

A. S. BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 4-10-1978  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th October 1978

Ref. No. 81-B/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

lkd No. 267, 268, 269 (now nos 96, 97 & 98 respectively), situated at Mauza Pipalsana, Pargana & Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 24-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Umesh Kumar and others.  
(Transferor)
- (2) M/s Bansal Khandsari Udyog,  
through Smt. Ginnidevi (partner) & others.  
(Transferee)
- (3) Shri Umesh Kumar & others.  
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immovable property No. 267, 268 & 269 (new numbers after consolidation 96, 97, & 98) including crusher-Sugar Mill building and land etc. measuring 1.56 decimal situated at Mauza Pipalsana, Pargana and Distt. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 888/78, and sale-deed both duly registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad.

A. S. BISEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-10-1978  
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK  
Rohtak, the 22nd August 1978

Ref. No. BGR/37/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Industrial Plot No. 103, Sector 6, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in February 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Oberior Traders,  
R-559, Main Shankar Road  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Amar Auto through  
Shri Rakesh Kumar partner  
Faridabad City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial plot No. 103, Sector 6, Faridabad.

(Property as mentioned at serial No. 5373 dated 28-2-78 of the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ballabgarh.)

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 22-8-1978  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK**

Rohtak, the 6th October 1978

Ref. No. GHN/DLI/22/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 130 kanal 16 marla situated at Gohana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Sh. Inamul Haq s/o Sh. Abdul Rahim Khan, R/o Raipur Pargana Faizabad Teh. & Distt. Saharanpur (U.P.).

General Power of Attorney Sh. Harbans Lal, 772-Pardhan Mohalla, Rohtak.

(Transferor)

- (2) (i) Miss Yogesh Kumari D/o Sh. Harbans Lal H. No. 772, Ward 11, Pardhan Mohalla, Rohtak.

- (ii) Miss Neeru D/o Sh. Narsing Dass Chhabra, Civil Road, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 130K-16M situated at Gohana, Distt. Sonapat.

(Property as mentioned in sale deed registration No. 132 of February, 1978 registered in the office of the Registering Authority, Delhi.)

**RAVINDER KUMAR PATHANIA**

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 6-10-1978  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 25th September 1978

Ref. No. Ac-14/R-II/Cal/78-79.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Balia, Maheshtala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipur on 22-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) M/s. Verma Engineering Corporation Pvt. Ltd.,  
10/1, Princep Street, Calcutta-13.
- (2) M/s. Auro Impex Pvt. Ltd.,  
24, Ganesh Ch. Avenue, Calcutta-13.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 14-cottahs and 10-chittaks at Pargana Balia, Maheshtala.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 25-9-1978

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1978

Ref. No. Sl. 462/TR-259/C-243/Cal-1/77-78.—Whereas I,  
C. N. DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

64, situated at Strand Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
5 Govt Place, North Calcutta on 10-2-1978for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in res-  
pect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

- (1) 1. Sri Krishna Benode Paul  
2. Smt. Makham Bala Paul  
3. Sri Madhab Ch. Paul  
4. Sri Keshab Ch. Paul  
5. Sri Madhusudan Paul  
64, Strand Road, Calcutta.

(Transferors)

- (2) Smt. Savitri Devi Madi  
67/11 Strand Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Third & fourth floor of the four storeyed brick built house  
being 1/4th undivided share of Premises No. 64 Stand Road,  
Calcutta, situated on the land measuring 3 k 3 ch 24 sq ft  
and registered before Regr. of Assurance Cal. vide No.  
I-1369 p. dt. 10-2-1978.

C. N. DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 7-10-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1978

Ref. No. Sl. 461/TR-261/C-241/Cal-1/77-78.—Whereas I, C. N. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 64, situated at Strand Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5 Govt Place, North Calcutta on 10-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Krishna Benode Paul  
2. Smt. Makham Bala Paul  
3. Sri Madhab Ch. Paul  
4. Sri Keshab Ch. Paul  
5. Sri Madhusudan Paul  
64, Strand Road, Calcutta.

(Transferors)

- (2) Shri Bajranglal Tulsian  
52, Maharshi Debendra Road,  
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Second floor of the four storeyed brick built house being 1/4th undivided share of Premises No. 64 Stand Road, Calcutta, situated on the land measuring 3 k 3 ch 24 sq ft and registered before Regr. of Assurance Cal. vide No. I-1366 P Dt. 10-2-1978.

C. N. DAS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 7-10-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1978

Ref. No. Sl. 459/TR-262/C-247/Cal-1/77-78.—Whereas I, C. N. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 64, situated at Strand Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5 Govt Place, North Calcutta on 10-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Krishna Benode Paul  
2. Smt. Makham Bala Paul  
3. Sri Madhab Ch. Paul  
4. Sri Keshab Ch. Paul  
5. Sri Madhusudan Paul  
64, Strand Road, Calcutta.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Hari Prasad Saraogi  
2. Sri Mahendra Kr Jain  
3. Sri Narendra Kr Jain  
67/7 Strand Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1st floor of the four storeyed brick built house being 1/4th undivided share of Premises No. 64 Strand Road, Calcutta, situated on the land measuring 3 k 3 ch 24 sq ft and registered before Regr. of Assurance Cal. vide No. I-1368 Dt. 10-2-1978.

C. N. DAS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 7-10-1978  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Prafulla Kr Dutta & Ors.  
P-76A C.I.T. Road, Calcutta-54.

(Transferor)

(2) Hazi Md. Moinuddin  
70/1 Acharya Prafulla Ch. Road,  
Calcutta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1978

Ref. No. Sl. 460/TR-257/C-245/Cal-1/77-78.—Whereas I, C. N. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

70/1, situated at Acharya Prafulla Ch. Road Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

5 Govt Place, North Calcutta on 15-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
19—326GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises No. 70/1 Acharya Prafulla Ch. Road, Calcutta situated on a land measuring 5 k 6 cm 29 sq.ft

C. N. DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 7-10-1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA**

Calcutta, the 12th October 1978

Ref. No. AC-30/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23/13, situated at Gariahat Road, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Sri Biswajit Sen.

(Transferor)

(2) Sri Benoy Krishna Bose.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land measuring 2 cottahs 1 chittak 23 sft. together with four storeyed building thereon situated at 23/13, Gariahat Road, Calcutta-19 more particularly as per decd no. 1016 dated 24-2-1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 12-10-1978

Seal :

FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th September 1978

Ref. No. RAC. No. 160/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11-6-38, situated at Madakovil St. Street, Chittoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chittoor on 12-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri A. Upendra Gupta, S/o A. M. Sampath Chetty, H. No. 8-2-22-A, Santhapet, Road, Chittoor.

(Transferor)

- (2) Smt. G. V. Vasundharamma, W/o G. Venkatesam Chetty, H. No. 45-Nattu Pillayar Koil Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Door No. 11-6-38 situated at Nadhakoil Street, Chittoor, town, registered vide Document No. 670/78 with the Office of the Sub-Registrar Chittoor.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 28-2-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1978

Ref. No. RAC. No. 163/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 69, situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Swastik Construction Co.,  
at 111-S.D. Road, Secunderabad-3.

(Transferor)

(2) Sri Bhushanlal Gulati,  
H. No. 1-10-1/14  
at Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 69 in Chandralok Complex, situated at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 308/78 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-10-1978  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Swastic Construction Co.,  
111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sakeena Begum,  
H. No. 4-1-1236/7 at Kingh Koti, Road,  
Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1978

Ref. No. RAC. No. 164/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Shop No. 66, situated at S.D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Secunderabad on February 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 66 in Chandralok Complex, situated at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 309/78 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1978

Ref. No. RAC. No. 165/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mulgi. 15-1-503/A81 Siddiamber Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Doodbowli on 17-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object to:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

(1) M/s Bharat Construction Co., presented by its partner Sri Babulal Jain, S/o Shankerlal, C/o Hotel Rajdhani, Siddiamber Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. A. Ratnamma, W/o Sri Alladi Chandriah, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mulgi No. 15-1-503/A/81 Ashokmarket, Siddiamber Bazar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 195/78 with the Sub-Registrar Doodbowli, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-10-1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 10th October 1978

Ref. No. RAC. No. 161/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Pucca Shop situated at Poonieamma 1st floor, Chittoor, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chittoor on 23rd February 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Hamsaveni, W/o Sri S. Swaminathan, H. No. 15-1-41, at Vinayakapuram, Chittoor.

(Transferor)

(2) Smt. Sivagangabai, W/o Sri T. M. Harikrishnan, Bandlapally Village, Hamlet of Muthirevala, Bandlapally Post, Chittoor Tq., Chittoor. Dist.

(Transferee)

(3) M/s Soundarya Textiles, Ponniemma Koil Street, Chittoor, 2. M/s Keerti Chit Fund, Ponniemma Koil St. Chittoor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Pucca Shop building with construction on the first floor in a well-developed important Commercial locality of Ponniemma Koil street, Chittoor, registered through document No. 874/78 at Sub-Registrar Chittoor.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-10-1978.

Seal ;

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 10th October 1978

Ref. No. RAC. No. 162/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mulgi No. 1-8-166 situated at Kamareddy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamareddy on 2-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kumari K. R. Swaroopa Rani, D/o Sri K. R. Rajareddy R/o Sarojini Devi Road, Kamareddy, Nizamabad.

(Transferor)

(2) S/Sri 1. Vasanthalal, 2. Ramesh Kumar, 3. Dhirajlal, all sons of Sri Mavji Chauhan, residing at Sarojini Devi Road, Kamareddy, Nizamabad. C/o Ambica cloth Emporium, Station Road, Kamareddy, Nizamabad. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mulgi No. 1-8-166 at Station Road, Kamareddy, Nizamabad with open yard admeasuring 500.6 Sq. feet registered vide Document No. 285/78 with the Sub-Registrar Kamareddy.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-10-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri R. Ramachanderan, H. No. 3-6-634 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Smitha Manohar Donde, W/o Dr. Manohar Donde, H. No. 4-5-43 at Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th October 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 169/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mulgs. 3-5-335/2 &amp; 3 situated at Vittalwadi Narayanguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 2-2-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Two R. C. C. Malgies admeasuring 66 Sq. Yds. M. No. 3-5-335/2 and 3-5-335/3 situated at Narayanguda, Hyderabad, registered vide Document No. 652/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—326GI/78

Date : 12-10-1978.

Seal .

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th October 1978

Ref. No. RAC. No. 170/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Open land situated at Gagan Mahal Colony, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 27-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. K. Santha Lakshmi W/o Thyagaraja Naidu, H. No. 331/2 RT, Sanjeevareddynagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Achut R. Kamath S/o late Raghavendra Kamath H. No. B-3, Bindu, Tilak Road, Santacruz (West) Bombay-400054.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 890 Sq. Yds. in S. No. 12 at Gagan Mahal, Hyderabad, registered vide Doc. No. 639/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-10-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. T. Swatantra Laxmi, W/o Sri Satish Babu,  
R/o Labbipet, Vijayawada, A.P.

(Transferor)

(2) Sri Satish R. Kamath, S/o late Raghavandra  
Kamath Contractor, H. No. 3 at Shailavartha, 570/3  
Akurli Road, Kandivili East, Bombay-400067.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th October 1978

Ref. No. RAC No. 171/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot of land situated at Gagan Mahal Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 20-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 694 Sq. Yds. in Survey No. 12, situated at Gagan Mahal Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 640/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-10-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th October 1978

Ref. No. RAC. No. 168/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-4-553 situated at Ramgopalpet, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 14-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Rahmatunnisa Qureshi, H. No. 201 a Maredpally, Secunderabad, 2. S/Shri Gulam Moinuddin Qureshi, 3. Gulam Mohiuddin Qureshi, 4. Ghousin Qureshi, 5. Shamma Hussain, W/o Ashraf Hussain, 6. Khaleeluddin Qureshi, 7. Surciya Qureshi, D/o late A.A.S. Qureshi, Vendor No. 2 to 7 represented by their G.P.A. holder Mrs. Rahmatunnisa Qureshi. (Transferor)

- (2) Mr. M. A. Wahab, S/o M. A. Mannu, H. No. 2-3-283 Ramgopalpet, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing M. No. 2-4-553 (Old. No. 33) at Ramgopalpet, Secunderabad, together with lease hold interest in respect of plot of land No. 33 at Ramgopalpet, Secunderabad, registered vide Doc. No. 391/78 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-10-1978.  
Seal :



## FORM ITNS—

- (1) Sri A. V. Ramaswamy S/o late A. H. Venkat Rao,  
H. No. 4748/14 at New Bhoiguda, Secunderabad.  
(Transferor)

- (2) Sri Najmuddin S/o Akbar Ali, 2-3-67 at Ramgopal-  
pet, Secunderabad, 2. Smt. Hussaina Bai W/o  
Saifuddin, 5-5-203 at Lalagudi, Street, Secunderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th October 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 167/78-79.—Whereas, I K. S.  
VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing number  
Plot No. 56 situated at Nallagutta Secunderabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Secunderabad on 18-2-1978,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 219.16 Sq. Mets. in plot No. 56  
being portion of premises No. 2-3-61 at Nallagutta, Secundera-  
bad registered vide Doc. No. 427/78 with the Sub-Registrar  
Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 12-10-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th October 1978

Ref. No. RAC. No. 166/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 56 situated at Nallagutta, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 17-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Sri A. V. Ramaswamy, S/o late A. H. Venkat Rao, H. No. 4748/14 at New Bhoiguda, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Firoz S. Khorakiwala, S/o Laleh Bhai, H. No. 1-5-222/227 at Khaondoji Bazar, Secunderabad,  
2. Sri Quresh S. Khorakiwala, 3. Sri Akbar S. Khorakiwala H. No. 4-3-161 at Hill Street, Ranigunj, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 368 Sq. Yds. in plot No. 56 being a portion of premises No. 2-3-61 at Nallagutta, Secunderabad, registered vide Doc. No. 420/78 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-10-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 13th October 1978

Ref. No. RAC. No. 172/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B4/F7 situated at situated at 4th floor of Poonam Apartments, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Lakshmi Bai W/o late Sri Bhagwandas, H. No. 21-2-785 at Patel Market, Pathergatti, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Khallel Ahmed, S/o Sri Sagheer Ahmed, Flat No. B4/F7 4th floor of H. No. 5-8-512 at Chiragalli lane, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-4/F7 in 4th floor of H. No. 5-8-512 known as "Poonam Apartments" at Chiragalli lane, Hyderabad, registered vide Document No. 631/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-10-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 13th October 1978

Ref. No. RAC. No. 173/78-79.--Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-239 situated at Abid Road, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Basheerunnisa Begum, W/o Sri Fakruddin Masood Tarnaka, Nacharam Road, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Sri T. Kunwar Singh, S/o late T. Heera Singh, H. No. 5-4-619 at Katalmandi, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mulgi On 1st floor M. No. 5-9-239 at Gunfoundry, Abid Road, Hyderabad, registered vide Document No. 352/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-10-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 13th October 1978

Ref. No. RAC. No. 174/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3-6-420/1 situated at Himayatnagar Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

21—326GI/78

(1) Smt. Jahan Ara Begum, W/o Sri Iqbal Ahmed, H. No. B-6 420/1 at Himayatnagar, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Smt. Syed Naseer, ground floor 3-6-420/1 at Himayatnagar, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

1st floor portion of House No. 3-6-420/1 at Street No. 3 Himayatnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 414/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-10-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 13th October 1978

Ref. No. RAC. No. 175/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-1-293/1 situated at Nallakunta, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 9-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Smt. Niamutunnisa Pasha Begum, her G.P.A. Sri Mohd. Virasath Rasool Khan, H. No. 11-5-460 Red Hills, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Sri K. Panduranga Rao, H. No. 2-1-293/1 Nallakunta, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storey building M. No. 2-1-293/1 at Nallakunta, Hyderabad, admeasuring 225.0 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 500/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-10-1978,  
Seal ;

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 16th October 1978

Ref. No. RAC. No. 176/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-4-535/5, 6 situated at Nampally, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 3-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Kishore S. Karwankar, H. No. 19 former Palagh House, Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Vali Mohd. Rajani, H. No. 5-3-831/1 Goshamahal Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two mulgies M. No. 5-4-435/5 and 6 on a ground floor ad-measuring 81.5 Sq. Yds. situated at Nampally Station Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 486/78 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-10-1978.

Sent :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 16th October 1978

Ref. No. RAC. No. 177/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port 5-4-98 & 99 situated at M.G. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 4-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Sri D. Balanarasiah, 2. D. Narasimha Rao, 3. D. Ekamber, 4. D. Ramesh, 5. D. Raghunandan, "Dundoo Chambers" at R. P. Road, Secunderabad. (Transferor)
- (2) Smt. Sovni Bai, W/o Sri Surajmal Deoda, H. No. 4-4-857 at Sultan Bazar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Rear portion of premises Nos. 5-4-98 and 99 (Old No. 8577 /A) situated at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 181/78 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-10-1978,  
Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 16th October 1978

Ref. No. RAC. No. 178/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mulgi No. 21-2-9 situated at Pathergatti, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli, Hyderabad on 21-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Narayanlal Yadav, S/o Babaram Yadav, H. No. 14-8-129 at Chudi Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Tuljaram Yadav, S/o Narayanlal Yadav, 14-8-129 Chudi Baazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mulgi bearing M. No. 21-2-9 situated at Pathergatti, Hyderabad on ground floor admeasuring 39 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 197/78 with the Sub-Registrar DoodBowli, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-10-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1978

Ref. No. RAC No. 179/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4-1-875, 876, 877, 877/1 situated at Tilak Road Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Farida Banu, (ii) Turab Banu, (iii) Bader Banu, (iv) Sayeeda Banu, (v) Jameela Banu, (vi) Dilawar Banu, (vii) Nusrath Banu, 5-4-86, M.G. Road, Secunderabad 5-4-93, M.G. Road, Secunderabad 48-Malakpet, Hyd. (Daughters of late A. K. Babu Khan, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s Dillu Cine Enterprises Pvt. Ltd., 8-2-542/4, Road No. 7, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 4-1-875, 876, 877, & 877/1 at Tilak Road, Hyderabad, registered through document No. 470/1978 at the office of the Joint Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-10-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1978

Ref. No. RAC No. 180/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-2-412/4/1 situated at Domalguda, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on February 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. D. Rajyalakshmi, W/o late Shri D. V. Gl. Krishnamurthy B-18, Flat 2. Vigyanpuri Colony, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Panda Vijayalakshmi, W/o Sri P. Rghavendra Rao, H. No. 3-5-1091/7 at Ashirwad, Venkateshwara Colony Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two storied building M. No. 1-2-412/4/1 in Domalguda, Hyderabad, Gaganmahal Colony, admeasuring 525.093 Sq. Mts.) registered vide Doc. No. 449/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-10-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1978

Ref. No. RAC No. 181/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-3-983 situated at Shankar Bagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Hyderabad on February 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Syed Mustafa Ali Khan, S/o late Syed Ismail Ali Khan, 5-3-983 at Fasi Jung lane, Shankerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Sriram Ahuja, H. No. 4-1-970 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Main building M. No. 5-3-983, at Shankar Bagh, Hyderabad registered vide Doc. No. 386/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-10-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1978

Ref. No. RAC No. 182/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-3-983 situated at Shankar Bagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb. 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

22—326 GI/78

(1) Sri Syed Mustafa Ali Khan, H. No. 5-3-983 at Shankar Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Ahuja W/o Sri Ram Ahuja, H. No. 4-1-970 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of premises No. 5-3-893 at Shanker Bagh, Hyderabad admeasuring 670.40 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 387/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-10-1978.

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1978

Ref. No. RAC No. 183/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-8-522/2 situated at M. J. Lane Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb. 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) The Universal Co-operative House Construction Society Ltd. its president Sri Jagdish Pershad, 21-1-293 at Ghansi Bazar, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Giriraj S/o Ramchander 5-3-1053 at Osman-gunj, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing M. No. 5-8-522/2 at Mukarab Jung Lane, Hyderabad admeasuring 201.44 Sq. Yds, registered vide Doc. No. 354/78 with the joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-10-1978.  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th September 1978

Ref. No. Acq/969/Kanpur/77-78.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

As PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Kanpur on 21-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money's or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Shrikrishan Das Mathur, 26110, Wajir  
Hasan Road, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Jugul Kishore Agrawal 26/109-B, Pheelkhana  
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the 'said Act',  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House property bearing  
No. 117/137, Sarvodaya Nagar, Kanpur, transferred for an  
apparent consideration of Rs. 1,60,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 20-9-78

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th October 1978

Ref. No. Acq/159-A/Saharanpur/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Roorkee on 8-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such appuarent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to bme disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Lal Singh S/o Teerath Singh R/o Jagbeerpur, Parg. Jwalapur, Roorkee.  
(Transferor)

(2) Shri Brijpal Singh, Veerpal Singh, Yagpal Singh and Rampal Singh and Dhanpal Singh Sons of Hansraj, R/O Liber Haidi, Parg. Manglore.  
(Transferee)

Objections, if any, ot the acquisition of the said property may be maed in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 7 Bighas, 17 Biswa and 16 Biswansi situated at Vill. Mahpur, Parg. Manglore, Distt. Roorkee, transferred for an Apparent Consideration of Rs. 42,600/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 9-10-78  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 9th October 1978

Ref. No. ACQ/957/DERAPUR/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE. situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Derapur on February 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhoop Singh s/o Parikshit Singh  
R/o Sewamau, P.O. Aakasu,  
Derapur.
- (2) Shri Rajendra Singh and Udai Singh  
Sons of Lal Singh  
R/o Sewamau, P.O. Aakasu,  
Derapur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Sewamau, Derapur as per sale Deed bearing No. 180, transferred for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-10-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 9th October 1978

Ref. No. Acq/949/Auraiya/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Auraiya on February 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prem Kumar S/o Kali Charan Paliwal  
R/o & P.O. Shud, Parg. Auraiya,  
Distt. Etawah.

(Transferor)

- (2) Shri Hari Prakash Singh S/o Pratap Singh,  
Shivram Singh S/o Kali Charan,  
Chotey Lal and Gulab Singh Sons of  
Sukhwasi Lal,  
Bachchi Lal and Chatur Singh Sons of Bigal,  
Rajaram S/o Sukhai,  
Udaiveer Singh S/o Mewalal,  
Lalaram S/o Chotey Lal, Janki S/o Nanhai,

All R/o Vill. Lahaukhar,  
P.O. Dibiapur, Parg. Auraiya,  
Distt. Etawah.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 11.46 Acres situated at Vill. Kachekhar, Parg. Auraiya, Distt. Etawah, transferred for an apparent consideration of Rs. 28,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-10-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 9th October 1978

Ref. No. Acq/986/Firozabad/77-78.—Whereas I, B. C.  
CHATURVEDI,being the competent authority under section 269B of the  
Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Firozabad on February 1978for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. Shanti Devi W/o Bal Krishan  
R/o Hanuman Ganj, Firozabad.

(Transferor)

- (2) Shri Atul Kumar Gupta S/o Virendra Kumar Gupta  
R/o Bye Pass Road, Ferozabad,  
Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land as per sale Deed bearing No. 965 situated at  
Mauza Datoji Mosuma, Coal siding Road, Firozabad, Distt.  
Agra transferred for an apparent consideration of Rs.  
1,25,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-10-1978

Seal :

**FORM ITNS ———****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-****SIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE  
KANPUR**

Kanpur, the 9th October 1978

Ref. No. Acq/937/URAI/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Urai on February 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Shri Nandram Gupta S/o Baladin  
R/o Gandhi Nagar, Urai,  
Distt. Jalaun.

(Transferor)

(2) S/Shri Ganesh Prasad, and Amrit Lal Sons of  
Ram Nath, Ram Avtar (Minor) S/o Durga Prasad,  
R/o Mauza Dhamni Bujurg, P.O. Urai,  
Distt. Jalaun.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immovable property consisting of Mundraja Pust Farm and briefly described as per sale Deed No. 129 of 1978 situated at Urai, Distt. Jalaun, transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

**B. C. CHATURVEDI**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 9th October 1978

Ref. No. Acq/933/Kannauj/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kannauj on February 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—326G 1/78

(1) Shri Babu Ram S/o Shiv Ram S/o Shiv Dayal,  
R/o Shareefapur, Vill. Gangadharapur,  
P.O. Malikapur, Teh. Kannauj,  
Distt. Farrukhabad.

(Transferor)

(2) Shri Madan Gopal S/o Radha Krishan Satya Prakash,  
Puttulan Sons of Narain Prasad and  
Jagdish Chandra and Satish Chand Sons of  
Gedan Lal,  
R/o Shareefapur,  
P.O. Malikapur, Teh. Kannauj,  
Distt. Farrukhabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land &amp; Building situated at Vill. Chauki Mustafabad and Gangadharapur, Kannauj, transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 9th October 1978

Ref. No. Acq/932/Kannauj/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kannauj on February 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Babu Ram S/o Jailal  
R/o Shareetpur, Manra Gangadharapur,  
P.O. Malikapur, Teh. Kannauj,  
Distt. Farrukhabad.

(Transferor)

(2) Smt. Resham Devi W/o Late Vikramajit,  
Sarvsh Kumar (Major) and Rajendra Kumar (Minor)  
Sons of Vikramajit under guardianship of  
Smt. Resham Devi (Mother)  
R/o Shareetapur  
P.O. Malikapur, Teh. Kannauj,  
Distt. Farrukhabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at vill, Dhansua, Parg. Pahada, Teh. Farrukhabad and Vill. Gangadharapur, Teh. Kannauj transferred for an apparent consideration of Rs. 20,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-10-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 9th October 1978

Ref. No. Acq/953/Bharthana/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharthana on February 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Rajendra Kumar S/o Ram Narain  
R/o Baluganj, Bharthana,  
4/111, Nunhai, Farrukhabad  
and Vijai Kumar and Arun Kumar Sons of  
Ram Narain,  
R/o Balugani, Bharthana, Distt. Etawah.  
3/39, Nunhai, Farrukhabad,

(Transferors)

- (2) S/Shri Anokhey Lal S/o Dhara Singh and  
Ram Narain S/o Anokhe Lal,  
Raghubir Narain and Shiv Narain  
Sons of Anokhey Lal,  
R/o Santosh Pushehar,  
P.O. Punja, Parg, Bharthana,  
Distt. Etawah.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7.56 Acre approx. situated at Vill. Punja, Parg. Bharthana, Distt. Etawah, transferred for an apparent consideration of R. 36,00/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-10-1978  
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1978

Ref. No. Acq/1780-A/Baghpat/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anoopshahar on February 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Singh S/o Jwala Singh  
R/o Khushalgarh,  
Parg & Teh Anoopshar,  
Distt. Bulandshar.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Sohanpal Singh  
2. Madanpal Singh  
sons of Sri Rampal Singh  
R/o Khushalgarh,  
Parg Anoopshar

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Khushalgarh Parg Anoopshar transferred for an apparent consideration of Rs. 40,100/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-10-1978

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1978

Ref. No. Acq/1832-A/M.Nagar/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dhum Singh S/o Madoo Singh  
R/o Village Pura Dasna Khas,  
Parg. Shikarpur, Teh. Budhana,  
Distt. Muzaffarnagar.  
(Transferor)
- (2) Smt. Bhagwati Devi widow of Datta Ram Tyagi,  
2. Vijay Kumar  
3. Brij Bhushan  
4. Rajesh Kumar  
Sons of Datta Ram  
R/o 151, Brahmपुरi, Muzaffarnagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Parg Shikarpur, Teh. Budhana, Distt. Mazaffarnagar transferred for an apparent consideration of Rs. 40,050/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-10-1978  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
KANPUR**

Kanpur, the 19th October 1978

Ref. No. Acq/144-A/Bulandshar/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bulandshar on February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Govinda S/o Chidda,  
R/o Sultanpur  
Velloni Rahim Koat,  
Parg. Debai, Teh. Anoopsahar.

(Transferor)

(2) Shri Rati Ram S/o Chiddu,  
R/o Sultanpur Velloni Rahim Koat,  
Distt. Bulandshar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land situated at Village Sultanpur Velloni transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

**B. C. CHATURVEDI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-10-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1978

Ref. No. Acq/169-A/Bulandshar/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshar on February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. S/Shri Rajendra Singh,  
2. Rakam Singh  
Sons of Jahan Singh,  
R/o Shikarpur, Distt. Bulandshar.

(Transferors)

(2) 1. S/Shri Raj Kumar  
2. Ashok Kumar,  
Sons of Kanta Pd.  
R/o Parg. Shikarpur,  
Distt. Bulandshar.

Dis

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Bulandshar transferred for an apparent consideration of Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-10-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1978

Ref. No. Acq/1829-A/M. Nagar/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on February 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Har Pal S/o Fakira  
R/o Titraula Bhumma Sambalkhera,  
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Pal S/o Fattu Singh,  
R/o Rajpur kala,  
Parg. Sambalkhera,  
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Tisang, Parg. Jauli Jansath, Distt. Muzaffarnagar transferred for an apparent consideration of Rs. 55,007/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-10-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1978

Ref. No. Acq/1779-A/Baghpat/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Anoopshar on February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

42—326 GI/78

- (1) Smt. Bhauti Devi widow of Jodha Ram Singh  
R/o Anoopshar,  
Distt. Bulandshar.

(Transferor)

- (2) 1. S/Shri Rajendra Singh,  
2. Lakhmi Singh  
Sons of Nanak Singh,  
R/o Parg Anoopshar,  
Distt. Bulandshar.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Achora, Parg Anoopshar transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-10-1978

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1978

Ref. No. Acq/167-A/B.Sha/78-79.—Whereas J. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bulandshar on February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Azizan widow of Alizan,  
R/o Hall Nagla Dasna Guwahali Kala,  
Parg. Agauta,  
Distt. Bulandshar.

(Transferor)

(2) 1. S/Shri Abdul Rashid,  
2. Rashid Ahmed  
Sons of Ahmed Syed Khan,  
R/o Village Naukhera, Parg Baran,  
Dist. Bulandshar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Bulandshar transferred for an apparent consideration of Rs. 21,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-10-1978  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1978

Ref. No. 1808-A/Mrt/77-78,—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 1st February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rakesh Kumar Gupta S/o  
Late Niranzan Prakash Gupta,  
R/o 18 Mohalla Babakhaki city, Meerut Self Mukhtar  
Smt. Kaushalya Devi widow of Late Sri Niranzan  
Prakash Gupta,  
R/o Babakhaki City, Meerut.

(Transferor)

(2) Navyug Sahakari Grah Nirman Samiti Ltd, Meerut  
through Sri Gautam Sharma, President Samiti,  
R/o Ashok Batika near Saket, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 4 bigha and 18 Bishwa pukhta situated at Delhi road Kasba Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 5,92,900/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri Man Singh S/o Baktawar  
R/o Jajaukhar, Teh. Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Mahendra Kaur w/o S. Wanta Singh,  
R/o Delhi road, City Meerut.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 19th October 1978

Ref. No. Acq/1809-A/Mrt/77-78.—Whereas I, B. C.  
CHATURVEDI,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Meerut on February, 1978for an apparent consideration which is, less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
- 
- respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
- 
- Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
- 
- 45 days from the date of publication of this notice
- 
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
- 
- the service of notice on the respective persons,
- 
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immova-
- 
- ble property within 45 days from the date of the
- 
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'said  
Act', shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 bigha 1 bishwa and biswansi  
situated at Meerut transferred for an apparent consideration of  
Rs. 40,387/-.B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, KanpurDate : 19-10-1978  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1978

Ref. No. Acq/38-A/M. Nagar/78-79 —Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Ram Kumar S/o Tarif Singh,  
R/o Alipur Aterna,  
P.O. Khas Parg. & Teh. Budhana,  
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Shabir Khan and Kasim Khan urf Budhu  
Sons of Ramzan Khan,  
R/o Village Alipur Aterna.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 39.80 ½ part situated at Alipur Aterna Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 43,500/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-10-1978

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1978

Ref. No. Acq/34-A/M. Nagar/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Budh Singh S/o Sagva Tyagi,  
R/o Mubarikpur, P.O. Khas,  
Parg. Shikarpur, Teh. Budhana,  
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Kumar S/o Ugara Sen,  
R/o Mubarikpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land as per Schedule situated at Village Mubarikpur, Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar transferred an apparent consideration for Rs. 80,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-10-1978  
Sent :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bhagwat Prasad S/o Daulat Ram,  
R/o Post Office Road,  
Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Kumar Gupta S/o Daya Nath Gupta,  
18, Subhash Road,  
Dehradun.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 20th October 1978

Ref. No. Acq/1777-A/DDN/77-78.—Whereas I, B. C.  
CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immo-  
vable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule Annexed hereto),  
has been transferred under the registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering officer at  
Dehradun on 14-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair  
marked value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the parties has  
not been truly stated in the said instrument of transfer with  
the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by one issue of this notice under Sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land and Building known  
as Natraj Theatres, situated at Chakrata Road, Dehradun  
transferred for an apparent consideration of Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 20-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 23rd October 1978

Ref. No. Acq/121-A/Haridwar/78-79.—Whereas J. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 17-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raman Deo Singh S/o Late Raja Shiv Ratan Deo Singh, Self & Mukhtaram of Smt. Hemlata D/o Raja Shiv Ratan Deo Singh, Smt. Nalini Rajya Laxmi Devi D/o Tribhuwan Shah and Smt. Rajni Devi and Km. Umila Devi D/o Raja Shiv Ratan Deo Singh, Ratish Deo Singh S/o Raja Shiv Ratan Deo Singh, R/o 4, Old Survey Road, Dehradun

(Transferor)

(2) Shri Lajpat Rai Arora S/o Bakshi Kishan Chandra R/o Bhim Goda Road, Haridwar, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Land & Building known as Punch Haveli with eight shops having commercial potentiality situated at Bheema Goda Road, Haridwar, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 3,00,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 23-10-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Dharwar-4, the 21st September 1978

C.R. No. 230/78-79/ACQ.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. House No. 25/A-5, situated at Khanapur Road, Tilakwadi, Belgaum, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum Document No. 2886/77-78 on 15-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—226 GI/78

(1) Shrimati Shalinibai W/o Vasudev Pendase, House No. 25/A4, Khanapur Road, Tilakwadi, Belgaum.

(Transferor)

(2) Shri Shantaram Narayanrao Benegal, H. No. 25/4A, Khanapur Road, Tilakwadi, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2886/77-78, dated 25-2-1978]

House Property situated at Khanapur Road Tilakwadi, Belgaum, Bearing C.T.S. No. 25/A5.

D. C. RAJAGOPALAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Date : 21-9-1978

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION  
COMBINED EXAMINATION (1979) FOR RECRUIT-  
MENT TO MEDICAL POSTS UNDER THE  
CENTRAL GOVERNMENT  
NOTICE

New Delhi, the 11th November 1978

No. F.14/6/78-E.J.(B).—A combined examination will be held by the Union Public Service Commission on 27th March, 1979, for recruitment to Junior Scale Posts in the Railways, Ordnance Factories Health Service and Central Health Service.

2. The approximate number of vacancies in the various posts required to be filled on the results of the examination is given below :—

- (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways—approx. 75 vacancies.\*
- (ii) Junior Scale Posts in Ordnance Factories Health Service—approx. 49 vacancies (includes 8 vacancies reserved for Scheduled Castes and 4 reserved for Scheduled Tribes candidates).
- (iii) Junior Scale Posts in Central Health Service—approx. 230 vacancies (includes 34 vacancies reserved for Scheduled Castes and 17 reserved for Scheduled Tribes candidates).

The number of vacancies is liable to alteration.

\*The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

N.B.—Candidates should specify clearly in their applications the posts for which they wish to be considered in the order of preference. No request for alteration in the preferences indicated by candidates in respect of posts for which they desired to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.

3. *Centres of Examination.*—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Jaipur, Jammu, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

4. *Conditions of Eligibility.*—

(a) *Nationality*

A candidate must either be—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

(b) *Age Limit.*—Age below 30 years as on 1st January, 1979.

The age limit is, however, relaxable upto 50 years for the examination to be held in 1979.

NOTE—THE RELAXATION UPTO 50 YEARS IN THE UPPER AGE LIMIT WILL NOT BE ADMISSIBLE FOR THE EXAMINATIONS TO BE HELD AFTER 1979 UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

The upper age limit is further relaxable as follows :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Castes or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area; and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof;
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof and who belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe; and
- (xiii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.
- (xiv) A candidate who exceeds the prescribed upper age limit on the crucial date viz. 1st January, 1979 and who was detained under the Maintenance of Inter-

nal Security Act or was arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder during the period of Internal Emergency between 25-6-1975 and 21-3-1977 on account of alleged political activities or association with erstwhile banned organisations and thus prevented from appearing at the examination while he was still within the age-limits prescribed for admission to this examination, will be eligible to appear at the examination subject to the condition that he should not have sat for (i.e. he should have foregone) the examination at least once during the period between June, 1975 and March, 1977 for which he was eligible in all respects.

NOTE : Under this concession, which will not be admissible for admission to any examination held after 31-12-1979, not more than one chance will be allowed.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

#### (c) Educational Qualification

For admission to the examination, a candidate should have passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination on or before 26th December, 1978.

NOTE 1.—Candidates who have yet to complete the compulsory rotating internship are educationally eligible for admission to the examination but on selection they will be appointed only after they have completed the compulsory rotating internship.

NOTE 2.—Candidates whose results at the written and practical parts of the final M.B.B.S. examination have not been declared and candidates who have yet to appear at these examination are NOT eligible for admission to this examination.

5. *Fee to be paid with the application.*—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

N.B.—Fee once paid will not be refunded nor held in reserved for any other examination or selection.

6. *How to Apply.*—Only printed applications on the form prescribed for the Combined Examination (1979) for recruitment to Medical Posts under the Central Government, appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's office.

All candidates whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees, are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application forms and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary,

Union Public Service Commission, New Delhi, as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

#### 7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE

- (i) From candidates in India 26th December, 1978.
- (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep 8th January, 1979.

#### 8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.

(A) By all candidates :—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Examination fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes, the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

#### (iii) Certificate of Educational Qualification.

The candidates must submit an attested/certified copy of the Certificate issued by the Authority (i.e. University or other examining body) to show that he has passed the M.B.B.S. Examination on or before 26th December, 1978, i.e. the closing date for receipt of application in the Commission's office.

- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photographs of the candidate duly signed on the front side.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix I from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.

(C) By candidates claiming age concession.—(i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under para 4(b)(ii) or 4(b)(iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under para 4(b)(iv) or 4(b)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964.

(iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under para 4(b)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident, to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma, claiming age concession under para 4(b)(vii) or 4(b)(viii) should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under para 4(b)(ix) or 4(b)(x) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operation during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

*The form of certificate to be produced by the candidate*

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/ in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature.....  
Designation.....  
Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under para 4(b)(xi) or 4(b)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

*The form of Certificate to be produced by the candidate*

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

(vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under para 4(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the Distt. Magistrate of the area in which he may for the time being be a resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July 1975.

(viii) A candidate claiming age concession under para 4(b)(xiv) should submit (i) an attested/certified copy of a certificate from the detaining authority under his seal stating that the candidate had been detained under the maintenance of Internal Security Act or (ii) an attested/certified copy of a certificate from the Sub-Divisional Magistrate having jurisdiction in the area stating that the candidate had been arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder specifying the dates between which he was arrested or imprisoned and certifying that the detention or arrest or imprisonment, as the case may be, was in pursuance of the candidate's political affiliations or activities or his association with the erstwhile banned organisation.

*N.B.*—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 8 above without a reasonable explanation for its absence having been given, his candidature is liable to be cancelled and no appeal against its cancellation will be entertained.

**9. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATION.**—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of application for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

**10. RESULT OF APPLICATION.**—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

**11. ADMISSION TO THE EXAMINATION.**—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

**12. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.**—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.



A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the Staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
  - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
  - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
    - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
    - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
  - (c) If he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

13. **ORIGINAL CERTIFICATES SUBMISSION OF.**—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN PARA 8 ABOVE ATTESTED BY GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST. THE CANDIDATURE OF THE CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

14. **SCHEME OF EXAMINATION.**—The examination will comprise :—

(A) **Written Examination.**—The candidates will take the examination in one paper of three hours duration containing objective type questions covering the following four subjects. The questions in the paper will be so designed as to give the following weightage to the four subjects—

- |  |     |
|--|-----|
| (i) General Medicine including Paediatrics   | 40% |
| (ii) Surgery including E.N.T., Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics                | 20% |
| (iii) Preventive Medicine and Community Health including Child Welfare and Family Planning | 20% |
| (iv) Obstetrics and Gynaecology  | 20% |

(B) **Personality Test** of candidates who qualify in the written examination.

**N.B.**—The Written Examination and Personality Test will carry equal marks.

**NOTE.**—Details regarding the nature of the examination, sample questions and specimen answer sheet are given in the "Candidates' Information manual" at Appendix III.

15. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the General knowledge and ability of the candidates in the fields of their academic study and also, in the nature of a personality test to assess the candidates intellectual curiosity critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, ability for social cohesion; integrity of character, initiative and capacity for leadership.

16. After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination and the personality test with 50% weightage respectively and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

17. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

18. Subject to other provisions contained in this Notice, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various posts at the time of their application.

19. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedent is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidate satisfying the appointing authority of his having satisfactorily completed the compulsory rotating internship.

20. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A Candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined by the medical board set up by the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health).

21. No person :

- (a) who has entered into or, contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

22. *Communications regarding applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NO. OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

23. *CHANGE IN ADDRESS.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 22 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

24. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix II.

R. S. AHLUWALLA  
Deputy Secretary

#### APPENDIX I

*The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.*

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_ son/daughter\* of \_\_\_\_\_ of village/town\* \_\_\_\_\_ in District/Division\* \_\_\_\_\_ of the State/Union Territory\* \_\_\_\_\_ belongs to the \_\_\_\_\_ Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe<sup>†</sup> under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Caste Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*.

2. Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_ and/or\* his/her\* family ordinarily reside(s) in village/town\* \_\_\_\_\_ of District/Division\* of the State/Union Territory\* of \_\_\_\_\_

Signature \_\_\_\_\_

\* Designation \_\_\_\_\_

(with seal of officer)

Place \_\_\_\_\_ State/Union Territory\*.

Date \_\_\_\_\_

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner / Deputy Collector / 1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides;

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, 'Lakshadweep'.

#### APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given below.

##### I. Assistant Divisional Medical Officer on the Railways.—

(a) The post is temporary and in Group A. The scale of the post is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1250—EB—50—1600 (Revised Scale) plus restricted non-practising allowance as per orders in force from time to time. The rates at present are :—

1—5 Stages—Rs. 150/- P.M.

6—10 Stages—Rs. 200/- P.M.

11—15 Stages—Rs. 250/- P.M.

16th stage onwards Rs. 300/- P.M.

The candidate will be bound to observe the orders which the Ministry of Railways or any higher authority may issue from time to time, restricting or prohibiting private practice by him. The candidates in Government service will be given initial pay in the above mentioned scale according to rules; others will be given the minimum of the pay scale mentioned above.

(b) A candidate will be appointed on probation for a period of two years which may be extended by the Government if considered necessary. On satisfactory completion of the probationary period, he will continue in a temporary capacity.

(c) The appointment can be terminated by one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in a temporary capacity. The Government reserve the right to give one month's pay in lieu of notice.

(d) A candidate will have to undergo training as prescribed by the Ministry of Railways and pass all the Departmental Examinations.

(e) A candidate will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from time to time and applicable to officers of his status.

(g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(h) A candidate will be required to pass a Hindi test within two years of his appointment.

(i) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 45 years.

(j) **Reckoning Service**—The persons who are recruited under these rules to posts which the conditions prescribed in Rule 2423—A (C.S.R. 404-B) of the Indian Railway Establishment Code are applicable, shall be eligible to the benefit of the provisions contained in that rule.

(k) A candidate will be governed in respect of the matters specifically referred to above as well as other matters by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and the extent orders as amended/issued from time to time.

(l) In the first instance a candidate will be posted to the Railway Health Units/Dispensaries at wayside Stations. A.D.M.Os. are also liable to transfer to any Railway.

(m) Prospects of promotion including Pay Scales and allowances attached to the higher grades—

A D.M.Os. with 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the post of Divisional Medical Officer (Senior Scale) in the Scale of Rs. 1100—1800 (RS), plus restricted non-practising allowance as per rules/orders in force from time to time.

(n) Duties and Responsibilities—

*Assistant Divisional Medical Officer :*

(i) He will attend the indoor wards and out-patient department daily and as required.

(ii) He will carry out physical examination of candidates and of employees in service in accordance with the regulations in force.

(iii) He will look after family planning, public health and sanitation in his jurisdiction.

(iv) He will carry out examination of vendors.

(v) He will be responsible for discipline and proper discharge of duties of the Hospital Staff.

(vi) He will carry out duties assigned to his speciality, if any and will prepare returns and indents connected with his speciality.

(vii) He will maintain and upkeep all equipments, in his charge.

**NOTE (1) :** When an ADMO is posted at the Headquarters of a division under the charge of a Divisional Medical Officer, he will assist the Divisional Medical Officer in all his duties, but may be specially assigned with certain duties and responsibilities.

**NOTE (2) :** ADMOs will also be required to perform such other duties as may be assigned to them from time to time.

## II. Posts of Assistant Medical Officer in the Ordnance Factories Health Service (OFHS) under the Ministry of Defence—

(a) The post is temporary in Group A but likely to be permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 plus restricted non-practising allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are—

1 — 5 stages	Rs. 150/- per month
6 — 10 stages	Rs. 200/- per month
11 stages onward	Rs. 250/- per month

(b) The candidate will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

(c) The candidate can be posted anywhere in India in any one of the Ordnance Factory Hospitals or Dispensaries.

(d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.

(e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice.

(f) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades—

### (i) SENIOR SCALE—SENIOR MEDICAL OFFICER/ ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICE.

Officers who have put in at least 5 years service in the junior scale will become eligible to senior scale—Senior Medical Officer/Assistant Director of Health Service. The scale of pay is Rs. 1100—50—1600 plus NPA—

1 — 3 stages	Rs. 250/- per month
4 — 5 stages	Rs. 300/- per month
6 — 7 stages	Rs. 350/- per month
8 — 9 stages	Rs. 400/- per month
10 — 11 stages	Rs. 450/- per month

### (ii) SUPER-TIME GR. II—PRINCIPAL MEDICAL OFFICER/DEPUTY DIRECTOR OF HEALTH SERVICE.

Officers who have put in 3 years of service in the senior scale and possess post-graduate qualifications can be considered for promotion to Super-time Gr. II—Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Service. The scale of pay is Rs. 1500—60—1800—100—2000 plus Rs. 600/- NPA.

### (iii) SUPER-TIME GR. I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

Principal Medical Officers and Deputy Director of Health Service on completion of 3 years of service will be eligible for appointment of Super-time Gr. I—Director of Health Service with the pay scale of Rs. 2250—125/2—2500 per month plus Rs. 600/- N.P.A.

(g) Nature of duties—(1) ASSISTANT MEDICAL OFFICERS.

- (i) They will attend to indoor patients in wards/departments of hospitals and out patients in dispensaries/out patient departments daily and as required.
- (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulations in force.
- (iii) They will maintain and upkeep all equipment in their charge.
- (iv) They will look after the Family Welfare, Public Health and Industrial Health of employees in their jurisdiction.
- (v) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.
- (vi) They will perform such other duties as are allotted to them by the Medical Officer-in-Charge as per rules.

(2) GDO GR. I—ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES AND SENIOR MEDICAL OFFICER.

- (a) ADHS posted at the Hqrs. will assist the DHS/DDHS in the discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
- (b) He will assist the DHS/DDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer.
- (c) He will perform such other duties as may be assigned to him by the DHS/DDHS from time to time.
- (d) He will assist the DHS in dealing with all questions relating to Medical Stores & equipments.
- (e) SMO—SMOs will be Incharge of any factory hospital with less than 75 beds and Medical Estt. there.
- (f) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys. On all medical matters and make recommendation as considered necessary.
- (g) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (h) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

(3) SUPER-TIME GRADE II—DY. DIRECTOR OF HEALTH SERVICES & PRINCIPAL MEDICAL OFFICER.

- (a) DDHS posted at the Hqrs. will assist the DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.
- (b) He will act as DHS under orders of DGOF in the latter's absence or leave, tour etc.
- (c) PMO—PMO will be M.O. Incharge of any Factory hospital with 75 beds or above and the Medical Estts. there.
- (d) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys. on all medical matters and make recommendation as considered necessary.
- (e) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (f) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

(4) SUPER-TIME GRADE I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

- (a) Medical Adviser to DGOF on all Medical and health matters. Controlling authority of the Medi-

cal Establishment in DGOF Organisation on all Professional and Technical matters. He will exercise the administrative powers as delegated to him by the DGOF.

- (b) He will work out the plans for implementation of the reports/recommendations accepted by Govt.
- (c) As the Controlling authority he will distribute the personnel according to the requirement of Factories.
- (d) He will normally represent the DGOF on the UPSC.
- (e) He will normally once a year make or caused to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation there on all matters connected with Medical Estts.
- (f) He will initiate ACR's of DDHS and will review the reports of all PMO's, SMO's and AMO's.

III. Junior Scale posts in the Central Health Service :

(a) Candidates will be appointed to Junior Group 'A' scale and they will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. They will be confirmed in Junior Scale (Rs. 700—1300) in their turn after the satisfactory completion of probation.

(b) The candidates can be posted anywhere in India in any dispensary or hospital under any organisation participating in the Central Health Service viz., C.G.H.S. operating at Delhi, Bangalore, Bombay, Meerut etc., Coal Mines/Mica Mines Labour Welfare Organisations, Assam Rifles, Arunachal Pradesh, Lakshadweep, Andaman and Nicobar Island, P&T department etc. Private Practice of any kind whatsoever including lab. and Consultant Practice is prohibited.

(c) The following are the rates of pay admissible :

Junior Group 'A' Scale

Revised Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

	N.P.A.
1 to 5 stages.	Rs. 150 per month
6 to 10 stages	Rs. 200 per month
11th stage onwards	Rs. 250 per month

Officers who have put in at least 5 years' service in the Junior Scale will become eligible for promotion to Senior Scale.

Senior Scale Group 'A'

Revised Scale Rs. 1100—50—1600.

	N.P.A.
1 to 3 stages	Rs. 250 per month
4 to 5 stages	Rs. 300 per month
6 to 7 stages	Rs. 350 per month
8 to 9 stages	Rs. 400 per month
10 to 11 stages	Rs. 450 per month

Officers having 10 years' service in the Senior Scale will be eligible for appointment to Supertime Grade II in the scale of Rs. 1500—2000, provided the candidate possesses the requisite qualifications, including post-graduate qualification where necessary.

Specialists Grade II

Revised Scale : Rs. 1100—50—1500—EB—60—1800.

	N.P.A.
1 to 3 stages	Rs. 300 per month
4 to 6 stages	Rs. 350 per month
7 to 9 stages	Rs. 400 per month
10 to 12 stages	Rs. 450 per month
13 to 14 stages	Rs. 500 per month

Officers having 8 years' service in Specialist Grade II and possessing the requisite qualification may be considered for promotion to Specialist Grade I against 50% of vacancies to be filled through promotion.

#### Specialist Grade I

Revised Scale . Rs 1800—100—2000—125/2—2250—  
Rs 600 per month

#### Supertime Grade II

Revised Scale Rs 1500—60 1800—100—2000—Rs 600  
per month

Officers holding posts in Specialist Grade I or Supertime Grade II who have rendered 6 years' service in the higher grade on a regular basis may be considered for promotion to Supertime Grade I Level II

#### Supertime Grade I Level II

Revised Scale Rs 2250—125/2—2500—Rs. 600 per  
month

#### Supertime Grade I Level I

Revised Scale . Rs. 2500—125/2—2750—Rs. 600 per  
month

Vacancies in Supertime Grade I Level I shall be filled from amongst officers in Supertime Grade I Level II with 2 years' service in the grade, failing which with 8 years' combined service in Supertime Grade I Level II and Specialist Grade I/Supertime Grade II combined together, and failing both officers in Specialist Grade I and Supertime Grade II with 8 years' service in either grade

### APPENDIX III

#### CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

##### A Objective Test

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

##### B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, . . etc. Under each item will be given suggested responses marked a,b,c, . . . etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response (see "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

##### C METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a,b,c,d,e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it

completely with pencil as shown below (to indicate your response). It should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet

1	a		c	d	e
2	a	b	c		e
3		b	c	d	e

Your answer sheet will be scored by an optical scoring machine. For proper marking, use of non-fluorescent, non-bleeding answer sheets. It is, therefore, important that you

- 1 You bring and use only a good quality HB pencil(s) for answering the items. If a candidate may not read the marks with other people or persons correctly.
- 2 If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3 Do not handle the answer sheet in such a manner as to mutilate or cut or write or scribble it

##### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are not to enter the examination hall twenty minutes before the start of the examination.
2. Nobody will be allowed to enter the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the test, you must hand the Test Booklet and answer sheet to the invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT ALLOWED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
5. Write clearly and legibly in the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the top of the space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a ruler, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll no. and the date of the test on the back of your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

##### E SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. You are required information on the answer sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. Each Test Booklet will be marked with the number that no one opens it before the test starts. As soon as you have got

your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are *not* allowed to break the seal of the Test Booklet until you are asked to do so by the supervisor.

#### F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

#### G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Candidates who do not stop writing will be penalised. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet and the answer sheet out of the examination Hall. Those who violate this direction shall be severely penalised.

#### SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

- Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?
  - the successors of Asoka were all weak.
  - there was partition of the Empire after Asoka.
  - the northern frontier was not guarded effectively.
  - there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

(Answer—d)
- In a parliamentary form of Government
  - the Legislature is responsible to the Judiciary.

- the Legislature is responsible to the Executive.
- the Executive is responsible to the Legislature.
- the Judiciary is responsible to the Legislature.
- the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—C)

- The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to
  - facilitate development.
  - prevent disciplinary problems.
  - provide relief from the usual class room work.
  - allow choice in the educational programme.

(Answer—a)

- The nearest planet to the Sun is
  - Venus
  - Mars
  - Jupiter
  - Mercury

(Answer—d)

- Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?
  - the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
  - the less the vegetation the less is the silting of rivers that causes floods.
  - the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
  - the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Answer—c)

